Page 11

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

Page 10

दुमका, औरंगाबाद, आरा, एवं पटना से प्रकाशित

खेल

हार्दिक पंड्या के इंटरनेशनल क्रिकेट में 10 साल पूरे, इमोशनल पोस्ट किया, लिखा-यह तो...

देश

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने हिमाचल प्रदेश को दी बड़ी सौगात, इस सड़क के लिए मंजूर किए...

रजि नं.-JHAHIN/2022/82776

• दुमका • गुरूवार • 29 जनवरी 2026 • वर्ष 04 • अंक 343 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

सिंगूर की सभा में ममता का केंद्र पर हमला, एसआईआर को बताया 'सर्वनाश'

एजेंसी, हुगली । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को हुगली जिले के सिंगूर में आयोजित जनसभा से केंद्र सरकार पर एक के बाद एक कई आरोप लगाए। उन्होंने मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करने की साजिश करार देते हुए कहा कि वह किसी भी सूरत में बंगाल के लोगों को डिटेंशन कैंप में नहीं जाने देंगी। मुख्यमंत्री ने कहा, "एसआईआर के नाम पर एनआरसी लागू करने की साजिश चल रही है। मैं प्रधानमंत्री से पूछती हूं कि आपकी पत्नी का टाइटल क्या है? बंगाल की बेटियां शादी के बाद ससुराल जाती हैं, उनका सरनेम बदल जाता है, तो क्या उन्हें एसआईआर में बुलाया जाएगा?" उन्होंने कहा "मुझे जेल में डालो, गोली मारो, आई डोंट केयर। अगर मुझे जेल में डाला गया, तो माताएं-बहनें जवाब देंगी, किसान जवाब देंगे।" ममता बनर्जी ने केंद्र को चेतावनी देते हुए कहा कि "पाप बाप को भी नहीं छोड़ता। एसआईआर का मतलब है सर्वनाश। मुझे मारोगे तो प्रत्याघात होगा। मैं कालबैशाखी बन जाती हूं, टॉर्नेडो बन जाती हूं।" सभा के दौरान मुख्यमंत्री ने 'सर' और 'आतंक' शीर्षक से दो कविताएं भी पढ़ीं।

राष्ट्रपति के अभिभाषण में भारत की विकास यात्रा और भविष्य की दिशा स्पष्ट : प्रधानमंत्री

एजेंसी, नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को संसद के बजट सत्र की शुरुआत पर दोनों सदनों को राष्ट्रपति के संबोधन की सराहना करते हुए कहा कि यह संबोधन व्यापक, प्रेरक और दूरदर्शी रहा। राष्ट्रपति का संबोधन हाल के वर्षों में भारत की उल्लेखनीय विकास यात्रा को दर्शाने के साथ-साथ भविष्य के लिए स्पष्ट दिशा भी तय करता है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि संसदीय परंपराओं में राष्ट्रपति का संबोधन विशेष महत्व रखता है क्योंकि यह आने वाले महीनों में देश की विकास यात्रा को दिशा देने वाले नीतिगत संकल्पों को सामने रखता है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह संबोधन देश को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाने में मार्गदर्शक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के संबोधन में 'विकसित भारत' के निर्माण पर विशेष जोर दिया गया, जो मजबूत और आत्मनिर्भर राष्ट्र के निर्माण की हमारी साझा आकांक्षा को प्रतिबिंबित करता है। मोदी ने कहा कि संबोधन में सुधारों की रफ्तार को और तेज करने, नवाचार तथा सुशासन पर जोर देने की सामूहिक प्रतिबद्धता भी स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

हमने अन्याय को अस्वीकारा और न्याय की प्रतीक्षा करेंगे: स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

एजेंसी, प्रयागराज । शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज ने कहा कि हमने अन्याय को अस्वीकार किया है और न्याय की प्रतीक्षा करेंगे। धार्मिक नगरी संगम से प्रस्थान करते समय आज शब्द साथ नहीं दे रहे, स्वर बोझिल है। प्रयाग की धरती पर यहां पर जो कुछ घटित हुआ, उसने हमारी आत्मा को झकझोर दिया है। संगम में हम बिना स्नान किये यहां से विदा ले रहे हैं। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज बुधवार को पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज हम प्रयागराज से जा रहे हैं, लेकिन अपने पीछे सत्य की गूंज छोड़कर जा रहे हैं। सबकुछ कहा जा चुका है। मंगलवार की शाम और प्रातः काल प्रशासन की ओर से हमारे मुख्य कार्याधिकारी को एक प्रस्ताव भेजा गया। जिसमें कहा गया कि आप जब स्नान के लिए जाना चाहें, मेला प्रशासन ससम्मान स्नान कराने के लिए तैयार है। महाराज ने कहा कि हमें लगा अगर हम स्नान कर लेंगे, पुष्पवर्षा करवा लेंगे तो उस दिन की बात अधूरी रह जाएगी। जो असली मुद्दा है, जिसके लिए दस दिन तक हम फुटपाथ पर बैठे रहे। लंबा समय दिया लेकिन दस-ग्यारह दिन बीत जाने के बाद जब जाने का निर्णय लिया, तब ऐसा प्रस्ताव सामने आया। हमने स्वीकार नहीं किया।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार समेत 5 लोगों की विमान दुर्घटना में मौत

एजेंसी, मुंबई

महाराष्ट्र के बारामती में बुधवार सुबह हुए विमान हादसे में उप मुख्यमंत्री अजित पवार की मौत हो गई। हादसा बारामती के हवाई अड्डे पर उतरने के दौरान हुआ। दुर्घटना के बाद घटनास्थल से सामने आई तस्वीरों और वीडियो में विमान पूरी तरह क्षतिग्रस्त और जला हुआ दिखाई दिया।

इस हादसे में कुल पांच लोगों की मृत्यु हुई है। इनमें अजित पवार के साथ उनके अंगरक्षक विदीप जाधव, फ्लाइट अटेंडेंट पिंकी माली, पायलट कैप्टन सुमित कपूर तथा कैप्टन शांभवी पाठक शामिल हैं।

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बताया कि विमान लियरजेट 45 (वीटी-एसएसके) आज सुबह बारामती एयरपोर्ट पर क्रैश लैंड हो गया। विमान में पांच लोग सवार थे, जिनमें महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्रीअजीत पवार के साथ दो

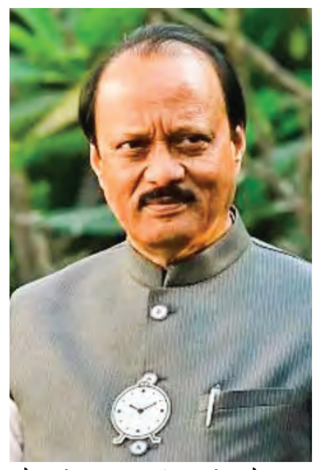

और लोग (एक पीएसओ और एक अटेंडेंट) और 2 क्रू मेंबर शामिल थे। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, इस हादसे में विमान में सवार कोई भी व्यक्ति जिंदा नहीं बचा है।

बताया जा रहा है कि जिला परिषद चुनावों के मद्देनजर अजित पवार की बुधवार को बारामती में

चार जनसभाएं प्रस्तावित थीं। इन्हीं कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए वे मुंबई से बारामती के लिए रवाना हुए थे। विमान जब बारामती में उतरने की प्रक्रिया में था, तभी वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अजित पवार जिस विमान से यात्रा कर रहे थे वह बॉम्बार्डियर कंपनी का लियरजेट-45 श्रेणी का था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विमान पहले नीचे की ओर आता दिखा, फिर अचानक अनियंत्रित होकर जमीन से टकरा गया, जिसके बाद तेज विस्फोट हुआ।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मीडिया से बातचीत में कहा कि जमीन से जुड़े जननेता, मेरे मित्र और सहयोगी, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान दुर्घटना में निधन की खबर से मन व्यथित है। मैंने अपना एक दमदार और दिलदार मित्र खो दिया है। यह मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति है, जो कभी पूरी नहीं हो सकती। यह घटना महाराष्ट्र के लिए अत्यंत पीड़ादायक है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री के निधन पर जताया शोक

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार सहित अन्य लोगों के निधन पर शोक जताया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर बुधवार को लिखा है कि महाराष्ट्र के बारामती में प्लेन क्रैश में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार सहित अन्य लोगों के आकस्मिक निधन का अत्यंत हृदयविदारक समाचार मिला। उपमुख्यमंत्री का आकस्मिक निधन महाराष्ट्र की राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि मरांग बुरु दिवंगत अजीत तथा अन्य लोगों की आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों, पार्टी कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों को दुःख की यह विकट घड़ी सहन करने की शक्ति दे।

निकाय चुनाव अद्यतन मतदाता सूची से कराना सुनिश्चित करे राज्य सरकार: बाबूलाल मरांडी

एजेंसी, रांची

झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार को नगर निकाय चुनाव में पुराने मतदाता सूची के उपयोग को लेकर कटघरे में खड़ा किया है। मरांडी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा कि झारखंड में नगर निकाय चुनाव अक्टूबर 2024 की मतदाता सूची के आधार पर कराए जाने की योजना है। इसका मतलब यह है कि केवल एक अक्टूबर 2024 से पहले पंजीकृत मतदाता ही मतदान में भाग ले सकेंगे। इस स्थिति में पिछले 15 महीनों में मतदाता सूची में शामिल हुए नए मतदाता और वे मतदाता, जिन्होंने अपना नाम एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित कराया है, नगर निकाय चुनाव में मतदान नहीं कर पाएंगे। मरांडी ने कहा कि

मतदाता सूची का वार्षिक और अर्द्धवार्षिक पुनरीक्षण नियमित रूप से किया जाता है। इसके बावजूद अगर पुरानी सूची के आधार पर चुनाव कराए गए, तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत होगा। उन्होंने इसे मतदाताओं के संवैधानिक अधिकार के प्रति गंभीर अन्याय बताया। नेता प्रतिपक्ष ने राज्य सरकार से मांग की है कि नगर निकाय चुनाव अद्यतन मतदाता सूची के आधार पर कराए जाएं, ताकि हर मतदाता की भागीदारी सुनिश्चित हो सके और शहर की सरकार चुनने की प्रक्रिया में किसी को वंचित न किया जाए।

बिहार में सीवान, मुजफ्फरपुर और भागलपुर जिला अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा बल अलर्ट

एजेंसी, पटना

बिहार के सीवान, मुजफ्फरपुर और भागलपुर जिला अदालतों को बुधवार को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल प्राप्त हुआ। धमकी के बाद कोर्ट प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और सुरक्षा के मद्देनजर कोर्ट परिसर को खाली करा दिया गया।

मुजफ्फरपुर जिला सिविल कोर्ट में प्राप्त ई-मेल में सिलसिलेवार बम धमाके और आत्मघाती हमलावर के जरिए हमला करने की बात कही गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला जज ने तत्काल प्रभाव से कोर्ट परिसर खाली कराने का निर्देश जारी

किया। न्यायालय कर्मियों, वकीलों और आम जनता को सुरक्षित बाहर निकाला गया। बम निरोधक दस्ते (बीआरडीएस) और डॉग स्क्वायड को मौके पर बुलाया गया है, जो पुलिस परिसर की चप्पे-चप्पे तलाशी ले रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) समेत वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि ई-मेल के स्रोत का पता लगाने के लिए साइबर सेल की टीम जांच में जुटी है। फिलहाल पूरे कोर्ट परिसर को एक किले की तरह सख्त सुरक्षा व्यवस्था में बदल दिया गया है। जिला प्रशासन ने जनता से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। सीवान सिविल कोर्ट को भी बम धमाके की धमकी ई-मेल के जरिए मिली। बार काउंसिल के सचिव नवेंदु शेखर दीपक को यह ई-मेल प्राप्त हुआ, जिसमें बताया गया कि बुधवार दोपहर 12 बजे कोर्ट को उड़ाने की योजना है। इसके बाद कोर्ट परिसर को पुलिस छावनी में बदल दिया गया। वकीलों और कर्मचारियों की गाड़ियों की जांच की जा रही है। जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष शंभु दत्त शुक्ला ने कहा कि कोर्ट परिसर में सुरक्षा जांच की जा रही है और कर्मचारियों तथा वकीलों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

यूजीसी के नए नियमों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को तैयार

एजेंसी, नई दिल्ली । उच्चतम न्यायालय उच्च शिक्षण संस्थानों को लेकर जारी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों के खिलाफ दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई के लिए सहमत हो गया है। आज दो याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष मेंशन करते हुए जल्द सुनवाई की मांग की, जिसके बाद कोर्ट ने इस पर जल्द सुनवाई का भरोसा दिया। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हमें इस बात की जानकारी है। आप याचिका में तकनीकी खामियों को दुरस्त कीजिए। हम जल्द सुनवाई के लिए लिस्ट करेंगे। उच्चतम न्यायालय में राहुल दीवान और वकील विनीत जिंदल के अलावा भी कई याचिकाएं दाखिल की गई हैं।

अमेरिका के बिना खुद की रक्षा नहीं कर सकता यूरोप, इसके लिए बढ़ाना होगा रक्षा खर्च

- **नाटो के महासचिव मार्क रुट ने यूरोपीय संसद को संबोधित करते हुए दी चेतावनी**

एजेंसी, वॉशिंगटन

नाटो के महासचिव मार्क रुट ने ब्रुसेल्स में यूरोपीय संसद को संबोधित करते हुए चेतावनी दी कि यूरोप अमेरिका के बिना खुद की रक्षा नहीं कर सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रुट ने कहा कि अगर वे वास्तव में अकेले ही ऐसा करना चाहते हैं तो उन्हें अपने रक्षा खर्च को 10फीसदी तक बढ़ाना होगा, अपनी परमाणु क्षमता का निर्माण करना होगा, जिसकी लागत अरबों यूरो होगी। अभी नाटो के खर्च में यूरोपीय देशों का कुल योगदान केवल 30फीसदी

है, जो देशों की जीडीपी का औसतन 2फीसदी है। रिपोर्ट के मुताबिक रुट ने ट्रम्प के आर्कटिक क्षेत्र और ग्रीनलैंड की मजबूत रक्षा की रणनीति का समर्थन किया। रुट ने कहा कि उन्होंने ट्रम्प को उनकी बढ़ती धमकियों से पीछे हटने के लिए मनाया और ग्रीनलैंड को लेकर समझौते की दिशा में ले जाने की कोशिश की। ट्रम्प ने 21 जनवरी को दावोस में रुट के साथ ग्रीनलैंड को लेकर बातचीत की थी। डेनमार्क और ग्रीनलैंड के नेता इस बात से नाराज हो गए थे कि ट्रम्प और रुट उनके पीठ पीछे ग्रीनलैंड के भविष्य पर बात कर रहे हैं। यूरोपीय संसद के कई सदस्यों ने रुट से पूछा कि उन्होंने ट्रम्प से क्या चर्चा की और इसका डेनमार्क व ग्रीनलैंड पर क्या असर होगा। बता दें ट्रम्प ने पिछले हफ्ते दावा किया था कि ग्रीनलैंड के भविष्य को लेकर नाटो के साथ एक समझौते का ढांचा तैयार हो गया है, जिससे यूरोप में राहत मिली, हालांकि कई लोग चिंतित हैं कि ट्रम्प अपना मन बदल सकते हैं। रुट ने कहा कि 70 साल बाद भी यूरोप अमेरिकी सैन्य शक्ति पर निर्भर है। यूरोप को अपनी मजबूत रक्षा के लिए बहुत अधिक खर्च करना होगा।

सोनमर्ग में कुदरत का खौफनाक कहर, होटल इलाके के पास गिरा विशालकाय एवलांच

एजेंसी, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सोनमर्ग से हिमस्खलन (एवलांच) का एक बेहद डरावना वीडियो सामने आया है, जिसने सुरक्षा और आपदा प्रबंधन को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में स्थित सोनमर्ग के होटल जोन के ठीक ऊपर पहाड़ों से अचानक बर्फ का एक विशाल सैलाब नीचे की ओर टूटकर गिरा। यह पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसमें देखा जा सकता है कि कैसे चंद सेकंड के भीतर बर्फ के गुबार ने पूरे इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। वीडियो फुटेज में साफ नजर आता है कि ऊंचे पहाड़ों की चोटियों से भारी मात्रा में बर्फ तेजी से नीचे की ओर खिसकती है। कुछ ही पलों में यह एक विशाल सफेद बादल की तरह फैल जाती है, जिससे आसपास के क्षेत्रों में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत यह रही कि इस भयानक घटना में किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं मिली है। स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन एजेंसियों ने राहत की सांस लेते हुए बताया कि बर्फीला सैलाब होटल परिसर से कुछ ही दूरी पर रुक गया, जिससे एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। घटना की सूचना मिलते ही सुरक्षाबलों और प्रशासनिक टीमों ने प्रभावित इलाके का निरीक्षण किया। कश्मीर घाटी में पिछले कुछ दिनों से जारी भारी बर्फबारी ने इस तरह की घटनाओं के खतरे को काफी बढ़ा दिया है। सोनमर्ग और उसके आसपास के उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में रिकॉर्ड स्तर की बर्फबारी हुई है, जिससे कई स्थानों पर 6 फीट तक बर्फ जमा हो चुकी है। भारी बर्फ के इस जमाव के कारण पहाड़ी ढलानों पर दबाव बढ़ गया है, जो हिमस्खलन का मुख्य कारण बन रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि ताजी बर्फबारी के बाद तापमान में मामूली वृद्धि या तेज हवाएं भी बर्फ की परतों को अस्थिर कर सकती हैं, जिससे अचानक एवलांच की स्थिति पैदा हो जाती है।

आतंकवाद पर भारत संदेश, जवाब दृढ़ और निर्णायक होगा : राष्ट्रपति मुर्मु

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने सिद्ध कर दिया है कि वह शक्ति का प्रयोग उत्तरदायित्व और विवेक के साथ करता है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से विश्व ने भारतीय सेना का शौर्य और पराक्रम देखा है तथा सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत पर किसी भी आतंकी हमले का जवाब दृढ़ और निर्णायक होगा। राष्ट्रपति ने गुरु तेग बहादुर जी की पंक्ति का उल्लेख करते हुए कहा—"न किसी से डरें, न किसी को डराएं", यही भारत की सुरक्षा नीति का मूल है। अपने अभिभाषण में राष्ट्रपति ने कहा कि

वर्ष 2026 के साथ भारत इस सदी के दूसरे चरण में प्रवेश कर चुका है। सदी के पहले 25 वर्षों में भारत ने अनेक सफलताएं, गौरवपूर्ण उपलब्धियां और महत्वपूर्ण अनुभव अर्जित किए हैं। बीते 10–11 वर्षों में देश ने हर क्षेत्र में अपनी नींव मजबूत की है, जो वर्ष 2047 तक विकसित भारत की तेज यात्रा का आधार बनेगी। राष्ट्रीय विरासत का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि बीता वर्ष भारत के तेज विकास और विरासत के उत्सव के रूप में स्मरणीय रहा। वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर देशभर में कार्यक्रम आयोजित हुए और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को नमन किया गया। उन्होंने गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व, भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती, सरदार पटेल की 150वीं जयंती और भारत रत्न भूपेन हजारिका की जन्म-शताब्दी समारोहों का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन राष्ट्रीय एकता और नई पीढ़ी को प्रेरणा देते हैं। सामाजिक न्याय पर जोर देते हुए राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर समानता और सामाजिक न्याय के प्रबल पक्षधर थे। संविधान भी हमें यही प्रेरणा देता है कि हर नागरिक को बिना भेदभाव के उसका पूरा अधिकार मिले। उन्होंने कहा कि सरकार सच्चे सामाजिक न्याय के लिए समर्पित है और इसका परिणाम है कि पिछले एक दशक में 25 करोड़ से अधिक देशवासी गरीबी से बाहर आए हैं।

संक्षिप्त समाचार

नर्सों ने कार्य का किया बहिष्कार :रिम्स में नर्स से हाथापाई, डेढ़ घंटे तक इमरजेंसी ठप

रांची, एजेंसी। रिम्स में स्टाफ नर्स से धक्का-मुक्की के बाद जमकर बवाल हुआ। नर्सों ने कार्य का बहिष्कार कर दिया। इससे करीब डेढ़ घंटे तक सेंट्रल इमरजेंसी में सेवा ठप रही। घटना रिम्स के मेडिसिन ए-2 वार्ड में मंगलवार शाम चार बजे हुई। डॉ. अभय कुमार की यूनिट में कार्यरत स्टाफ नर्स अनुपमा कुमारी तिर्की ने बताया कि वहां भर्ती डोरंडा निवासी हासिब अंसारी को देखने एक महिला-पुरुष पहुंचे। डॉक्टर के बारे में पूछा। जब उन्हें बताया कि डॉक्टर राउंड लेकर जा चुके हैं तो वे भड़क गए। डॉक्टर को तत्काल बुलाने को कहा। फिर खुद को कांग्रेस अध्यक्ष बताने वाली महिला ने उनसे दुर्व्यवहार किया। पीछे से धक्का दिया। बाल पकड़कर खींचा। हाथापाई शुरू कर दी। रात नौ बजे चिकित्सा अधीक्षक डॉ. हिरेंद्र बिरूआ और अपर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. शैलेश त्रिपाठी इमरजेंसी में पहुंचे। नर्सों से एक घंटे वार्ता हुई। इसके बाद रात 9 :30 बजे इमरजेंसी सेवा बहाल हुई। दोषी के खिलाफ कार्रवाई और एफआईआर का आश्वासन मिलने के बाद रात 10 :30 बजे नर्सें काम पर लौटीं। नर्सों के कार्य बहिष्कार के दौरान रात करीब 10 बजे इमरजेंसी में भर्ती दो मरीजों की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि समय पर इलाज और दवा न मिलने के कारण उनकी जान गई। हालांकि हड़ताल के कारण दोनों की मौत हुई, इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

राज्य में निवेश और रोजगार संभावनाओं को मिला वैश्विक मंच : झारखंड चैंबर

रांची, एजेंसी। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम, दावोस और यूके में वैश्विक मंच पर झारखंड का सफल प्रतिनिधित्व कर रांची आगमन पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन का मंगलवार को झारखंड चैंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा के नेतृत्व में चैंबर सदस्यों ने एयरपोर्ट पर स्वागत किया। चैंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि झारखंड सरकार की पहल पर झारखंड चैंबर को हाई डेलिगेशन में शामिल किया जाना देश-विदेश के उद्यमियों के लिए स्पष्ट संदेश है कि झारखंड अब निवेश के लिए पूरी तरह तैयार है। राज्य में व्यापार, उद्योग और रोजगार की असीम संभावनाओं को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि हमारी दावोस यात्रा के क्रम में हमारी टेक महिंद्रा, लूलू ग्रुप, टाटा, अडानी समूह, टीसीएस सहित कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कंपनियों से सकारात्मक संवाद हुआ और झारखंड में निवेश के प्रति गहरी रुचि देखी गई। हम अन्य प्रदेशों के स्टाल में भी गए पर सबसे ज्यादा इच्छुक झारखंड पवेलियन में ही लोगों का था। ग्रो विद नेचर के झारखंड सरकार के स्लोगन की वैश्विक स्तर पर सराहना भी हुई। चैंबर सरकार के साथ सहभागी बनकर नीतिगत सुझाव देता रहेगा। महासचिव रोहित अग्रवाल ने कहा कि दावोस यात्रा के दौरान वैश्विक स्तर पर विचारों का आदान-प्रदान अत्यंत प्रेरणादायी रहा। सह सचिव रोहित पोद्दार व उपाध्यक्ष राम बांगड़ ने कहा कि झारखंड गठन के बाद पहली बार चैंबर को वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में शामिल होने का अवसर मिला, जो मुख्यमंत्री की दूरदर्शिता का परिचायक है। मौके पर उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया, नवजोत अलंग, अनिल अग्रवाल, विकास विजयवर्गीय, आस्था किरण, पूजा ढाढा, मुकेश अग्रवाल, अमित शर्मा, शैलेश अग्रवाल, किशन अग्रवाल, तेजविंदर सिंह, रमेश साहू व अन्य मौजूद थे।

झारखंड में नगर निकाय चुनाव का एलान; 48 निकायों में 23 फरवरी को मतदान

रांची, एजेंसी। झारखंड में लंबे समय से लंबित नगर निकाय चुनाव को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो गई है। राज्य निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को राज्य के 48 नगर निकायों में चुनाव कराने की औपचारिक घोषणा कर दी। इसके तहत 23 फरवरी, सोमवार को मतदान होगा और 27 फरवरी को मतगणना कर परिणाम घोषित किए जाएंगे। राज्य चुनाव आयुक्त अलका तिवारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से चुनाव कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह पहली बार है जब राज्य में नगर निकाय चुनाव कराए जा रहे हैं, जिससे यह चुनाव विशेष महत्व रखता है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, मतदान सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक कराया जाएगा। नामांकन की प्रक्रिया 29 जनवरी से 4 फरवरी तक चलेगी। नामांकन पत्रों की जांच 5 फरवरी को होगी, जबकि 6 फरवरी को नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि तय की गई है। सभी प्रत्याशियों को 7 फरवरी को चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। इन चुनावों में राज्य के कुल 48 नगर निकाय शामिल हैं, जिनमें 9 नगर निगम, 20 नगर परिषद और 19 नगर पंचायत शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2020 के बाद से इन निकायों में चुनाव नहीं हो पाए थे। पहले कोरोना महामारी और बाद में ओबीसी आरक्षण तथा ट्रिपल टेस्ट से जुड़े कानूनी पेचों के कारण नगर निकाय चुनाव लगातार टलते रहे। अंतत : हाईकोर्ट के हस्तक्षेप और समयसीमा तय होने के बाद चुनाव का रास्ता साफ हुआ।चुनाव की घोषणा के साथ ही राज्य की राजनीति में हलचल बढ़ गई है। भाजपा, कांग्रेस और झामुमो समेत सभी प्रमुख राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं।

रजरप्पा में विसर्जन जुलूस के दौरान बवाल

पुलिस पर पथराव में कई जवान घायल, 10 गिरफ्तार

रजरप्पा(रामगढ़), एजेंसी। रजरप्पा थाना क्षेत्र अंतर्गत सुकरीगढ़ा गांव के बमहनीडीह में बीती रात सरस्वती पूजा के अवसर पर निकाले गए विसर्जन जुलूस के दौरान अचानक हालात बिगड़ गए। शांतिपूर्ण माहौल में निकला जुलूस देखते ही देखते विवाद और हिंसा में बदल गया, जिससे इलाके में दहशत फैल गई।

मूर्ति विसर्जन के दौरान ग्रामीणों व पुलिस के बीच हुई झड़प में मूर्ति विसर्जन में शामिल लोगों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। और पुलिस को हालात काबू में करने के लिए अतिरिक्त बल तैनात करना पड़ा।

दरअसल सुकरीगढ़ा में बीती रात ग्रामीणों द्वारा सरस्वती माता की प्रतिमा विसर्जन को लेकर जुलूस निकाला गया था। इसी बीच गाजे बाजे के साथ ग्रामीण मूर्ति लेकर देवी मंडा के समीप पहुंचे थे। वहीं रजरप्पा थाना पुलिस द्वारा ग्रामीणों से जल्द से जल्द प्रतिमा विसर्जन करने को लेकर आग्रह कर रहे थे।

साथ ही डीजे को बंद कर समीप के तालाब में प्रतिमा विसर्जन करने का लगातार अनुरोध कर रहे थे। लेकिन कुछ ग्रामीणों द्वारा डीजे बंद नहीं करने की बात पर करने लगे। साथ ही मूर्ति विसर्जन भी आगे आने वाले तालाब में करने की बात पर अड़ गए।

वहीं पुलिस द्वारा समीप के तालाब में मूर्ति विसर्जन करने की बात कर रहे थे। इसी बीच ग्रामीणों व पुलिस में जोरदार झड़प शुरू हो गई। इस दौरान रात का फायदा उठाते हुए कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा अचानक पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। पथराव में रजरप्पा थाना के कॉन्स्टेबल सह अंगरक्षक फूलचंद महतो के सर पर गंभीर चोट लग गई। जिससे उनका माथा फट गया। साथ ही वहां मौजूद अवर निरीक्षक रंजीत कुमार महतो, मो इकबाल, चालक हवलदार, रोहित कुमार सिंह व पुलिस सहयोगी रूपेश महतो भी घायल हो गए। सभी का इलाज सदर अस्पताल रामगढ़ में किया गया।

इसके बाद पुलिस द्वारा भी जवाबी करवाई की गई। जिससे कई ग्रामीणों के भी घायल होने की खबर है। घटना की सूचना मिलने के बाद रामगढ एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, रजरप्पा थाना प्रभारी कृष्ण कुमार सहित कई पुलिस पदाधिकारी घटनास्थल पहुंच गए और आरोपियो की धर पकड़ में जुट गई।

पुलिस के इस कार्यवाई के बाद पूरा सुकरीगढ़ा पुलिस छावनी में तब्दील हो गया। एसडीपीओ खुद कमान संभालते हुए कई घरों में तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान दर्जनों लोगों को हिरासत में भी लिया गया है। साथ ही मौके पर से डीजे साउंड सिस्टम, 5 मोटरसाइकिल व एक टेम्पू भी जब्त कर थाना लाया गया है। सुकरीगढ़ा में बीते रात को हुए पथराव मामले में रजरप्पा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 43 नामजद व 150 अज्ञात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज किया गया है। साथ ही सभी की गिरफ्तारी के लिए छापामारी अभियान तेज कर दिया गया है।

इस बाबत रजरप्पा थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने कहा कि सुकरीगढ़ा में बीती रात ग्रामीणों के द्वारा पुलिस पर हमला किया गया है। जिसपर सख्त कार्रवाई की गई है। आरोपियों को किसी भी हाल में नही छोडा जाएगा।

सुकरीगढ़ा में हुए पुलिस और ग्रामीणों की झड़प व पथराव मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 10 लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। जेल जाने वालों में अक्षय कुमार सोनी, नारायण साव, विशाल वर्मा, सुजीत कुमार, संतोष कुमार, अजय कुमार, प्रीतम कुमार, उत्तम कुमार, पिंकू प्रसाद, हीरालाल मुंडा शामिल है।

यूजीसी कानून के विरोध में रांची में छात्रों का प्रदर्शन, केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी

रांची, एजेंसी। केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा संसद में पारित यूजीसी कानून के विरोध में छात्रों का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को रांची स्थित डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय परिसर में छात्र-छात्राओं ने विरोध प्रदर्शन कर अपना आक्रोश जताया।

प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। छात्रों ने यूजीसी कानून की प्रति जलाकर विरोध दर्ज कराया, जिससे परिसर में कुछ समय के लिए तनावपूर्ण माहौल बन गया, हालांकि स्थिति शांतिपूर्ण बनी रही। प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना था कि यह कानून शिक्षा व्यवस्था में समानता के सिद्धांत के खिलाफ है। उनका आरोप था कि इससे समाज में भेदभाव बढ़ेगा और स्कूल व कॉलेजों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के बीच असमानता पैदा होगी।छात्रों ने कहा कि पहले से ही आरक्षण व्यवस्था के कारण सामान्य वर्ग के छात्र प्रभावित हैं और इस नए कानून के लागू होने से उनकी समस्याएं और बढ़ जाएंगी। उनका मानना है कि अच्छे अंक लाने के बावजूद सामान्य वर्ग के मेधावी छात्रों को अवसर नहीं मिल पाते।

छात्रों ने आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव के दौरान केंद्र सरकार ने हिंदुत्व और एकता के नाम पर वोट मांगे थे, लेकिन ऐसे कानून समाज में आपसी सौहार्द और भाईचारे को कमजोर करेंगे। उनका कहना था कि इससे शैक्षणिक संस्थानों में टकराव की स्थिति बन सकती है।प्रदर्शन में शामिल प्रेम कुमार, विष्णु कुमार राम, अक्षय कुमार पांडेय, राहुल कुमार सहित अन्य छात्रों ने केंद्र सरकार से यूजीसी कानून को वापस लेने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

झरिया में इंसानियत शर्मसार ! कुत्ते की गंदगी पर महिला निगमकर्मी की पिटाई, सफाई कर्मचारी हड़ताल पर

धनबाद, एजेंसी। झारखंड के धनबाद जिले के झरिया थाना क्षेत्र के अशोक नगर में सोमवार को मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई. यहां एक दुकानदार ने नगर निगम में कार्यरत महिला सफाईकर्मी की बेरहमी से पिटाई कर दी. वजह सिर्फ इतनी थी कि दुकान के सामने कुत्ते ने शौच कर दिया था. महिला सफाईकर्मी ने पहले उसे खुद हटाने की बात कही थी. इसी बात पर दुकानदार इतना भड़क गया कि उसने महिला पर हमला की बुरी तरह पिटाई कर दी.

पीड़िता की पहचान कोयरीबांध निवासी मंजू देवी के रूप में हुई है. मंजू देवी रोज की तरह अपने तय एरिया में सफाई का काम कर रही थीं. इसी दौरान एक दुकानदार ने उन्हें बुलाकर दुकान के सामने सफाई करने को कहा. पास ही कुत्ते की गंदगी पड़ी थी. जब मंजू देवी ने आपत्ति जताई और पूरी स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश की, तो दुकानदार आपा खो बैठा.

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आरोपी दुकानदार ने मंजू देवी के हाथ से झाड़ू छीन ली, उनकी साड़ी पकड़कर खींचा और फिर हाथ, कान और सिर पर ताबड़तोड़ वार करने लगा. अचानक हुए इस हमले से मंजू देवी जमीन पर गिर पड़ीं और उनके सिर व कान से खून बहने लगा.

घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों और परिजनों ने किसी तरह बीच-बचाव कर मंजू देवी को आरोपी के चंगुल से छुड़ाया. गंभीर हालत में उन्हें झरिया थाना ले जाया गया, जहां आरोपी दुकानदार के खिलाफ लिखित शिकायत दी गई. पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है. झरिया थाना प्रभारी शशि रंजन ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच की जा रही है और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

घटना के बाद मंजू देवी ने रोते हुए बताया, 'मैं रोज की तरह काम कर रही थी. उसने अचानक झाड़ू से मुझे मारा, साड़ी खींची, सिर और कान पर वार किया. बहुत दर्द हुआ, खून भी बहने लगा. मैं गरीब हूं, लेकिन इंसान हूं. मुझे न्याय चाहिए.' उनकी हालत देखकर परिजन भी भावुक हो उठे और दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की.

घटना की जानकारी मिलते ही झरिया और आसपास के इलाकों में काम करने वाले सफाईकर्मी एकजुट हो गए. सभी ने काम बंद कर दिया और झरिया थाना परिसर के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया. प्रदर्शनकारी सफाईकर्मियों ने कहा कि यह सिर्फ मंजू देवी पर हमला नहीं है, बल्कि पूरे सफाईकर्मी समाज का अपमान है. प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि आरोपी दुकानदार को तुरंत गिरफ्तार किया जाए और उसके खिलाफ सख्त धाराओं में मामला दर्ज किया जाए, ताकि भविष्य में कोई भी सफाईकर्मी खासकर महिलाएं इस तरह की हिंसा का शिकार न हों.

कैरव गांधी अपहरण मामले में पुलिस का दावा, पुलिस दबिश से घबराकर जीटी रोड पर छोड़ा गया युवक

रांची , एजेंसी। जमशेदपुर के व्यवसायी देवांग गांधी के पुत्र कैरव गांधी को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है। 13 जनवरी को हुए अपहरण के इस मामले को लेकर जिले के एसएसपी पीयूष पाण्डेय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी।

एसएसपी पीयूष पाण्डेय ने बताया कि 13 जनवरी को बिष्टुपुर थाना क्षेत्र के सीएच एरिया से 24 वर्षीय कैरव गांधी का अज्ञात अपराधियों द्वारा अपहरण कर लिया गया था। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी और सभी संभावित पहलुओं पर अनुसंधान किया गया।

जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली थी कि अपहरणकर्ता कैरव गांधी को किसी अन्य स्थान पर शिफ्ट करने की योजना बना रहे हैं। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संभावित मार्गों पर विशेष टीमों की तैनाती की और लगातार दबिश बनानी शुरू की।

एसएसपी ने बताया कि लगातार पुलिस कार्रवाई और दबिश के कारण अपराधी घबरा गए। इसी दबाव में उन्होंने जीटी रोड पर चौपारण से बरही खंड के बीच सड़क किनारे कैरव गांधी को छोड़ दिया और मौके से फरार हो गए।

पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए कैरव गांधी को सुरक्षित बरामद किया और मंगलवार सुबह करीब 4:30 बजे उन्हें जमशेदपुर स्थित उनके निवास पर सकुशल पहुंचा दिया गया।

एसएसपी पीयूष पाण्डेय ने स्पष्ट किया कि इस मामले में अभी तक किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। हालांकि, अपहरणकर्ताओं की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापामारी की जा रही है और अनुसंधान जारी है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बोकारो के चास की 16 सीटों पर महिलाओं का दिखेगा दम, 16 पूर्व प्रत्याशी अयोग्य घोषित

रांची, एजेंसी। झारखंड में नगर निकाय चुनाव की घोषणा के साथ ही बोकारो जिले में भी राजनीतिक हलचल तेज हो गई है. जिले के चास नगर निगम और फुसरो नगर परिषद क्षेत्र में चुनाव कराए जाएंगे. चास नगर निगम में 1,62,073 और फुसरो नगर परिषद में 65,082 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर नगर सरकार चुनेंगे. उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी अजयनाथ झा ने बताया कि दोनों निकायों में प्रत्याशी 29 जनवरी से 4 फरवरी तक नामांकन दाखिल कर सकेंगे. 23 फरवरी को मतदान होगा, जबकि 27 फरवरी को मतगणना कराई जाएगी. खास, बात यह है कि चास नगर निगम की कुल 35 सीटों में से 16 सीट पर महिला प्रत्याशी अपना दमखम दिखाएंगी. इसमें फुसरो सीट से 15 पूर्व और चास सीट से एक प्रत्याशी अयोग्य घोषित कर दिए गए हैं.

उपायुक्त अजयनाथ झा ने बताया कि चास नगर निगम क्षेत्र में कुल 83,106 पुरुष, 78,950 महिला और 17 थर्ड जेंडर मतदाता हैं. वहीं फुसरो नगर परिषद क्षेत्र में 33,292 पुरुष और 31,790 महिला मतदाता हैं. इस तरह दोनों क्षेत्रों में कुल 2,27,155 मतदाता चुनाव में भाग लेंगे.

डीसी अजयनाथ झा ने बताया कि चास नगर निगम में मेयर का पद अनारक्षित यानी सामान्य श्रेणी के लिए रखा गया है. वहीं, फुसरो नगर परिषद में अध्यक्ष पद अनुसूचित जाति (महिला) के लिए आरक्षित किया गया है. इससे दोनों क्षेत्रों में राजनीतिक समीकरण अलग-अलग नजर आ रहे हैं और संभावित उम्मीदवारों की गतिविधियां तेज हो गई हैं.

चास नगर निगम क्षेत्र में कुल 130 मतदान केंद्रों पर मतदान कराया जाएगा. इसके लिए 54 मतदान भवन चिह्नित किए गए हैं. इनमें 29 सामान्य, 39 संवेदनशील और 62 अति संवेदनशील मतदान केंद्र शामिल हैं. फुसरो नगर परिषद क्षेत्र में 65 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिनके लिए 43 मतदान भवन चिह्नित किए गए हैं.

नगर निकाय चुनाव : रांची में मतगणना के लिए 5 भवनों का चुनाव, विकल्प के तौर पर होगा इस्तेमाल

रांची, एजेंसी। नगर निकाय चुनाव को लेकर मतगणना स्थल को लेकर स्थिति स्पष्ट करने की कवायद तेज हो गई है। हाई कोर्ट के आदेश के बाद रांची के पंडरा बाजार स्थित मतगणना स्थल पर फिलहाल रोक लगी हुई है।

सी को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर शहर के पांच प्रमुख भवनों को चिह्नित किया है और इन स्थलों का निरीक्षण कर प्रस्ताव तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

इस संबंध में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रांची की ओर से संबंधित विभागों को पत्र जारी कर मतगणना एवं बज्रगृह के लिए संभावित स्थलों का भौतिक निरीक्षण कराने का निर्देश दिया गया है।

स्पष्ट किया गया है कि आगामी चुनावों को देखते हुए मतगणना और बज्रगृह के लिए उपयुक्त स्थान का चयन किया जाना आवश्यक है। इसी क्रम में गैर सरकारी और सरकारी भवनों को विकल्प के रूप में चिन्हित किया गया है।

जिन पांच स्थलों को विकल्प के तौर पर रखा गया है, उनमें खेलगांव स्थित शेख भिखारी प्रशासनिक भवन परिसर, मोरहाबादी स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय, नामकुम के सिरका टोली स्थित झारखंड यूनिवर्सिटी आफ टेक्नोलाजी, नामकुम के रिंग रोड पर स्थित सरला बिरला यूनिवर्सिटी तथा कांके के रिंग रोड स्थित ट्रांसपोर्ट नगर शामिल हैं। इन सभी स्थलों का निरीक्षण कर विस्तृत प्रतिवेदन तैयार किया जाएगा, जिसे आगे कार्यालय को भेजा जाएगा।

वहीं इस पूरे मामले पर राज्य निर्वाचन आयुक्त अलका तिवारी ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल पंडरा बाजार में ही मतगणना की तैयारी की जा रही है।

उन्होंने कहा कि जिला निर्वाचन कार्यालय की ओर से अभी तक किसी वैकल्पिक स्थल को लेकर कोई प्रस्ताव राज्य निर्वाचन आयोग को प्राप्त नहीं हुआ है। आयोग की ओर से जैसे ही कोई प्रस्ताव आएगा, उस पर नियमानुसार विचार किया जाएगा।

स्पष्ट है कि हाईकोर्ट के आदेश के चलते जिला प्रशासन एहतियातन विकल्प तैयार कर रहा है, जबकि राज्य निर्वाचन आयोग की तैयारी फिलहाल पंडरा बाजार को केंद्र में रखकर ही चल रही है। आने वाले दिनों में जिला प्रशासन के प्रस्ताव के बाद स्थिति और स्पष्ट होने की संभावना है।

फर्जी कागजात पर जमीन हड़पने का आरोप,

आदिवासी संगठनों ने सरना झंडा गाड़कर जताया विरोध

कुजू(रामगढ़), एजेंसी। जल जंगल और अपनी जमीन को बचाने को लेकर आदिवासी संगठनों ने मोर्चा खोल दिया है। इसकी शुरुआत रामगढ़ जिले से शुरू कर दी गई है। यह बातें केंद्रीय महासचिव आदिवासी जन परिषद के नेता प्रकाश मुंडा ने कहीं।

उन्होंने कहा कि गैर आदिवासियों द्वारा षड्यंत्र के तहत फर्जी कागजात बनाकर आदिवासियों के जमीन को लूटा जा रहा है। इसे आदिवासी संगठन कभी बर्दाश्त नहीं करेगा। इसका उदाहरण मंगलवार को कुजू ओपी क्षेत्र के सांडी में देखने को मिला।

जहां विभिन्न आदिवासी संगठनों के सैकड़ों महिला पुरुष पारंपरिक वेशभूषा में सरना झंडा, हरवे हथियार के साथ जुलूस की सकल में पहुंच कर एक सात मंजिला इमारत

की चारदीवारी को ध्वस्त कर दिया।

मौके पर आदिवासी नेताओं ने कहा कि यह जमीन मुंडा खतियान का है। जिसका खाता नंबर 75 प्लॉट नंबर 627 कुल रकबा 84 डिसमिल है। जिसके वारिश प्रदीप मुंडा पिता स्व ललका मुंडा, ज्ञानी मुंडा पिता बैजनाथ मुंडा, सूरज मुंडा पिता स्व बसंत मुंडा, बरतु मुंडा पिता धुजा मुंडा वगैराह के नाम से दर्ज है।

उग्र आदिवासियों ने इमारत की चारदीवारी गिरने के बाद चारों ओर सरना झंडा लगाकर अपना दखल कब्जा करने का किया। घटना की सूचना की सूचना पाकर कुजू ओपी प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह एवं अनि अरविंद कुमार सिंह दलबल के साथ घटनास्थल पहुंचकर आदिवासी नेताओं को समझा बुझा कर मामला को शांत कराया गया।

इधर घटना को लेकर मेहूल बसंत व राजीव कुमार सिंह ने कुजू ओपी में आवेदन दिया है। इसमें कहा है कि मेहूल बसंत पिता स्व जयंती लाल बसंत रामगढ़ निवासी एवं राजीव कुमार सिंह पिता कुमार महेश सिंह सारूबेड़ा निवासी दोनों श्री केदारनाथ इंटर प्राइजेज एलएलपी भरेचनगर सांडी के डायरेक्टर पद पर हैं।मंगलवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे प्रदीप मुंडा पिता स्व. ललका मुंडा भरेचनगर सांडी एवं दर्जनों की संख्या में आपराधिक प्रवृति के लोगों के द्वारा इमारत में जबरन घुस कर तोड़ फोड़ एवं लूट पाट करने लगे। इस घटना से हमारे कंपनी को काफी क्षति पहुंची है। घटना को लेकर उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

अब सुधरेगी धनबाद की जमुनिया नदी की हालत, केंद्र सरकार की टीम ने किया सरप्राइज इन्सपेक्शन

रांची, एजेंसी। झारखंड के धनबाद जिले की जमुनिया नदी की हालत अब शायद सुधर जाएगी. वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की टीम ने मौके पर पहुंचकर औचक निरीक्षण किया. मंत्रालय के उप निदेशक पशुपला रवि ने जमुनिया नदी और उसके आसपास हो रहे अवैध कोयला खनन से हो रही पर्यावरणीय नुकसान का जायजा लिया. औचक निरीक्षण के दौरान बीसीसीएल बरोरा क्षेत्र के जीएम (जेनरल मैनेजर) केके सिंह ने जमुनिया नए पुल के ऊपर से टीम को नदी का निरीक्षण कराया. नदी को संकरा कर कोयला तस्करों की ओर से किए जा रहे अवैध खनन और मिट्टी कटाव को देखकर उप निदेशक पशुपला रवि अचरज में पड़ गए. उन्होंने मौके पर ही कहा कि नदी की मौजूदा स्थिति गंभीर चिंता का विषय है. पूरे निरीक्षण की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर विभाग को सौंपी जाएगी.बीसीसीएल के अधिकारियों के अनुसार, जमुनिया नदी क्षेत्र में लंबे समय से अवैध कोयला खनन की शिकायतें मिल रही थीं. नदी के प्राकृतिक बहाव को बाधित कर कोयला निकाला जा रहा था.

राजमहलः एसडीओ सदानंद महतो के नेतृत्व में गूंजी निर्भीक मतदान की आवाज; छात्रों ने ली लोकतंत्र की रक्षा की शपथ

संवाददाता

साहेबगंज/राजमहल। राष्ट्रीय मतदाता जागरूकता अभियान के तहत रविवार को राजमहल स्थित प्लस टू जे.के. उच्च विद्यालय के प्रांगण में एक भव्य मतदाता जागरूकता एवं शपथ-ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राजमहल अनुमंडल पदाधिकारी (SDO) सदानंद महतो के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में युवाओं और नागरिकों ने लोकतंत्र को सशक्त बनाने का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और स्थानीय नागरिकों ने पूरी गंभीरता के साथ मतदान की शपथ ली। उपस्थित जनसमूह ने संकल्प लिया कि वे अपनी लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे और स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति या किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

समारोह को संबोधित करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो ने मतदान के महत्व पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की असली ताकत देश के जागरूक नागरिकों में निहित है। उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहाः

युवा न केवल खुद मतदान करें, बल्कि समाज के लिए 'टॉर्च बियरर' (पथ प्रदर्शक) बनें।

अपने परिवार, पड़ोस और मित्रों को मतदान के प्रति प्रेरित करें।

मतदान केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि एक राष्ट्रव्यापी कर्तव्य है, जो देश के भविष्य की दिशा तय करता है। विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भावी मतदाताओं और प्रथम बार मतदाता बनने वाले युवाओं को संवैधानिक अधिकारों एवं नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना था। छात्रों ने जिस उत्साह और अनुशासन के साथ इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया, उससे स्पष्ट संदेश गया कि नई पीढ़ी लोकतंत्र की जड़ों को और मजबूत करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षकगण, प्रखंड व अनुमंडल कार्यालय के कर्मी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक स्वर में 'मेरा वोट-मेरा भविष्य' का नारा दोहराया और आगामी चुनावों में शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने का भरोसा दिलाया।

झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक का विस्तारः निरंजन कुमार मंडल बने दुमका जिला अध्यक्ष, मजदूरों के हक की आवाज होगी बुलंद

संवाददाता

साहेबगंज। झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक में सर्वसम्मति से बड़ा निर्णय लेते हुए निरंजन कुमार मंडल को दुमका जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। संगठन ने उनकी सामाजिक सक्रियता और मजदूर हितों के प्रति लंबे समय से जारी समर्पण को देखते हुए उन्हें यह अहम जिम्मेदारी सौंपी है। संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने नियुक्ति की घोषणा करते हुए कहा कि निरंजन कुमार मंडल प्रजातांत्रिक मूल्यों में अटूट विश्वास रखते हैं और जमीन पर उतरकर मजदूरों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रयासरत रहे हैं। उनके संगठनात्मक अनुभव और संघर्षशील स्वभाव से दुमका जिले में मजदूर वर्ग को एक सशक्त नेतृत्व मिलेगा। संगठन का मानना है कि इस नियुक्ति से न केवल जिले में संघ का विस्तार होगा, बल्कि सामाजिक न्याय और मजदूरों के अधिकारों की रक्षा की दिशा में भी ठोस कदम उठाए जा सकेंगे। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष निरंजन कुमार मंडल ने

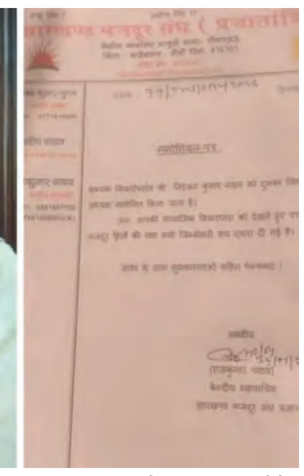

इस जिम्मेदारी के लिए संघ नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए कहाः

मजदूर वर्ग के शोषण के खिलाफ मजबूती से आवाज उठाना।

संगठन की विचारधारा को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना।

मजदूरों की समस्याओं के त्वरित और न्यायोचित समाधान के लिए संघर्ष करना।

उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे अपनी पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का कार्य करेंगे। मनोनयन की खबर मिलते ही संगठन के कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। समर्थकों ने उन्हें फूल-मालाओं से लाद दिया और बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में दुमका जिला इकाई मजदूरों के उत्थान के लिए एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगी। बैठक में संघ के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और सक्रिय सदस्य उपस्थित रहे, जिन्होंने एक स्वर में निरंजन कुमार मंडल के उज्जवल कार्यकाल की कामना की।

'दुमका चलो' रैली की तैयारी तेजः तीनपहाड़ में पंचायत पदाधिकारियों की बैठक, भारी संख्या में जुटने का संकल्प

संवाददाता

साहेबगंज/तीनपहाड़। आगामी 2 फरवरी को दुमका में आयोजित होने वाली विशाल 'दुमका चलो' रैली को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं ने कमर कस ली है। इसी कड़ी में बुधवार को तीनपहाड़ जॉन के अंतर्गत आने वाली विभिन्न पंचायतों के अध्यक्षों, सचिवों और सक्रिय कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक तीनपहाड़ में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए नेताओं ने आगामी रैली की रणनीति साझा की। बैठक का मुख्य एजेंडा क्षेत्र से अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं और आम जनता को दुमका ले जाना तय किया गया। जॉन कार्यक्रम प्रभारी मुर्शिद राजा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह रैली हमारे क्षेत्र की आवाज और एकता को प्रदर्शित करने का बड़ा मंच है, इसलिए हर पंचायत

से भारी भागीदारी सुनिश्चित करना हमारा प्राथमिक लक्ष्य है। बैठक में उपस्थित पंचायत प्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों से लोगों को रैली स्थल तक ले जाने के लिए साधनों और तालमेल पर चर्चा की। वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि 2 फरवरी की रैली राज्य की राजनीति और जनसरोकारों के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगी। इस तैयारी बैठक में तीनपहाड़ पंचायत अध्यक्ष मो. राशिद अली, दरला पंचायत अध्यक्ष माइकल टुडू, बाबूपुर पंचायत अध्यक्ष सोले मरांडी, पड़रिया पंचायत सचिव बासुदेव महतो, तेतुलिया पंचायत सचिव बिक्रम साहा और तेतुलिया कार्यक्रम प्रभारी जयकांत ठाकुर ने मुख्य रूप से शिरकत की।इसके अलावा वरिष्ठ नेता श्यामल रक्षित, मो. इम्तियाज़, बिनोद महतो, तीनपहाड़ पंचायत सचिव मो. तालीम, मो. समीम सहित क्षेत्र के कई अन्य सक्रिय कार्यकर्ता और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में रैली को सफल बनाने का संकल्प दोहराया।

बिजली विभाग के उधवा जेई के खिलाफ फूटा ग्रामीणों का गुस्सा, छापेमारी के नाम पर 'अवैध वसूली' का लगाया गंभीर आरोप

संवाददाता

साहेबगंज/उधवा। साहेबगंज जिले के उधवा प्रखंड में बिजली विभाग के कनीय अभियंता (जेई) के कार्यशैली के खिलाफ ग्रामीणों ने मोर्चा खोल दिया है। मध्य पियारपुर पंचायत के ग्रामीणों ने जेई पर छापेमारी के नाम पर डरा-धमकाकर अवैध वसूली करने का संगीन आरोप लगाया है। इस मामले को लेकर पूरे क्षेत्र में भारी आक्रोश व्याप्त है। मिली जानकारी के अनुसार, बिजली विभाग के जेई ने हाल ही में मध्य पियारपुर पंचायत क्षेत्र में बिजली चोरी और बकाया बिल को लेकर छापेमारी की थी। इस दौरान कई घरों के बिजली कनेक्शन काट दिए गए। ग्रामीणों का आरोप है कि कनेक्शन काटने के बाद जेई द्वारा उन पर भारी जुर्माने का डर दिखाया गया। पीड़ित ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि जेई ने उनसे कथित तौर पर कहा कि यदि वे 10 हजार

रुपये तुरंत देते हैं, तो मामला रफा-दफा कर दिया जाएगा, अन्यथा उन पर 40 हजार रुपये का भारी जुर्माना लगाया जाएगा। ग्रामीणों का दावा है कि लोक-लाज और भारी जुर्माने के डर से कुछ लोगों ने कथित तौर पर 10-10 हजार रुपये की राशि जेई को दे भी दी है। जेई के इस कथित भ्रष्ट आचरण से नाराज ग्रामीणों ने स्थानीय थाने में पहुंचकर मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जाए और दोषी अधिकारी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग के अधिकारी जनता की सेवा के बजाय उन्हें प्रताड़ित करने और अवैध धन उगाही में लगे हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि इस मामले में जल्द उचित कार्रवाई नहीं हुई और वसूली गई राशि वापस नहीं मिली, तो वे बिजली विभाग के खिलाफ उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

विदेश यात्रा से लौटे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिले राजमहल विधायक एमटी राजा, विकास कार्यों पर हुई चर्चा

संवाददाता

साहेबगंज। स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित 'विश्व आर्थिक मंच' (WEF) की बैठक और 10 दिनों की सफल विदेश यात्रा के बाद रांची लौटे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकातों का दौर शुरू हो गया है। इसी क्रम में राजमहल के विधायक एमटी राजा ने राजधानी रांची पहुंचकर मुख्यमंत्री से शिष्टाचार मुलाकात की। विधायक एमटी राजा ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को उनकी सफल विदेश यात्रा और वैश्विक मंच पर झारखंड की प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराने के लिए पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई दी। मुलाकात के दौरान विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री ने दावोस में जिस तरह से झारखंड के औद्योगिक और सांस्कृतिक महत्व को दुनिया के सामने रखा, उससे राज्य की एक नई पहचान बनी है। मुलाकात

के दौरान विधायक एमटी राजा ने अपने निर्वाचन क्षेत्र राजमहल की विभिन्न जनसमस्याओं और जारी विकास योजनाओं की प्रगति के बारे में मुख्यमंत्री को अवगत कराया। उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए कुछ महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर भी चर्चा की और मुख्यमंत्री से इन पर शीघ्र संज्ञान लेने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विधायक की बातों को ध्यानपूर्वक सुना और राज्य के सर्वांगीण विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुँचाना है। इस अवसर पर राजनीतिक और सामाजिक विषयों पर भी संक्षिप्त चर्चा हुई। विधायक एमटी राजा के साथ उनके कुछ समर्थक भी मौजूद थे, जिन्होंने मुख्यमंत्री के रांची लौटने पर हर्ष व्यक्त किया।

साहेबगंजः 'टीवी मुक्त भारत' के संकल्प के साथ बैडमिंटन चैंपियनशिप का आगाज, खेलों के जरिए स्वस्थ जीवनशैली का संदेश

संवाददाता

साहेबगंज। 'टीवी मुक्त भारत' अभियान के तहत जन सहभागिता को बढ़ावा देने और समाज में स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से 'जन भागीदारी जागरूकता बैडमिंटन चैंपियनशिप 2026' का भव्य शुभारंभ हुआ। स्थानीय फूलो-झानो इंडोर स्टेडियम में आयोजित इस दो दिवसीय प्रतियोगिता का उद्घाटन उत्साहपूर्ण और प्रेरणादायी माहौल में किया गया। इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप का विधिवत उद्घाटन आईटीडीए (ITDA) के परियोजना निदेशक संजय कुमार दास और जिले के सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। उद्घाटन के पश्चात अतिथियों ने बैडमिंटन कोर्ट पर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उनकी खेल भावना व अनुशासन की सराहना करते हुए बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथियों ने कहा कि आज के

दौर में युवा वर्ग टीवी, मोबाइल और सोशल मीडिया जैसे स्क्रीन-आधारित जीवनशैली में उलझता जा रहा है। ऐसे आयोजन उन्हें शारीरिक रूप से सक्रिय और मानसिक रूप से सशक्त बनाने का काम करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा किः

खेल न केवल मनोरंजन है, बल्कि एक स्वस्थ समाज के निर्माण का आधार है।

नियमित खेल गतिविधियों से मानसिक तनाव कम होता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

'टीवी मुक्त भारत' का सपना तभी साकार होगा जब देश का नागरिक शारीरिक रूप से फिट होगा।

स्टेडियम में खिलाड़ियों और दर्शकों के भारी उत्साह से पूरा वातावरण खेलमय नजर आया। आयोजकों ने बताया कि यह चैंपियनशिप पूरी तरह अनुशासित और सुव्यवस्थित तरीके से आयोजित की जा रही है, जहाँ जिले के विभिन्न वर्गों के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का समान अवसर मिल रहा है।इस अवसर पर जिला खेल पदाधिकारी कुमार हर्ष, विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, चिकित्सा पदाधिकारी, स्वास्थ्यकर्मी और बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे। इस आयोजन के माध्यम से साहेबगंज जिले में 'टीवी मुक्त भारत' अभियान को एक नई ऊर्जा और दिशा मिली है। खेल संस्कृति के माध्यम से स्वास्थ्य जागरूकता का यह संदेश समाज के हर वर्ग तक प्रभावी ढंग से पहुँच रहा है, जो आने वाले समय में एक स्वस्थ और जागरूक जिले के निर्माण में सहायक सिद्ध होगा।

उधवा में विकास के नाम पर भ्रष्टाचार का खेलः उत्तर पलासगाछी में अधूरा पुलिया दे रहा हादसों को न्योता

संवाददाता

साहेबगंज/उधवा। साहेबगंज जिले के उधवा प्रखंड अंतर्गत उत्तर पलासगाछी पंचायत से सरकारी धन के दुरुपयोग और निर्माण कार्य में भारी अनियमितता का एक गंभीर मामला सामने आया है। यहाँ एक पुलिया (कलवर्ट) का निर्माण कार्य भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है, जिससे स्थानीय ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। क्षेत्र से सामने आई तस्वीरें विकास के दावों की पोल खोल रही हैं। तस्वीरों में स्पष्ट देखा जा सकता है कि पुलिया का निर्माण न केवल आधा-अधूरा है, बल्कि इसकी गुणवत्ता भी बेहद निम्न स्तर की प्रतीत होती है। पुलिया के दोनों ओर एप्रोच रोड (संपर्क पथ) का अभाव है और संरचना को जिस हाल में छोड़ा गया है, वह किसी

बड़े हादसे का कारण बन सकता है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस योजना में भारी बंदरबांट की गई है। पुलिया का ढांचा खड़ा कर उसे बीच में ही छोड़ देना यह दर्शाता है कि संबंधित ठेकेदार और विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से सरकारी राशि की निकासी के खेल में काम की गुणवत्ता और पूर्णता को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया है। यह अधूरा पुल अब राहगीरों और खासकर स्कूली बच्चों के लिए 'डेथ ट्रैप' (मौत का फंदा) बन गया है। रात के अंधेरे में या बरसात के मौसम में यहाँ कभी भी कोई गंभीर दुर्घटना घट सकती है। ग्रामीणों का कहना है कि जिस सुविधा के लिए पुलिया बनाई गई थी, वह अब उनके लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुकी है। मामले को लेकर उत्तर पलासगाछी पंचायत के ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग के उच्चाधिकारियों से निष्पक्ष जांच की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि इस अधूरे पुलिया का निर्माण जल्द पूरा नहीं किया गया और दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो वे उग्र आंदोलन को बाध्य होंगे। इस संबंध में पंचायत प्रतिनिधि और कनीय अभियंता (जेई) की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है।

साहेबगंजः राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर विधिक जागरूकता का शंखनाद; ग्रामीणों ने ली निर्भीक मतदान की शपथ

संवाददाता

साहेबगंज। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर साहेबगंज जिले में लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने और मतदान के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर विधिक जागरूकता एवं शपथ-ग्रहण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह अभियान झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (JHALSA), रांची के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार (DLSA) के अध्यक्ष अखिल कुमार के मार्गदर्शन में जिले के सभी प्रखंडों और पंचायतों में चलाया गया। कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित

करने के लिए पंचायत स्तर पर पदस्थापित विधिक स्वयंसेवकों (PLVs/न्याय मित्र) ने सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर नागरिकों को लोकतंत्र की शक्ति और उनके संवैधानिक अधिकार 'मताधिकार' के महत्व को विस्तार से समझाया। ग्रामीणों को प्रेरित किया गया कि वे न केवल स्वयं मतदान करें, बल्कि समाज के अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रोत्साहित करें। विभिन्न जागरूकता केंद्रों पर उपस्थित नागरिकों को सामूहिक रूप से शपथ दिलाई गईक्षकि वे आगामी चुनावों में बिना किसी भय, दबाव, प्रलोभन या जाति-धर्म के भेदभाव के अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतदाताओं ने संकल्प लिया कि वे एक स्वतंत्र और निष्पक्ष लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। अभियान के दौरान पहली बार मतदाता बने युवाओं और महिला मतदाताओं को विशेष रूप से उनके अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी दी गई। निर्वाचन प्रक्रिया को लेकर समाज में व्याप्त विभिन्न भ्रांतियों और संशयों को दूर किया गया। कार्यक्रम का मुख्य संदेश था— "प्रत्येक नागरिक का एक वोट सशक्त लोकतंत्र की आधारशिला है।" इस आयोजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने कहा कि नागरिकों को उनके विधिक और संवैधानिक अधिकारों के प्रति सजग बनाना प्राधिकार की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाने के लिए भविष्य में भी इस तरह के जन-जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे। इस सफल आयोजन से जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में निर्वाचन प्रक्रिया और लोकतांत्रिक भागीदारी को लेकर एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

कोचिंग संघ की चौथी वर्षगांठ धूमधाम से मनाई गई

संवाददाता हरिहरगंज पलामू शहर के मेन रोड़ स्थित पोस्ट ऑफिस के ऊपरी तल्ले पर संचालित ए टू जेड कोचिंग सेंटर परिसर में कोचिंग संघ हरिहरगंज–महाराजगंज की चौथी वर्षगांठ धूमधाम के साथ मनाई गई. कार्यक्रम में संघ से जुड़े शिक्षक एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे. कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष मो मनान अंसारी ने की, जबकि संचालन का दायित्व सचिव कुमुद रंजन सिंह ने संभाला. इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष जोर देते हुए कहा कि छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए अनुशासित माहौल और अनुभवी शिक्षकों की भूमिका अहम होती है. कार्यक्रम में संघ के कोषाध्यक्ष अजय कुमार सिंह, प्रदीप कुमार, जितेंद्र गुप्ता, विशाल कुमार, वॉटर सर, मुकेश आर्यन, आदर्श कुमार एवं राहुल कुमार सहित अन्य शिक्षक व सदस्य मौजूद रहे. सभी ने संघ की एकजुटता की सराहना करते हुए भविष्य में शिक्षा के क्षेत्र में और बेहतर कार्य करने का संकल्प लिया. कार्यक्रम के अंत में आपसी संवाद के साथ वर्षगांठ समारोह का समापन हुआ.

वन भूमि पर अफीम की खेती पर करारा प्रहार

संवाददाता मेदिनीनगर (पलामू)। जिले के पांकी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम आबून के जंगली इलाके में वन भूमि पर अवैध रूप से की जा रही अफीम/पोस्ता की खेती के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। संयुक्त अभियान के तहत लगभग तीन एकड़ में लगी अफीम/पोस्ता की फसल को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया। यह कार्रवाई मादक पदार्थों की अवैध खेती के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। अभियान में पांकी थाना के पदाधिकारी, ताल पिकेट के पदाधिकारी, पांकी थाना एवं ताल पिकेट के जवानों के साथ वन विभाग की टीम शामिल रही। सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के बीच फसल विनष्टीकरण की प्रक्रिया को विधिवत और सुरक्षित तरीके से अंजाम दिया गया, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। दुर्गम और जंगली क्षेत्र होने के बावजूद टीम ने समन्वय के साथ अभियान को सफल बनाया। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, यह खेती वन भूमि पर अवैध रूप से की जा रही थी, जो कानूनन गंभीर अपराध है। फिलहाल इस अवैध अफीम/पोस्ता की खेती में संलिप्त लोगों की पहचान के लिए छानबीन तेज कर दी गई है। स्थानीय स्तर पर जानकारी जुटाई जा रही है तथा संभावित आरोपियों के नाम-पते का सत्यापन किया जा रहा है। सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद वन विभाग द्वारा वन अधिनियम के तहत वन वाद दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध मादक पदार्थों की खेती किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऐसे मामलों में पुलिस और वन विभाग का संयुक्त अभियान आगे भी जारी रहेगा। प्रशासन ने आम लोगों से भी अपील की है कि यदि कहीं अवैध अफीम या अन्य मादक पदार्थों की खेती की सूचना मिले तो तुरंत पुलिस या वन विभाग को जानकारी दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

चंदवा थाने में खानसामा फंदे पर

संवाददाता लातेहार, 28 जनवरीः लातेहार जिले के चंदवा थाना परिसर में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई। थाना प्रभारी रणधीर कुमार सिंह के निजी खानसामा का शव थाना परिसर स्थित क्वार्टर एरिया में पेड़ से फंदे पर लटका मिला। घटना की जानकारी सुबह करीब 10 बजे मिली, जिसके बाद पूरे थाना परिसर में हड़कंप मच गया। सूचना पाकर मौके पर पुलिस और मजिस्ट्रेट पहुंचे। घटना स्थल का निरीक्षण किया गया और आसपास के लोगों व थाने में तैनात कर्मचारियों से पूछताछ की गई। प्रारंभिक जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, लातेहार भेज दिया गया।मृतक की पहचान थाना प्रभारी के निजी खानसामा के रूप में हुई है, जो लंबे समय से उनके साथ कार्यरत था। फिलहाल मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने यह स्पष्ट किया है कि यह आत्महत्या है या हत्या, इसका खुलासा पोस्टमार्टम और जांच रिपोर्ट आने के बाद ही होगा।चंदवा थाना पुलिस ने कहा कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और आसपास के लोगों से भी पूछताछ जारी है। घटना के बाद थाना परिसर और आस-पास के इलाके में शोक और चर्चा का माहौल है।पुलिस मामले को गंभीरता से ले रही है और जांच के बाद ही सभी तथ्यों को सार्वजनिक किया जाएगा।

सोशल मीडिया विवाद के बाद पलामू पुलिस में बड़े तबादले

संवाददाता पलामूः पलामू पुलिस अधीक्षक (एसपी) रीष्मा रमेशन ने जिले के कई अधिकारियों के तबादले और नए पदस्थापनों के आदेश जारी किए हैं। अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अपने नए पदों पर कार्यभार संभालने और 24 घंटे के भीतर अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। हुसैनाबाद थाना प्रभारी सोनू चौधरी को लाइन हाजिर कर पुलिस केन्द्र, पलामू में स्थानांतरित किया गया है। उनके स्थान पर चंदन कुमार, जो पहले पाटन में पुलिस अंचल निरीक्षक थे, को हुसैनाबाद का नया थाना प्रभारी बनाया गया है। बीते 26 जनवरी को इंस्पेक्टर सोनू चौधरी का वर्दी में अपनी पत्नी के साथ डांस वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। इसके अलावा, सुरेश मंडल, जो पहले प्रभारी अभियोजन कोषांग, पुलिस अधीक्षक पलामू थे, अब पाटन में पुलिस अंचल निरीक्षक के पद पर तैनात किए गए हैं। एसपी रीष्मा रमेशन ने अधिकारियों को अपने नए पदस्थापन स्थल पर समय पर योगदान देने के लिए निर्देशित किया है। आदेश की प्रतिलिपि पुलिस उपमहानिरीक्षक, सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, प्रभाग पुलिस निरीक्षक, परिचारी प्रवर और संबंधित थाना प्रभारी को भी भेजी गई है।

समायोजन की मांग को लेकर बर्खास्त अनुसेवकों का अनिश्चितकालीन धरना 20वें दिन भी जारी

संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)ः पलामू जिले के बर्खास्त 251 अनुसेवक संघ द्वारा समायोजन की मांग को लेकर शुरू किया गया अनिश्चितकालीन धरना 20वें दिन भी जारी है। अपनी मांगों के समर्थन में अनुसेवकों ने 03 जनवरी 2026 को पलामू समाहरणालय से पैदल न्याय मार्च की शुरुआत की थी। भिक्षाटन करते हुए छह दिनों की कठिन यात्रा के बाद वे 08 जनवरी 2026 को रांची पहुंचे। रांची पहुंचने के बाद से अनुसेवक नागाबाबा खड़ताल के पास लगातार धरने पर बैठे हुए हैं। आज 28 जनवरी 2026 को उनका धरना 20वें दिन में प्रवेश कर चुका है, लेकिन अब तक राज्य सरकार का कोई प्रतिनिधि उनकी सुध लेने नहीं पहुंचा है। न ही किसी राजनीतिक दल या सामाजिक संगठन के प्रतिनिधि धरना स्थल पर पहुंचे हैं, जिससे धरनारत अनुसेवकों में भारी निराशा देखी जा रही है। बर्खास्त 251 अनुसेवक संघ ने सभी राजनीतिक दलों, जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे धरना स्थल पर पहुंचकर उनका मनोबल बढ़ाएं और उनकी मांगों के समाधान के लिए सरकार पर दबाव बनाने में सहयोग करें। धरना स्थल पर विवेका कुमार शुक्ला, प्रकाश सिंह, सुधाकर दुबे, कृष्णा पासवान, संतोष सिंह, हृदया नारायण पासवान, पिबीन कुमार, सुरेन्द्र सिंह, अरुण प्रसाद, विजय पासवान, मनदीप कुमार, शशिकांत कुशवाहा सहित अन्य बर्खास्त अनुसेवक उपस्थित हैं। अनुसेवकों ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी समायोजन की मांग पूरी नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन शांतिपूर्ण ढंग से जारी रहेगा।

समाजसेवी ने बच्चों को बांटी पाठ्य सामग्री, चेहरे पर दिखी खुशी

संवाददाता

हरिहरगंज पलामू हरिहरगंज प्रखंड के भांवर गांव स्थित राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय में गणतंत्र दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यालय के छात्र-छात्राओं को विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष सह समाजसेवी अखिलेश कुमार मेहता ने अपने निजी खर्चे से कॉपी, कलम व अन्य शैक्षणिक सामग्री सम्मानित किया. इस मौके पर अखिलेश कुमार मेहता ने कहा कि बच्चों को प्रोत्साहित करने से उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है और वे आगे बेहतर प्रदर्शन करते हैं. कार्यक्रम में पंसस प्रतिनिधि हीरालाल यादव, प्रधानाध्यापक दिलीप कुमार, शिक्षक अमरेश कुमार, सत्या सिंह, मिथिलेश यादव, रामजी यादव, ब्रह्मदेव विश्वकर्मा, राजकुमार वर्मा, अलखदेव मेहता सहित बड़ी संख्या में स्कूली बच्चें व ग्रामीण उपस्थित थे.

एस. डी. एम. आवासीय विद्यालय में झंडो तोलन एवं संस्कृति कार्यक्रम आयोजित किया गया

संवाददाता

सतबरवा पलामूः सतबरवा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत एस. डी. एम. आवासीय विद्यालय मुरमा में गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर स्कूल के प्रधानाध्यापक दिनेश यादव के द्वारा झंडो तोलन किया गया, इस समारोह में विद्यालय के छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिसमें नृत्य, संगीत और नाटक शामिल थे। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों और कर्मचारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए और छात्रों को प्रेरित किया, कार्यक्रम का मुख्य अतिथि सतबरवा प्रखंड के उप प्रमुख कामाख्या नारायण यादव ने फीता काट कर कार्यक्रम का शुभ आरम्भ किया, वहीं मुख्य अतिथि को प्रधानाध्यापक के द्वारे अंग वस्त्र दे कर सम्मानित किया गया, मौके पर सांसद प्रतिनिधि अनुज कुमार चंद्रवंशी ने कहां की यह विद्यालय लगातार 11 वर्षों से संचालित और विश्वसनीय विद्यालय है यह विद्यालय पहाड़ की तटीय गोद पर है यहां की वातावरण बिल्कुल शांत और स्वभाव है यहां के बच्चे भी अपनी पढ़ाई में और गीत ,संगीत में रुचि बड़े ही उत्साह पूर्वक मन से किया संरक्षक लक्ष्मी देवी ने बताई की इस विद्यालय में अभी नामांकन जारी है और फ्री है जिन्हें भी नामांकन करवाना है, ओ अवश्य संपर्क करें, जहां पर उपस्थित चतरा लोकसभा के सांसद प्रतिनिधि अनुज कुमार चंद्रवंशी, समाजसेवी प्रमोद राम, बबलू प्रसाद, सुजीत कुमार ,आनंद कुमार, सकेंद्र प्रसाद,बीरेंद्र सिंह ,रघुनाथ सिंह,शिक्षक एवं शिक्षण मनीष कुमार, सुधांशु रंजन, अभिषेक कुमार, राधेश्याम सिंह, अनुप्रिया कुमारी, सुनीता कुमारी स्कूल की वॉचमैन शिवानी कुमारी डांस शिक्षिका प्रिया कुमारी सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

नेपाल में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप में संत मरियम के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

संवाददाता

मेदिनीनगर पलामू नेपाल में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप में संत मरियम विद्यालय के तीन बाल कराटेकारों ने अपने उत्कृष्ट कौशल, फुर्ती एवं मजबूती का प्रदर्शन करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में छात्रों ने अपने-अपने वेट कैटेगरी में दमदार मुकाबला करते हुए बांग्लादेश, मलेशिया, नेपाल एवं पाकिस्तान के कराटेकारों को पराजित किया और एक स्वर्ण तथा दो रजत पदक अपने नाम किए। पदक विजेता छात्र इस प्रकार हैं— गौरव कुमार सिंह ने स्वर्ण पदक, जबकि रीतिक कुमार सिंह एवं युवराज कोरवा ने रजत पदक प्राप्त किया। यह अंतर्राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप जापान कराटे-डू कोहशी-काई शितो-रियू एसोसिएशन ऑफ नेपाल के तत्वावधान में स्पोर्ट्स इंडोर स्टेडियम, कंचनपुर, महेन्द्रनगर (नेपाल) में 24 एवं 25 जनवरी 2026 को आयोजित की गई थी। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भारत एवं नेपाल के अलावा श्रीलंका, भूटान, मलेशिया, इंडोनेशिया, सिंगापुर, जापान, चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, जर्मनी, कनाडा, फ्रांस, म्यांमार (वर्मा) एवं अफगानिस्तान सहित कई देशों के कराटेकारों ने भाग लिया। टीम क्योशि डॉ. संतोष कुमार के नेतृत्व में नेपाल गई थी, जबकि टीम मैनेजर के रूप में सेन्साई शमशेर अंसारी उपस्थित रहे। विद्यालय प्रबंधन, प्रशिक्षकों एवं अभिभावकों ने खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

राजकीय कृत+2 हाई स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनीः

संवाददाता

छतरपुर,पलामू छतरपुर शहर के राजकीय कृत+2 हाई स्कूल में सोमवार को प्रत्येक वर्ष की तरह भव्य विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि समाजसेवी अरविंद गुप्ता, प्रधानाचार्य जयप्रकाश गुप्ता, शिक्षक भोला प्रसाद तथा सुनील कुमार सहित स्कूल के कई शिक्षक उपस्थित रहे। विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपनी वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और नवाचार क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी में वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, माइक्रोस्कोप, पेरिस्कोप, लेजर होम सिक्योरिटी सिस्टम, लूनर-सोलर मॉडल, आत्महत्या रोकथाम (प्रिवेंट सुसाइड), हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट, इलेक्ट्रोलिसिस, वर्ल्ड मैप, हाइड्रोलिक लिफ्ट, स्मार्ट सिटी, जल संरक्षण, दिन-रात की प्रक्रिया, मिनी हाउस, रोबोट, ग्रीन हाउस, ह्यूमन हार्ट पंप, ट्रैफिक लाइट मॉडल, पृथ्वी प्रदूषण और अत्याधुनिक अस्पताल जैसे दर्जनों आकर्षक व ज्ञानवर्धक मॉडल प्रस्तुत किए गए। इन मॉडलों के माध्यम से विद्यार्थियों ने न केवल विज्ञान के सिद्धांतों को सरल और रोचक ढंग से समझाया, बल्कि समाज से जुड़े कई गंभीर और समसामयिक विषयों पर भी लोगों को जागरूक किया। छात्रों की इस मेहनत और प्रस्तुति को देखकर अतिथियों एवं अभिभावकों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस अवसर पर शिक्षक भोला प्रसाद ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से बच्चों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा बढ़ती है और वे बेहतर शिक्षा की ओर अग्रसर होते हैं। समय की आवश्यकता के अनुसार नए-नए आविष्कार बेहद जरूरी हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य जयप्रकाश गुप्ता ने कहा कि विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों का मुख्य उद्देश्य बच्चों को संस्कारयुक्त, गुणवत्तापूर्ण और व्यावहारिक शिक्षा प्रदान करना है, ताकि वे भविष्य में समाज और देश का नाम रोशन कर सकें।

पिता पुत्र कि अनोखी जोड़ी शौकत और साजिद फिर से सम्मानित होंगे रांची में

संवाददाता

मेदिनीनगर पलामू निस्वार्थ समाजसेवा के छेत्र में देश भर में अपने सेवा कार्यों से परचम लहरा चुके समाजसेवी शौकत खान और साजिद खान ये दोनों पिता पुत्र कि अनोखी जोड़ी को देशभर से लगातार मिल रहा है सम्मान और अवार्ड बताते चलें कि आज से 12 वर्ष पूर्व भारतीय सेना और शहीदों के सम्मान में हर घर तिरंगा का अलख जगाने कि सोच लेकर निकले शौकत और साजिद ने अबतक तीन लाख से अधिक नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज भेटकर देशभक्ति का अनोखा मिसाल पेश कर चुके हैं वहीं शहीदों के सम्मान में गरीबों के लिए निशुल्क कपड़ा बैंक, चावल बैंक, सत्तू बैंक, पुस्तक बैंक, खोलकर दस वर्ष में दस लाख से अधिक गरीबों को मदद कर देशभर के लिए आइकॉन बन चुकें हैं ये पिता पुत्र कि जोड़ी जिसके लिए समाजसेवी शौकत खान और साजिद खान को झारखंड इम्पावरमेंट अवार्ड 2026 से सम्मानित किए जाएंगे रांची में एक फरवरी को पीजेएचआरएफ और पीएसएम के मंच पर ये संस्था पहले भी इन दिनों पिता पुत्र के निस्वार्थ सेवा भाव से प्रभावित होकर इस पिता पुत्र को कई बार सम्मानित कर चुकी है और देशभर से अबतक सैकड़ों अवार्ड और सम्मान इस पिता पुत्र जोड़ी की जोड़ी को मिल चुका है जिसमें से एक दर्जन से अधिक राष्ट्रीय अवार्ड भी शामिल है पुछे जाने पर शौकत खान बताते हैं हमारा ये अवार्ड गढ़वा जिले के नागरिकों और मिडिया बंधुओं को समर्पित है जिनके प्यार आशीर्वाद और खबर कि वजह से देशभर के लोग प्रभावित हो रहें और लगातार प्यार दे रहे हैं!!

सड़क सुरक्षा को लेकर प्रभात फेरी का किया गया आयोजन

संवाददाता

मेदिनीनगर पलामू सड़क दुर्घनाओं को कम करने के उदेश्य से ज़िले में प्रभात फेरी निकली गई जो गर्ल्स मिशन स्कूल से जेलहाता चौक होते हुए बस स्टैण्ड, छह मुहान, कचहरी चौक , रेडमा चौक से पुनः मिशन स्कूल तक निकाली गई सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा एवं "सिख से सुरक्षा तकनीक से परिवर्तन" के तहत प्रभात फेरी निकाली गई।सड़क सुरक्षा के लिए बनाए गए नियमों का पालन कर जीवन को सुरक्षित रखने की बात जन जन तक पहुंचाने के उदेश्य से यह प्रभात फेरी निकाली गई । सभी लोगों से सड़क सुरक्षा के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार वाहन चलाने की अपील की जा रही है । कार्यक्रम के दौरान सड़क सुरक्षा प्रबंधक, ट्रैफिक प्रभारी ने सड़क सुरक्षा माह एवं सड़क सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण बातों की जानकारी दी जागरूकता कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से सड़क सुरक्षा प्रबंधक, ट्रैफिक प्रभारी, आई टी असिस्टेंट , रोड इंजीनियर एनालिस्ट, स्कूल के प्राचार्य, शिक्षक, आदि लोग मौजूद थे ।

जंगली हाथी के हमले में घायल महिला का वन विभाग ने कराया इलाज

संवाददाता

बरवाडीह (लातेहार) – बरवाडीह प्रखंड के केड़ पंचायत की रहने वाली कलावती देवी शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे जंगली हाथी के अचानक हमले में गंभीर रूप से घायल हो गईं। जानकारी के अनुसार, कलावती देवी रोज की तरह बकरी चराने जंगल गई थीं, तभी पलामू टाइगर रिजर्व क्षेत्र के छिपादोहर रेंज के बगल गांव के पास एक जंगली हाथी ने उन पर हमला कर दिया। महिला ने भागकर अपनी जान तो बचा ली, लेकिन हमले में उन्हें गंभीर चोटें आईं। स्थानीय समाजसेवी और छिपादोहर कांग्रेस युवा मंडल अध्यक्ष कौशल यादव ने घटना की सूचना छिपादोहर पूर्वी वन क्षेत्र पदाधिकारी अजय टोप्पो को फोन के माध्यम से दी। तुरंत कार्रवाई करते हुए अजय टोप्पो ने रेंजर प्रभारी रामकुमार के नेतृत्व में टीम भेजकर घायल महिला को तत्काल इलाज के लिए डाल्टनगंज स्थित आरोग्य केंद्र ले जाने के निर्देश दिए। आरोग्य केंद्र में चिकित्सक डॉ. अरुण शुक्ला ने कलावती देवी का समुचित उपचार किया। सौभाग्य से, महिला को किसी प्रकार का हड्डी का फ्रैक्चर नहीं हुआ। इलाज का पूरा खर्च वन विभाग ने अपने निजी मद से वहन किया। उपचार के बाद कलावती देवी को सुरक्षित उनके घर पहुंचा दिया गया। प्रभारी वनपाल रामकुमार ने बताया कि महिला की हालत अब पूरी तरह सामान्य है और वे घर पर आराम कर रही हैं। जंगली हाथी के हमले जैसी गंभीर घटना में वन विभाग द्वारा त्वरित मदद और मानवीय संवेदनशीलता ने स्थानीय ग्रामीणों का दिल जीत लिया है। ग्रामीणों ने वन विभाग की इस कार्रवाई की सराहना की है।

जामताड़ा में नगरपालिका चुनाव का बिगुलः 23 फरवरी को होगा मतदान, डीसी ने प्रेस वार्ता में दी विस्तृत जानकारी

संवाददाता

जामताड़ा। जिले में लोकतंत्र के स्थानीय उत्सव की शुरुआत हो गई है। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 की औपचारिक घोषणा के बाद जिला प्रशासन ने चुनावी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। बुधवार को समाहरणालय सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त श्री रवि आनंद (भा०प्र०से०) ने निर्वाचन कार्यक्रम और सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत जानकारी साझा की।

उपायुक्त ने बताया कि चुनाव की घोषणा के साथ ही जामताड़ा नगर पंचायत और मिहिजाम नगर परिषद क्षेत्र में तत्काल प्रभाव से आदर्श आचार संहिता (Model Code of Conduct) लागू हो गई है। जिला प्रशासन शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त मतदान संपन्न कराने के लिए पूरी तरह कृत संकल्पित है।

चुनाव कार्यक्रम की मुख्य तिथियांः

नामांकन प्रक्रियाः 29 जनवरी 2026 से 04 फरवरी 2026 तक।

नामांकन की संवीक्षा (Scrutiny): 05 फरवरी 2026।

नाम वापसी की अंतिम तिथिः 06 फरवरी 2026।

चुनाव चिह्न आवंटनः 07 फरवरी 2026।

मतदान (Voting): 23 फरवरी 2026 (सुबह 07:00 से शाम 05:00 बजे तक)।

मतगणना (Counting): 27 फरवरी 2026।

डीसी रवि आनंद ने स्पष्ट किया कि इस बार निर्वाचन प्रक्रिया बैलेट पेपर और मतपेटिका के माध्यम से संपन्न कराई जाएगी। मतदाताओं की पहचान के लिए अलग-अलग रंगों के मतपत्रों का प्रयोग होगाः

अध्यक्ष पद के लिएः हल्का गुलाबी बैलेट पेपर।

वार्ड पार्षद के लिएः सफेद बैलेट पेपर।

महत्वपूर्ण बात यह है कि इस चुनाव में मतदाताओं को 'नोटा' (None of the Above) का विकल्प नहीं मिलेगा। चुनाव गैर-दलीय आधार पर संपन्न होगा। आयोग ने प्रत्याशियों के लिए खर्च की सीमा भी तय कर दी है। मिहिजाम में अध्यक्ष के लिए 6 लाख और पार्षद के लिए 1.5 लाख, जबकि जामताड़ा में अध्यक्ष के लिए 5 लाख और पार्षद के लिए 1 लाख की सीमा निर्धारित है।

मिहिजाम नगर परिषदः 20 वार्ड, 39 बूथ, 37,056 मतदाता।

जामताड़ा नगर पंचायतः 16 वार्ड, 28 बूथ, 26,467 मतदाता।

प्रेस वार्ता में उपस्थित पुलिस अधीक्षक श्री राज कुमार मेहता (भा०पु०से०) ने कहा कि जिले में भयमुक्त वातावरण सुनिश्चित करने के लिए 11 चेकपोस्ट बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस की नजर अवैध शराब, नकदी के प्रवाह और असामाजिक तत्वों पर रहेगी। निर्वाचन कार्य में बाधा डालने वालों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता के दौरान आईटीडीए निदेशक जुगनू मिंज, अपर समाहर्ता पूनम कच्छप, एसडीओ अनंत कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी विजय कुमार सहित कई वरीय अधिकारी और मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जामताड़ाः नामांकन को लेकर कलेक्ट्रेट के 100 मीटर दायरे में धारा 163 लागू; जुलूस, वाहन और मोबाइल पर रहेगी पूर्ण पाबंदी

संवाददाता

जामताड़ा। नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 के नामांकन प्रक्रम को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। अनुमंडल दण्डाधिकारी (SDO) श्री अनंत कुमार ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) 2023 की धारा 163 के तहत समाहरणालय भवन (कलेक्ट्रेट) स्थित सभी निर्वाची पदाधिकारी (RO) के कक्षों से 100 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। यह आदेश 28 जनवरी 2026 से नामांकन प्रक्रिया की समाप्ति तक प्रभावी रहेगा।

नामांकन के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एसडीओ द्वारा निम्नलिखित निर्देश जारी किए गए हैं:

1. भीड़ पर नियंत्रणः नामांकन के दौरान प्रत्याशी के साथ केवल चार व्यक्ति (कुल 5 लोग) ही 100 मीटर के दायरे में प्रवेश कर सकेंगे।
2. वाहनों पर रोकः निर्वाची पदाधिकारी के कक्ष से 100 मीटर की परिधि में किसी भी प्रकार के वाहन का प्रवेश वर्जित होगा।
3. जुलूस और सभा प्रतिबंधितः इस दायरे में किसी भी प्रकार की रैली, जुलूस, सभा या नारेबाजी पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।
4. हथियार एवं विस्फोटकः क्षेत्र में किसी भी प्रकार के घातक हथियार, आग्नेयास्त्र या विस्फोटक पदार्थ लाने-ले जाने पर रोक है।
5. ध्वनि विस्तारक यंत्रः 100 मीटर के दायरे में लाउडस्पीकर या किसी भी ध्वनि विस्तारक यंत्र का प्रयोग नहीं किया जा सकेगा।
6. तकनीक और प्रचार सामग्रीः नामांकन प्रक्रिया के दौरान मोबाइल फोन का प्रयोग वर्जित रहेगा। साथ ही पोस्टर, बैनर या झंडे लाना भी प्रतिबंधित है।
7. आचार संहिता का पालनः किसी भी प्रत्याशी के पुतले जलाना या दूसरे उम्मीदवार की भावनाओं को ठेस पहुँचाने वाला कार्य आचार संहिता का उल्लंघन माना जाएगा।

अनुमंडल पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि नामांकन के दौरान प्रत्याशियों द्वारा शक्ति प्रदर्शन या जुलूस से लोक शांति भंग होने की आशंका रहती है। यदि कोई भी व्यक्ति इन आदेशों का उल्लंघन करता पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023 की धारा 223 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

नामांकन कार्यक्रम एक नजर में:

नामांकन प्रारंभः 29 जनवरी 2026 (गुरुवार)

नामांकन की अंतिम तिथिः 04 फरवरी 2026 (बुधवार)

संवीक्षा (Scrutiny): 05 फरवरी 2026

नाम वापसीः 06 फरवरी 2026

यह निषेधाज्ञा चुनाव कार्य में प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों और सरकारी कर्मियों पर लागू नहीं होगी। प्रशासन ने उम्मीदवारों से अपील की है कि वे लोकतंत्र के इस महापर्व में सहयोग करें और नियमों के दायरे में रहकर अपना नामांकन पत्र दाखिल करें।

झारखंड दिवस की तैयारीः 'दुमका चलो' कार्यक्रम को लेकर पाकुड़िया में उत्साह, झंडों से पटे गली-चौराहे

संवाददाता

पाकुड़/पाकुड़िया। आगामी 2 फरवरी को आयोजित होने वाले 'झारखंड दिवस' और 'दुमका चलो' कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए पाकुड़िया प्रखंड में तैयारियां तेज हो गई हैं। पूरे क्षेत्र में कार्यकर्ताओं और आम जनमानस के बीच भारी उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। इसी कड़ी में प्रखंड अध्यक्ष श्री मोतीलाल हाँसदा एवं प्रखंड सचिव श्री मोईनुद्दीन अंसारी की प्रत्यक्ष निगरानी में व्यापक जनसंपर्क और सजावट अभियान चलाया गया। अभियान के तहत मोंगलाबाँध और पाकुड़िया प्रखंड के विभिन्न गली-चौराहों, मुख्य मार्गों एवं बाजारों में झंडे लगाए गए। कार्यकर्ताओं ने पूरे जोश के साथ झंडे लगाकर क्षेत्र को उत्सव के रंग में सराबोर कर दिया। इस अवसर पर प्रखंड अध्यक्ष मोतीलाल हाँसदा ने कहा कि 2 फरवरी को दुमका में होने वाला कार्यक्रम झारखंड की अस्मिता और विकास के संकल्प का प्रतीक है। प्रखंड सचिव मोईनुद्दीन अंसारी ने बताया कि पाकुड़िया से हजारों की संख्या में कार्यकर्ता और जनता दुमका कूच करेगी, जिसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से डॉ. हारून रशीद, कुब्रज मरांडी, कालिदास मरांडी, परवेज़ अंसारी, निवारण मरांडी, नरेश हाँसदा एवं मोईन आलम सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में 'दुमका चलो' के नारे को बुलंद किया और कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया।

हल्दीडीह में कृषक पाठशालाः महिला किसानों ने सीखी मशरूम उत्पादन की उन्नत तकनीक, आर्थिक स्वावलंबन की ओर कदम

संवाददाता

जामताड़ा/कुंडहित। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने और महिला किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से बुधवार को कुडहित प्रखंड के बाबूपुर पंचायत अंतर्गत हल्दीडीह गाँव में 'कृषक पाठशाला' का सफल आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला किसान समूहों ने भाग लिया, जहाँ उन्हें मशरूम उत्पादन के आधुनिक गुर सिखाए गए। कार्यक्रम के दौरान बीटीएम (Block Technology Manager) सुजीत कुमार सिंह और क्षेत्र के प्रगतिशील कृषक उदय माजी ने मुख्य प्रशिक्षक की भूमिका निभाई। उन्होंने महिलाओं को मशरूम उत्पादन की पूरी प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। केवल सैद्धांतिक जानकारी ही नहीं, बल्कि प्रैक्टिकल (प्रायोगिक) माध्यम से महिलाओं को 'आयस्टर मशरूम' (Oyster Mushroom) तैयार करने की विधि बारीकी से बताई गई। प्रशिक्षकों ने बताया कि आयस्टर मशरूम, जिसे स्थानीय भाषा में 'ढींगरी मशरूम' भी कहा जाता है, वर्तमान समय में एक बेहद लोकप्रिय खाद्य पदार्थ है। इसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए बताया गया किः

यह उच्च प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और मिनरल्स का बेहतरीन स्रोत है।

यह स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभदायक है।

कम लागत और कम जगह में इसका उत्पादन कर महिलाएं अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकती हैं।

कार्यक्रम की महत्ता को देखते हुए प्रखंड कृषि पदाधिकारी मनोरंजन मिर्धा ने भी शिरकत की और किसानों का उत्साहवर्धन किया। उनके साथ एटीएम (Assistant Technology Manager) अमीर हेंब्रम भी मौजूद रहे। इस प्रशिक्षण में शिफाली टुडू, फिल्मुनी पुज़हार, बसंती पुज़हार समेत दर्जनों महिला किसान उपस्थित थीं, जिन्होंने इस तकनीक को अपनाकर स्वरोजगार से जुड़ने का संकल्प लिया। कृषक पाठशाला के इस आयोजन से क्षेत्र की महिलाओं में उत्साह देखा गया। इस तरह के आयोजनों से न केवल कृषि विविधीकरण (Crop Diversification) को बढ़ावा मिलता है, बल्कि ग्रामीण स्तर पर पोषण सुरक्षा और आर्थिक मजबूती भी सुनिश्चित होती है।

वैश्विक मंच पर गूँजा 'झारखंड' का नामः जामताड़ा के आंदोलनकारियों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को दी बधाई

संवाददाता

जामताड़ा। जिले के ऐतिहासिक गांधी मैदान में बुधवार को 'झारखंड अलग राज्य आंदोलनकारी जिला समिति' की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता मनोरथ मरांडी ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा विश्व आर्थिक मंच (दावोस) जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच पर झारखंड का नाम रोशन करने के लिए उन्हें बधाई और जोहार देना था। बैठक को संबोधित करते हुए मनोरथ मरांडी ने कहा कि यह पूरे राज्य के लिए गौरव का क्षण है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने वैश्विक मंच पर 'झारखंड' शब्द की गूँज सुनाई। उन्होंने कहा, "हम उन आंदोलनकारियों में से हैं जिन्होंने इसी नाम (झारखंड) के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर संघर्ष किया और राज्य को अलग पहचान दिलाई। आज हमारे आंदोलन के नायक 'दिशोम गुरु' शिबू सोरेन के सुपुत्र हेमंत सोरेन ने सात समंदर पार झारखंड का नाम गौरव के साथ दोहराया है, जो हमारे लिए अत्यंत भावुक और गर्व की बात है।" आंदोलनकारियों ने एक स्वर में कहा कि मुख्यमंत्री ने दावोस में झारखंड के विकास, संस्कृति और अस्मिता की जो तस्वीर दुनिया के सामने रखी है, उससे राज्य को नई अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है। जामताड़ा जिला समिति ने मुख्यमंत्री के इस 'विश्व पहल' की जमकर सराहना की और उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। इस उत्साहपूर्ण बैठक में जिले के वरिष्ठ आंदोलनकारी बोडो सोरेन, रॉबिन मिर्धा, अनिल सोरेन, जमाल अंसारी, जितान हंसदा, रोहिणी मरांडी, शिबलाल मरांडी, भुवनेश्वर मुर्मू, गोरी रवानी, सहदेव मुर्मू और किसन महतो सहित दर्जनों कार्यकर्ता एवं आंदोलनकारी उपस्थित थे। सभी ने एक-दूसरे को जोहार किया और झारखंड के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

"शिक्षा जीवन का दीपक है, इसे प्रज्वलित करें": संत जेवियर के खेलकूद समारोह में विधायक एमटी राजा का आह्वान; टॉपर्स को देंगे 'एजुकेशन किट'

संवाददाता

साहेबगंज। "विद्यार्थी जीवन में ईमानदारी और कर्मठता ही सफलता की कुंजी है। शिक्षा वह दीपक है जो जीवन के अंधकार को मिटाता है, इसे हर हाल में प्रज्वलित रखें।" ये प्रेरक विचार राजमहल विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा ने व्यक्त किए। वे बुधवार को स्थानीय संत जेवियर स्कूल में आयोजित वार्षिक खेलकूद समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाते हुए विधायक एमटी राजा ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने कहा कि संत जेवियर स्कूल से 10वीं और 12वीं कक्षा में टॉप करने वाले छात्र-छात्राओं को वे अपने निजी स्तर से 'एजुकेशन किट' उपलब्ध कराएंगे। इसका उद्देश्य मेधावी बच्चों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में मदद करना और उन्हें प्रोत्साहित करना है।

शिक्षकों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विधायक ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण का प्रतीक हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, "इतिहास गवाह है कि भारत के शिक्षकों ने देश को हमेशा नई दिशा दी है। एक अच्छे समाज की कल्पना बिना योग्य शिक्षकों के असंभव है। हमें सदैव अपने शिक्षकों का मान-सम्मान बनाए रखना चाहिए।" विधायक ने स्कूल प्रबंधन की सराहना करते हुए कहा कि जिले के शैक्षणिक, सामाजिक और आर्थिक बदलाव में इस विद्यालय की अहम भूमिका रही है। उन्होंने प्रबंधन को सुझाव दिया कि वे अब उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भी कदम बढ़ाएं और यहाँ इंजीनियरिंग एवं बीएड कॉलेज जैसी उच्च शिक्षण संस्थाओं की व्यवस्था करें। विधायक ने भरोसा दिलाया कि इस नेक कार्य में वे पूरी तरह विद्यालय परिवार के साथ खड़े हैं। समारोह की शुरुआत में विद्यालय के प्राचार्य फादर अरुल डॉस ने मुख्य अतिथि विधायक एमटी राजा का अंग-वस्त्र और मोमेंटो भेंट कर भव्य स्वागत किया। खेलकूद प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी खेल प्रतिभा और अनुशासन का शानदार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं और बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों का उत्साह देखते ही बन रहा था।

असम में संथाल आदिवासियों पर हमलाः भारत दिसोम आदिवासी संघ ने राष्ट्रपति और गृहमंत्री को भेजा ज्ञापन, मुआवजे और सुरक्षा की मांग

संवाददाता

जामताड़ा। असम में संथाल आदिवासियों के खिलाफ हो रहे शोषण, अत्याचार और हिंसा की खबरों ने झारखंड के आदिवासी समाज में भारी आक्रोश पैदा कर दिया है। इस गंभीर मुद्दे को लेकर 'भारत दिसोम आदिवासी संघ' ने बुधवार को जामताड़ा उपायुक्त के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति और केंद्रीय गृहमंत्री को एक ज्ञापन सौंपा है। भारत दिसोम आदिवासी संघ के प्रतिनिधि सुरेश मुर्मू द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में सोशल मीडिया और विभिन्न माध्यमों से आ रही खबरों का हवाला देते हुए बताया गया है कि असम में दो समुदायों (संथाल और बोडो) के बीच हिंसा भड़क उठी है। इस हिंसा में अब तक संथाल आदिवासियों के लगभग 30 घरों को आग के हवाले कर दिया गया है। आगजनी की इस घटना में न केवल ग्रामीणों के घरेलू सामान और संपत्ति खाक हुई है, बल्कि बच्चों के महत्वपूर्ण शैक्षणिक दस्तावेज (Educational Documents) भी जलकर राख हो गए हैं, जिससे उनका भविष्य दांव पर लग गया है। संघ के प्रतिनिधि सुरेश मुर्मू ने कहा कि आजाद भारत में आदिवासियों के साथ इस तरह का अन्याय और अत्याचार होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने असम की स्थिति को चिंताजनक बताते हुए इसे गृहयुद्ध जैसी मुहिम करार दिया है और केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

भारत दिसोम आदिवासी संघ ने महामहिम राष्ट्रपति से निम्नलिखित पांच सूत्रीय मांगें की हैं:

मुआवजाः प्रभावित प्रत्येक परिवार को तत्काल आर्थिक मुआवजा दिया जाए।

आश्रयः बेघर हुए परिवारों के लिए सुरक्षित आश्रय की व्यवस्था की जाए।

शीघ्र न्यायः हिंसा के दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो और न्याय की प्रक्रिया को तेज किया जाए।

शैक्षणिक दस्तावेजः बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो, इसके लिए उनके जले हुए दस्तावेजों को तत्काल पुनः जारी किया जाए।

सुरक्षाः असम में रह रहे संथाल आदिवासियों को जान-माल की पुख्ता सुरक्षा प्रदान की जाए।

भारत दिसोम आदिवासी संघ ने महामहिम राष्ट्रपति से इस मामले को सर्वोच्च प्राथमिकता और गंभीरता के साथ लेने का अनुरोध किया है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि आदिवासियों को न्याय और सुरक्षा नहीं मिली, तो समाज इस अन्याय के खिलाफ चुप नहीं रहेगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान सुरेश मुर्मू सहित संघ के कई कार्यकर्ता और आदिवासी समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आसान फैसला नहीं है फ्रीलांसिंग शुरु करना

काम-काज की स्वतंत्रता और अच्छी कमाई के चलते आजकल बहुत से लोग अलग-अलग फील्ड्स में फ्रीलांसिंग को रोजगार के विकल्प में अपनाने लगे हैं। फ्रीलांसिंग शुरु करना बहुत आसान फैसला नहीं है। इसमें कई सारी बातों आपको ध्यान में रखनी होती है जो कि आपके स्वतंत्र करियर को बना या बिगाड़ सकती है। यहां सबसे बड़ी चुनौती मार्केट में खुद को स्थापित करना होता है। स्थापित होने में, क्लाइंट्स को आकर्षित करने में समय भी लगता ही है। अगर आप जॉब छोड़कर फ्रीलांसिंग करने की सोच रहे हैं, तो आपको कुछ बातों पर गौर करना जरूरी है। इसके लिए सबसे अच्छा तरीका है खुद को एनालाइज करना। अगर आपके मन में भी फ्रीलांसिंग की इच्छा है तो पहले इन पांच सवालों के बारे में सोच लें।

- स्वतंत्र करियर बनाने की मात्र इच्छा है या आपके अंदर इसे लेकर पैशन है
- आपको क्यों लगता है कि कंपनी के पेरोल से बेहतर आप कर सकते हैं?
- आपके पास क्या सर्विसेस हैं और किसके लिए हैं?
- आपको कैसे इस बात में यकीन है कि आप यह कर पाएंगे?
- कोई भी नई शुरुआत धीरे-धीरे जोर पकड़ती है, क्या आपके पास तब तक सर्वाइव करने के लिए बैकअप अरेंजमेंट है?

इन पांचों सवालों के ईमानदारी से जवाब देकर आप कोई बड़ा कदम उठाने से पहले आश्वस्त हो सकते हैं। अनिश्चित आय-नौकरी से स्वतंत्र काम शुरु करने पर शुरुआत में कुछ मुश्किल हो सकती हैं। नौकरी की तरह आपकी आय निश्चित नहीं होगी। इसलिए यह जरूरी है कि पहले आप अच्छे से मनन-चिंतन कर आगे कदम बढ़ाएं ताकि आपको पीछे मुड़कर नहीं देखना पड़े।

प्रोडक्शन और ब्रांडिंग से जुड़ी फील्ड है प्रोडक्ट मैनेजमेंट

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई इसी फील्ड से निकलकर आज एक बड़ा नाम बन चुके हैं। बतौर प्रोडक्ट मैनेजर ऐसे लोग उपभोक्ता का मूड बहुत अच्छी तरह समझते हैं। उनमें प्रोडक्ट की ब्रांडिंग स्किल कमाल की होती है। यूं कहें कि इनकी देखरेख में ही नए-नए प्रोडक्ट बनते और लॉन्च होते हैं। यही वजह है कि कंपनियों के ब्रांड डेवलपमेंट विंग में इन दिनों यह जॉब इन डिमांड है।

करियर स्कोप

ग्रेजुएट मैनेजमेंट एडमिशन काउंसिल (जीएमएसी) के वार्षिक सर्वे के मुताबिक विश्व भर के करीब 96 प्रतिशत नियोक्ताओं का भरोसा सिर्फ एमबीए ग्रेजुएट्स पर है। इनका मानना है कि ऐसे प्रोफेशनल्स की वजह से ही उनकी कंपनियों को सही वैल्यू मिलती है। करियर विशेषज्ञों का मानना है कि स्टार्ट-अप सेक्टर में आए बूम और मेक इन इंडिया जैसे अभियानों की वजह से आने वाले दिनों में एंटरप्रेन्योर्स की तादाद और ज्यादा बढ़ेगी। इससे कंज्यूमर कंपनीज के मैन्युफैक्चरिंग और प्रोडक्शन सेक्शन में प्रोडक्ट मैनेजमेंट के प्रोफेशनल्स की अच्छी डिमांड पैदा होगी और यह हो भी रही है।

क्या है काम?

प्रोडक्ट मैनेजमेंट मुख्य रूप से प्रोडक्शन और ब्रांडिंग से जुड़ी फील्ड है। यह मैनेजमेंट की ही एक शाखा है। इसके अंतर्गत किसी भी नए प्रोडक्ट के आइडिएशन और प्लानिंग से लेकर मैन्युफैक्चरिंग, प्राइसिंग, पैकेजिंग, सेल्स एक्टिविटी और ब्रांडिंग जैसी तमाम प्रक्रियाएं शामिल हैं। कंपनी में प्रोडक्ट मैनेजर आम तौर पर दो तरह की जिम्मेदारियां निभाते हैं। पहला, कंपनी के प्रोडक्ट या सर्विस को बाजार में बनाए रखना और दूसरा, नए प्रोडक्ट या सर्विसेज विकसित करना। ऐसे प्रोफेशनल्स को कंज्यूमर रिसर्च और मार्केट रिसर्च की भी अच्छी समझ होती है। ब्रांडिंग वर्क इस पेशे का सिर्फ एक हिस्सा भर है। कंपनियों में प्रोडक्ट मैनेजर की हैसियत मिनी सीईओ जैसी होती है।

पर्सनल स्किल

कंपनियों में यह एक जिम्मेदारी भरा पद है। आइडिएशन और प्लानिंग इनके करियर का अहम हिस्सा होते हैं। इसलिए उम्मीदवारों को क्रिएटिव और इनोवेटिव सोच का होना जरूरी है। वे मैथ्स और फाइनेंस की अच्छी स्किल रखते हों। इंफॉर्मेशन फिल्टरिंग के लिए एनालिटिकल एबिलिटी होनी चाहिए। टीमवर्क, लीडरशिप, कम्युनिकेशन स्किल और मार्केट ट्रेंड की समझ भी जरूरी है।

प्रमुख संस्थान

- आईआईटी, दिल्ली
- इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड एडमिनिस्ट्रेशन, मुंबई/ चेन्नाई/ हैदराबाद
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, मुंबई
- अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई

आकर्षक ग्रोथ

प्रोडक्ट मैनेजमेंट भले ही नए दौर की जॉब है लेकिन यहां ग्रोथ बहुत है। पे-स्केल सर्वे के अनुसार, करीब 58 प्रतिशत प्रोडक्ट मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स को 10 साल के करियर में तीन से चार प्रमोशन आसानी से मिल जाते हैं। इस फील्ड की नियोक्ता कंपनियां एमबीए या बीटेक के बाद हायरिंग में कंसल्टिंग, फाइनेंस या अकाउंटिंग के ग्रेजुएट्स को ज्यादा तरजीह देती हैं। मार्केटिंग ग्रेजुएट और बीबीए उम्मीदवार भी मार्केटिंग असिस्टेंट या एसोसिएट ब्रांड मैनेजर के तौर पर यहां जॉब पा सकते हैं।

जॉब के अवसर

अगर इस फील्ड में जॉब की बात करें, तो आईटी व आईटीईएस कंपनी, ऑटोमोबाइल कंपनी, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी, मोबाइल, फार्मास्युटिकल, हेल्थकेयर, फूड एंड पर्सनल केयर जैसी कंपनियों में जॉब की तलाश की जा सकती है। एचआर एक्सपर्ट्स की मानें, तो 2026 में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में करीब 6 लाख हायरिंग होने की उम्मीद है।

कौन-से कोर्स?

देश में कई सरकारी और निजी संस्थान प्रोडक्ट मैनजमेंट से संबंधित कोर्स ऑफर कर रहे हैं। ये कोर्स एमबीए के अलावा, डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा के रूप में भी उपलब्ध हैं, जैसे पीजी डिप्लोमा इन प्रोडक्शन मैनेजमेंट, पीजी डिप्लोमा इन प्रोडक्शन एंड ऑपरेशंस मैनेजमेंट, पीजी डिप्लोमा इन प्रोडक्शन एंड मटेरियल मैनेजमेंट आदि। कई आईटी संस्थानों में प्रोडक्शन एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग के रूप में भी ये कोर्स संचालित हो रहे हैं। अगर आप प्रोडक्ट मैनेजमेंट या ब्रांड मैनेजमेंट में एमबीए करना चाहते हैं, तो ग्रेजुएशन के बाद कर सकते हैं। पीजी डिप्लोमा के लिए ग्रेजुएशन जरूरी है।

सैलरी पैकेज

प्रोडक्ट मैनेजमेंट एक हाई पेइंग फील्ड है। एंट्री लेवल पर असिस्टेंट मैनेजर जैसे पदों के लिए 30 हजार से 50 हजार रुपए की सैलरी प्रति माह आसानी से मिल जाती है। कुछ वर्षों के अनुभव के बाद बतौर प्रोडक्ट मैनेजर इनकी सैलरी 1 लाख रुपए से भी ज्यादा हो जाती है। डिप्लोमाधारी प्रोफेशनल्स को भी इस फील्ड में शुरुआती दौर में 25 से 50 हजार रुपए प्रति माह मिल जाते हैं।

युवाओं के लिए बेहतरीन करियर विकल्प ह्यूमन रिसोर्स

नए करियर की तलाश कर रहे युवाओं के लिए ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट एक बेहतरीन करियर विकल्प के रूप में उभर रहा है। खासकर वर्तमान प्रतिस्पर्धी माहौल में अच्छे एम्प्लॉई को हायर करना मुश्किल काम हो गया है, लेकिन एचआर की जिम्मेदारी होती है कि वे ऐसे लोगों को हायर करें, जो कंपनी या ऑर्गनाइजेशन के मिशन को पूरा करने में सहायक हों। साथ ही, ट्रेनिंग, सैलरी आदि को हैंडल करना भी इन्हीं के जिम्मे होता है। यही कारण है कि इन दिनों एचआर की जरूरत करीब-करीब हर इंडस्ट्री में है।

आमतौर पर देश के प्रमुख बिजनेस स्कूल ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स ऑफर करते हैं। जैसे-एमबीए इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, मास्टर ऑफ ह्यूमन रिसोर्स ऐंड ऑर्गनाइजेशनल डेवलपमेंट, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट। इन कोर्सों में एडमिशन पाने के लिए जरूरी है कि स्टूडेंट्स किसी मान्यताप्राप्त यूनिवर्सिटी से किसी भी संकाय में स्नातक में कम से कम 50 प्रतिशत अंक के साथ उत्तीर्ण हों। इस कोर्स के लिए चयन प्रवेश परीक्षा के आधार पर होता है। अधिकतर सरकारी संस्थानों में कॉमन एंट्रेंस टेस्ट का आयोजन किया जाता है। प्रवेश परीक्षा में अंग्रेजी, तर्क शक्ति अर्थात रीजनिंग, जनरल साइंस, जनरल नॉलेज आदि से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं। लिखित परीक्षा में सफल होने के बाद जीडी और इंटरव्यू में हिस्सा लेना पड़ता है। इस प्रक्रिया के बाद ही एडमिशन हो पाता है।

स्किल्स

ह्यूमन रिसोर्स के फील्ड में सफल होने के लिए फ्रेंडली पर्सनैल्टी का होना जरूरी है। सबसे खास बात यह कि एम्प्लॉई को हैंडल करने, यूनियन आदि से भी निपटने की काबिलियत के साथ-साथ प्रेशर में काम करने का गुण बेहद जरूरी है। एचआर की कम्युनिकेशन स्किल भी उम्दा होनी चाहिए, क्योंकि इनका काम टीम को एक साथ लेकर चलने के अलावा, एम्प्लॉई को मोटीवेट करना भी होता है। एचआर को कंपनी के कायदे-कानून के साथ-साथ नए ट्रेंड की भी जानकारी होनी चाहिए।

रोजगार के अवसर

एचआर के फील्ड में शानदार स्कोप है। चाहे कोई भी इंडस्ट्री हो या फिर बिजनेस, हर जगह इनकी मांग देखी जा रही है। दरअसल, इनका काम वर्क फोर्स को मैनेज करने से जुड़ा होता है। यही वजह है कि प्राइवेट क्षेत्र की कंपनियों के साथ-साथ गवर्नमेंट डिपार्टमेंट में भी इनकी मांग दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। इन दिनों बड़ी और मल्टीनेशनल कंपनी के साथ-साथ छोटी-छोटी कंपनियों में ह्यूमन रिसोर्स से जुड़े पेशेवर लोगों की नियुक्ति की जा रही है। ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट के क्षेत्र में कॉर्पोरेट हाउस, मल्टीनेशनल कंपनी, एयरलाइंस, फैक्टरी, गवर्नमेंट डिपार्टमेंट आदि में जॉब की तलाश की जा सकती है। ह्यूमन रिसोर्स आउटसोर्सिंग का क्षेत्र भी तेजी से बढ़ रहा है। भारत इस क्षेत्र में हॉट स्पॉट बनकर उभर रहा है। एचआर का कंपनी में एक महत्त्वपूर्ण स्थान होता है अतः इनकी सैलरी भी काफी अच्छी होती है। ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट का कोर्स पूरा करने के बाद शुरुआत में लोगों को चार से सात लाख रुपये का सालाना सैलरी पैकेज मिलने लगता है।

कला में स्नातक होने के बाद छात्र को सरकारी क्षेत्र में कॅरियर के अपार अवसर मिल सकते हैं। यह बीए के बाद सबसे अच्छे कॅरियर विकल्पों में से एक है जो सुरक्षित क्षेत्रों में से एक है जो आपको कठोर स्थिति में भी स्थिति या पद के साथ स्थायी नौकरी की सुरक्षा प्रदान करता है। यदि कोई छात्र अपना करियर बनाने या जनता के लिए काम करने का इच्छुक है तो छात्रों के लिए सरकारी क्षेत्र में अवसरों की तलाश करने के लिए यह सबसे अच्छा और सबसे रचनात्मक करियर विकल्प है।

कला में स्नातक होने के बाद कॅरियर के अपार अवसर

कला में स्नातक होने के बाद छात्र को सरकारी क्षेत्र में कॅरियर के अपार अवसर मिल सकते हैं। यह बीए के बाद सबसे अच्छे कॅरियर विकल्पों में से एक है जो सुरक्षित क्षेत्रों में से एक है जो आपको कठोर स्थिति में भी स्थिति या पद के साथ स्थायी नौकरी की सुरक्षा प्रदान करता है। कला स्नातक (बीए) में स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के बाद हम में से बहुत से लोग यह नहीं जानते हैं कि अपनी मूल डिग्री के संकलन के बाद उन्हें किस कैरियर का अनुसरण करना चाहिए। क्या वे उच्च ऑनलाइन शिक्षा के लिए जाएंगे या प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करेंगे या उन्हें कॉर्पोरेट जगत में कदम रखना चाहिए? तो आईये जानते हैं कि बीए करने बाद आपके लिए करियर विकल्प क्या हो सकते हैं।

बीए के बाद करियर

कैरियर के अवसरों की एक विस्तृत श्रृंखला ने बीए क्षेत्र में रखा है जो पहले प्रौद्योगिकी में एक सर्वश्रेष्ठ और चयनात्मक करियर रहा है और जो आपके संपूर्ण व्यक्तित्व को विकसित करने के साथ-साथ डिजाइनिंग, पत्रकारिता, मीडिया, सामग्री निर्माण या इससे भी अधिक रचनात्मक कार्य प्रोफ़ाइल जहां कला स्नातक में स्नातक छात्र ने एक स्थान हासिल किया है। कला स्नातक तीन साल की बुनियादी डिग्री होती है जो कला से संबंधित विषयों जैसे उदार कला, सामाजिक विज्ञान, मानविकी, आदि के सामान्य अध्ययन के साथ होती है। बीए की डिग्री में साहित्य, मनोविज्ञान, दर्शन, संचार, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान, इतिहास, भूगोल, संस्कृत, और अन्य कला जैसे विषय शामिल होते हैं। छात्र अपनी रुचि और करियर के लक्ष्यों के अनुसार डिग्री विषय का विकल्प चुन सकते हैं। बीए में अवसर प्रतिस्पर्धी दुनिया में अवसरों की एक श्रृंखला है जिसे आप कला में स्नातक पूरा करने के बाद खोज सकते हैं।

मीडिया, पत्रकारिता और जनसंचार

पत्रकारिता और जनसंचार लोकप्रिय क्षेत्रों में से एक है जिसने डिजिटल दुनिया के वर्तमान समय में काफी लोकप्रियता हासिल की है। पत्रकारिता एक विशाल क्षेत्र है जिसमें बड़े समाचार चैनलों के साथ सामग्री लिखने, पत्रिकाओं के लिए फीचर या यहां तक कि कैमरे के सामने और कैमरे के पीछे एंकर के साथ काम करना शामिल है। मीडिया उन बहुतायत क्षेत्रों में से एक है जिसमें एक छात्र काम कर सकता है। पत्रकारिता कार्यक्रमों में बीए पूरा करने के बाद छात्र संचार में परास्नातक कर सकते हैं या एक निश्चित मीडिया विशेषज्ञता जैसे लेखन, टीवी पत्रकारिता, पटकथा लेखन, फिल्म निर्माण, कॉर्पोरेट संचार, आदि में पीजी डिप्लोमा के लिए जा सकते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग

यह सबसे महत्वपूर्ण और सबसे अधिक मांग वाला कोर्स है जिसे आज के युवाओं द्वारा डिजिटल दुनिया में अपना करियर बनाने के लिए चुना जाता है। डिजिटल मार्केटिंग उन छात्रों के लिए सबसे अच्छा विकल्प है जो ई-कॉमर्स पोर्टल पर अपना स्टार्टअप, व्यवसाय या उद्यम, वेबसाइट, उत्पाद खोलना चाहते हैं। ऑनलाइन व्यवसाय तेजी से बढ़ रहे हैं, लगभग अरबों से अधिक लोग माल और सेवाओं के लिए ई-कॉमर्स पोर्टल का उपयोग कर रहे हैं, इसलिए यह उनके डिजिटल-आधारित व्यवसाय को खोलने के लिए एक विशाल और आकर्षक क्षेत्र है। डिजिटल मार्केटिंग में नौकरी के अवसर-

- डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर
- सर्च इंजन ऑप्टिमाइजर
- सोशल मीडिया मार्केटर
- ईमेल मार्केटर
- सामग्री विपणक
- डेटा विश्लेषक

डेटा साइंटिस्ट

एक गलत धारणा है कि साइंस स्ट्रीम का छात्र केवल डेटा साइंटिस्ट बनने के योग्य होता है। कला में स्नातक रखने वाला छात्र अपने संबंधित क्षेत्रों या क्षेत्र में डेटा विज्ञान की दुनिया में कदम रख सकता है। डेटा साइंस संरचित या असंरचित डेटा से अंतर्दृष्टि निकालने के लिए वैज्ञानिक तरीकों के माध्यम से सिस्टम, एल्गोरिदम का उपयोग करके डेटा को छोटा या एकत्र करने का क्षेत्र है। यदि किसी छात्र की कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर विकास, तकनीकी क्षेत्र में गहरी रुचि है तो वह इस विकल्प का चुनाव कर सकता है।

पटना सिविल कोर्ट में पिस्टल लेकर घुस रहा युवक पकड़ाया

● मुजफ्फरपुर समेत 5 जिलों के कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, लिखा- बड़ा धमाका होगा

पटना/भागलपुर, एजेंसी। बिहार के भागलपुर, समस्तीपुर, सीवान, बेगूसराय और मुजफ्फरपुर सिविल कोर्ट से बम से उड़ाने की धमकी मिली है। ये धमकी ई-मेल के जरिए दी गई है। वहीं पटना सिविल कोर्ट में पिस्टल लेकर दो युवक एंट्री कर रहे थे, चेकिंग के दौरान एक को पुलिस ने पकड़ लिया। दूसरा बदमाश मौके से भाग निकला है।4 जिलों के सिविल कोर्ट को उड़ाने की धमकी भरी मेल में लिखा गया है कि, बड़ा धमाका किया जाएगा। धमकी मिलने के बाद कोर्ट को खाली करा दिया गया है। बताया जाता है कि मेल तमिलनाडु से भेजा गया है।भागलपुर में धमकी प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश धर्मेंद्र कुमार सिंह को भेजी गई। जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां एक्टिव हो गईं। कोर्ट परिसर के अंदर और बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।डीएम और एसएसपी खुद मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वायड को भी बुलाया गया। डॉग स्क्वायड की टीम पूरे परिसर की गहन जांच कर रही है।हाईकोर्ट को सूचन दी गईई-मेल मिलते ही उन्होंने सूचना तुरंत पटना हाईकोर्ट को दी। साथ ही जिले के वरीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को भी इस संबंध में अवगत कराया गया। न्यायाधीश ने अदालत परिसर की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की।सीवान में जिला जज को मिला धमकी का मेलसीवान में सिविल कोर्ट के जज को धमकी का मेल किया गया है। इसके बाद उन्होंने धमकी की जानकारी पुलिस कप्तान को दी। पुलिस की टीम कोर्ट कैंपस को खाली कराने में जुट गई है। वकील कमलेश ने बताया कि, प्रशासन की तरफ से कहा गया है कि, एहतियातन कैंपस को खाली कराया जा रहा है। पुलिस की टीम जांच कर रही है। डॉग स्क्वायड की टीम भी बुलाई गई है।परिसर में माइकिंग के वकीलों को जरिए अपनी-अपनी सीटों की जांच करने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा कोर्ट परिसर में आने-जाने वाले सभी लोगों की अच्छे से जांच की जा रही है।बेगूसराय में भी कोर्ट कैंपस खाली कराया ग सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद कैंपस को खाली करवा दिया गया है। वकील गोपाल कुमार ने कहा कि, हमलोग साढ़े 10 बजे कोर्ट पहुंचे। हमें जानकारी दी गई कि ईमेल पर धमकी दी गई कि 1:45 में कोर्ट को बम से उड़ाया जाएगा। वो बम कोर्ट में रखा गया है। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। ईमेल में तमिलनाडु से आया है 8 जनवरी को भी कोर्ट में ब्लास्ट करने की मिली थी धमकी 8 जनवरी को पटना सिविल कोर्ट, पटना सिटी कोर्ट, किशनगंज सिविल कोर्ट, गयाजी सिविल कोर्ट और मधुबनी सिविल कोर्ट को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी मिली थी।

आरा-छपरा मार्ग पर नीलगाय बनी मौत का कारण, बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत ; एक गंभीर घायल

आरा, एजेंसी। कोईलवर थाना क्षेत्र अंतर्गत आरा-छपरा मुख्य सड़क पर मनभावन मोड़ के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। सड़क पार कर रही नीलगाय से टकराने के बाद बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसका रिश्तेदार गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद कुछ देर के लिए इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।मृतक कोईलवर थाना क्षेत्र के धनडीहाँ गांव निवासी भुअर यादव के पुत्र चंदन कुमार है। वहीं, बाइक पर सवार दूसरा युवक सन्नी कुमार, जो चंदन का रिश्तेदार बताया जा रहा है, इस हादसे में गंभीर रूप से जख्मी हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों युवक बाइक से आरा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान अचानक सड़क पार कर रही नीलगाय बाइक के सामने आ गई। तेज रफ्तार के कारण बाइक सवार संभल नहीं पाए और नीलगाय से टकरा ग इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवक सड़क पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को तत्काल कोईलवर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान डॉक्टर ने चंदन कुमार को मृत घोषित कर दिया। वहीं सन्नी कुमार की स्थिति नाजुक देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही कोईलवर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की।

बगहा पुलिस ने 74 लीटर शराब किया जब्त :भैरोगंज में तस्कर गिरफ्तार, मोटरसाइकिल भी बरामद

बगहा, एजेंसी। बगहा पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। भैरोगंज थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर 74 लीटर देसी शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया। तस्करी में इस्तेमाल की गई एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है।पुलिस अधीक्षक रामानंद कुमार कौशल ने बताया कि भैरोगंज थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि जुड़ा चौक होते हुए नूनिया पट्टी की ओर एक मोटरसाइकिल से भारी मात्रा में देशी शराब ले जाई जा रही है। इस सूचना पर वरीय पुलिस अधिकारियों को अवगत कराया ग के साथ युवक गिरफ्तारइसके बाद भैरोगंज थानाध्यक्ष सीता केवट के नेतृत्व में एक पुलिस दल का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संदिग्ध स्थान पर घेराबंदी की और वाहन जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान एक मोटरसाइकिल को रोका गया। तलाशी लेने पर मोटरसाइकिल से 74 लीटर देसी शराब बरामद हुई। मौके से ही शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया।पुलिस ने बाइक-शराब किया जब्त भैरोगंज थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ बिहार उत्पाद एवं मद्य निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। जब्त शराब और मोटरसाइकिल के साथ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। आरोपी से पूछताछ के आधार पर इस मामले में अन्य संभावित संलिप्त लोगों की जानकारी भी जुटाई जा रही है। पुलिस अधीक्षक रामानंद कुमार कौशल ने दोहराया कि जिले में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि शराब तस्करी या बिक्री में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सूर्य महोत्सव के तीसरे दिन स्थानीय कलाकारों की रही धूम सांस्कृतिक, खेल प्रतियोगिताओं में दिखा उत्साह

रंगोली पेंटिंग और मेहंदी प्रतियोगिता का भी आयोजन

औरंगाबाद, एजेंसी। भगवान सूर्य की ऐतिहासिक धरती देव में आयोजित सूर्य महोत्सव के तीसरे और अंतिम दिन स्थानीय कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया। ऑडिशन के माध्यम से जिले भर से चयनित कलाकारों ने मंच पर अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया। महोत्सव के समापन दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं और युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पूरे आयोजन में देव सूर्य मंदिर परिसर और रानी तालाब के आसपास उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला।

अंतिम दिन सांस्कृतिक मंच पर दानिका सांस्कृतिक संस्थान की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत छठ गीत को दर्शकों ने खूब सराहा। अंजली सिंह, शिवांगी सिंह, खुशबू कुमारी, जूही कुमारी, पल्लवी कुमारी, शिखा कुमारी, निहारिका कुमारी, अमीषा कुमारी, गुनगुन कुमारी, स्मृति कुमारी, रितिका राज और अंजलि यादव की सामूहिक प्रस्तुति ने श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना दिया।

इसके अलावा दानिका संस्थान की छात्रा अमीषा कुमारी और रितिका राज के एकल नृत्य को भी दर्शकों की भरपूर तालियां मिलीं। नन्ही कलाकार प्रेरणा प्रकाश द्वारा प्रस्तुत किया गया कत्थक नृत्य कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा, जिसने शास्त्रीय नृत्य की सुंदरता और भाव-भंगिमा से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

रंगोली पेंटिंग और मेहंदी प्रतियोगिता का भी आयोजन- सूर्य महोत्सव के दौरान रंगोली, पेंटिंग और मेहंदी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें जूनियर और सीनियर वर्ग के प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया। रंगोली और पेंटिंग प्रतियोगिता जूनियर वर्ग में कक्षा छह से आठ तथा सीनियर वर्ग में कक्षा नौ से बारह तक के छात्रों के लिए आयोजित की गई। पेंटिंग प्रतियोगिता का विषय औरंगाबाद का प्रमुख पर्यटन स्थल देव सूर्य मंदिर रखा गया था। प्रतिभागियों ने कागज पर ऐतिहासिक सूर्य मंदिर और आसपास के दृश्यों को इस तरह उकेरा कि देखने वालों को साक्षात देव सूर्य मंदिर का आभास होने लगा।

पेंटिंग प्रतियोगिता में लॉर्ड बुद्धा पब्लिक स्कूल के छात्र कुणाल कुमार और सत्या शर्मा, उच्च विद्यालय मदनपुर की छात्रा नंदिनी कुमारी तथा बेढ़नी की नंदिनी कुमारी ने शानदार कलाकृतियां प्रस्तुत कीं। वहीं रंगोली प्रतियोगिता में सच्चिदानंद सिन्हा महाविद्यालय की छात्रा मनीषा कुमारी ने देव सूर्य मंदिर का आकर्षक दृश्य उकेरा।बीएल इंडो की साक्षी कुमारी और आशिका कुमारी ने भी रंगोली के माध्यम से सूर्य मंदिर की भव्यता को दर्शाया। काइजर स्कूल देव मोड़ की छात्रा आशिका कुमारी और रुबी कुमारी ने रंगोली के जरिए महिला प्रताड़ना जैसे सामाजिक विषय को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। मेहंदी प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने एक से बढ़कर एक आकर्षक डिजाइन हाथों पर रचाए, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

रंगोली प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में सावित्री बाई फूले संस्था की माधवी कुमारी और स्मृति पाठक को प्रथम स्थान, सच्चिदानंद सिन्हा कॉलेज की मानसी सिंह और जूही सिंह को द्वितीय तथा एसबीपीएस मेमोरियल कॉलेज ऑफ नर्सिंग की संस्कृति प्रतिक और छोटी कुमारी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। जूनियर वर्ग में अनुग्रह इंटर विद्यालय की सोनम कुमारी प्रथम, संत इग्नेशियस स्कूल की दीप शिखा और यामनी अन्मय द्वितीय तथा प्लस टू उच्च विद्यालय बसडीहा कला की ज्योति कुमारी और जानवी कुमारी को तृतीय स्थान मिला। पेंटिंग और मेहंदी प्रतियोगिता के सभी सफल प्रतिभागियों को मंच से सम्मानित किया गया।

बौद्धिक और शारीरिक प्रतियोगिताओं का भी हुआ आयोजन-इसके अलावा सूर्य महोत्सव के मंच से क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें जूनियर वर्ग में उच्च विद्यालय अरंडा को प्रथम, सेंट्रल स्कूल को द्वितीय और डीएवी औरंगाबाद को तृतीय स्थान मिला। सीनियर वर्ग में दाउदनगर महाविद्यालय की छात्रा पूनम कुमारी प्रथम, रामलखन सिंह यादव महाविद्यालय के प्रेम प्रभात द्वितीय और डीएन कॉलेज साकरा की तब्बसुम को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। खेल प्रतियोगिताओं में खो-खो, कबड्डी और स्लो साइकिल रेस में भी प्रतिभागियों ने शानदार प्रदर्शन किया। सभी विजेता और उपविजेता प्रतिभागियों को सूर्य महोत्सव के मंच से सम्मानित किया गया, जिससे पूरे आयोजन का समापन उत्साह और उल्लास के साथ हुआ।

मायके वालों से छीन पति ने शव को नदी में फेंकाबीपीएससी शिक्षिका के परिजनों के पास सबूत, देखें

हाजीपुर, एजेंसी। जिसपर अपनी ही पत्नी की हत्या का आरोप हो, वह उसके शव को आरोप लगाने वाले ससुरालियों से जबरिया छीन ले जाए और नदी में फेंक दे तो ! निश्चित तौर पर उसे पुलिस का कोई डर नहीं होगा। बीपीएससी शिक्षिका की जिस तरह सीढ़ी पर पतली रस्सी से लटका शव मिला था, पुलिस को इसकी जांच आत्महत्या की जगह हत्या के एंगल से करनी चाहिए थी। सुसाइड नोट के आधार पर आत्महत्या माना जा रहा है, हालांकि पोस्टमार्टम कराया गया है। लेकिन, अब सामने आ रहा है कि पोस्टमार्टम के बाद शव को लेकर जा रहे मायके वालों को घेरकर शिक्षिक के पति ने शव अपने कब्जे में ले लिया। इस दौरान पुलिस वाले की एक बाइक और कुछ नेता के भी साथ देने की बात सामने आ रही है। कई सफेदपोश भी जबरदस्ती करते दिख रहे हैंवैशाली जिले में बीपीएससी शिक्षिका प्रिया भारती का फंदे से लटका शव मिलने के बाद परिवार वालों ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया था। लिखित आवेदन पुलिस के पास है। एक और नया खुलासा हुआ है कि पुलिस ने जब पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार वालों को सौंपा, तो गांव जाते समय ससुराल वालों ने लगभग 50 लोगों के साथ जुटकर शव छीन लिया। प्रिया भारती के पति और आईसीआईसीआई बैंक के डिप्टी मैनेजर दीपक कुमार पर यह आरोप वीडियो प्रमाण के साथ सामने आया है। प्रिया भारती के शव को कोनहारा घाट पर दाह संस्कार किए बगैर गंगा में प्रवाहित कर दिया गया। मामले का वीडियो प्रिया भारती के परिवार वालों ने अपने मोबाइल में रिकॉर्ड किया है। इस कांड में कई सफेदपोश भी फंसेंगे, क्योंकि वह वीडियो में दिख रहे हैं। नायलॉन की रस्सी और कमरे की हालत ने बढ़ाया शक मौके पर जिस पतली रस्सी से प्रिया को लटकाया गया था, वह सामान्य रूप से 50-60 किलो वजन भी नहीं झेल सकती। परिजनों का कहना है कि इतनी कमजोर रस्सी पर कोई खुद फांसी नहीं लगा सकता। ऐसे में आत्महत्या कहना गलत है। परिजन इसे पहले हत्या और फिर शव को फंदे से लटकाने का मामला बता रहे। जिस तरह से पैर सीढ़ी पर टिका मिला, उसमें मौत होना भी आसान नहीं लगता। घटनास्थल से एक कथित सुसाइड नोट भी मिला है, जिसकी पहली पंक्ति थी- 'यह कोई हत्या नहीं है।' बस यही लाइन पुलिस और परिजनों के लिए सबसे बड़ा सवाल बन गई। परिजनों का कहना है कि आमतौर पर आत्महत्या करने वाला व्यक्ति अपने कारण और स्वेच्छा का उल्लेख करता है, लेकिन इस नोट की भाषा संदिग्ध है। पिता का आरोप है कि यह नोट प्रिया से जबरन लिखवाया गया हो सकता है। इसके अलावा, इस नोट में मोबाइल पति को सौंपने की इच्छा जताया जाना भी शक के घेरे में पति को ही लाता है। शादी के बाद से उत्पीड़न का आरोपपरिजनों के अनुसार प्रिया भारती की शादी 16 नवंबर 2024 को जिले के जंदाहा थाना क्षेत्र के रसूलपुर पुरुषोत्तम गांव निवासी स्व. शम्भुनाथ तिवारी के पुत्र दीपक कुमार से हुई थी। दीपक रक्सौल में आईसीआईसीआई बैंक में डिप्टी ब्रांच मैनेजर है। वह 3 दिन पहले घर आया था। शादी के बाद से ही उसे दहेज और अन्य बातों को लेकर मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था।

अजित पवार का निधनः सीएम नीतीश समेत तेजस्वी-सम्राट और चिराग ने दी श्रद्धांजलि

पटना, एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महाराष्ट्र के बारामती जिले में हुए विमान हादसे में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख अजित पवार के असामयिक निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि यह विमान हादसा अत्यंत पीड़ादायक है और इस खबर से वे मर्माहत हैं। अपने शोक संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि अजित पवार एक कर्मठ, अनुभवी एवं कुशल राजनेता थे। महाराष्ट्र की राजनीति में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। वे मृदुभाषी, मिलनसार स्वभाव के थे और जनता के बीच अत्यधिक लोकप्रिय थे। उनके निधन से न केवल महाराष्ट्र बल्कि पूरे देश के राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन को अपूरणीय क्षति हुई है।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दिवंगत आत्मा की चिर शांति तथा शोक संतप्त परिजनों और प्रशंसकों को इस कठिन समय में धैर्य एवं संबल प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

नीतीश कुमार ने जताया दुख
मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महाराष्ट्र के बारामती जिले में हुए विमान हादसे में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख अजित पवार के असामयिक निधन पर गहरा दुख जताया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि, यह हादसा बहुत ही दुखद और पीड़ादायक है। इस घटना से वे बेहद मर्माहत हैं। अपने शोक संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि, 'अजित पवार एक मेहनती, अनुभवी और कुशल राजनेता थे। महाराष्ट्र की राजनीति में उनका बहुत बड़ा योगदान रहा है। वे सरल स्वभाव के, मृदुभाषी और सभी से मिल-जुलकर रहने वाले नेता थे। आम लोगों के बीच उनकी अच्छी पहचान और लोकप्रियता थी।' मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ईश्वर से प्रार्थना की है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और इस दुख की घड़ी में उनके परिवार, शुभचिंतकों और समर्थकों को धैर्य और हिम्मत दें।

हादसा अत्यंत दुखद और हृदय विदारक- सम्राट चौधरी- बिहार के डिप्टी सीएम और गृहमंत्री सम्राट चौधरी ने ङ्ग पर शोक संदेश जारी करते हुए लिखा कि, बारामती में हुए इस भीषण विमान हादसे में महाराष्ट्र के माननीय उपमुख्यमंत्री अजित पवार जी सहित कई लोगों के निधन की खबर अत्यंत दुखद और हृदय विदारक है। उन्होंने दिवंगत आत्माओं को शांति और परिवारों को इस दुख को सहने की शक्ति देने की कामना की।

अजित पवार का जनसेवा में अमिट योगदान- विजय कुमार सिन्हा- बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने इसे अत्यंत दुःखद और पीड़ादायक बताया। उन्होंने कहा कि, 'यह घटना देश और प्रदेश के लिए अपूरणीय क्षति है।' उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को संबल देने की प्रार्थना की।

लालू यादव ने की उच्चस्तरीय जांच की मांग- राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने बारामती प्लेन क्रैश घटना पर शोक प्रकट किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा- बारामती प्लेन हादसे में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम श्री अजीत पवार जी के निधन का अत्यंत दुखद समाचार प्राप्त हुआ। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे तथा परिजनों और समर्थकों को इस अपूरणीय क्षति को सहने की क्षमता प्रदान करे। हादसे की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। विनम्र श्रद्धांजलि।'

तेजस्वी यादव ने हादसे पर जताया दुख- इधर, राजद नेता तेजस्वी यादव ने भी इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि, अजित पवार के आकस्मिक निधन से देश की राजनीति को अपूरणीय क्षति हुई है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति दें और शोकाकुल परिवार को इस दुख को सहने की शक्ति प्रदान करें।

चिराग पासवान ने भी दी श्रद्धांजलि- लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बारामती विमान हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा- 'महाराष्ट्र के बारामती में हुए विमान हादसे में उपमुख्यमंत्री श्री अजीत पवार जी सहित चार लोगों के असामयिक निधन की खबर अत्यंत हृदयविदारक है। दिवंगत आत्माओं को विनम्र श्रद्धांजलि एवं शोकाकुल परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। शांति !'

पूर्णिया सासंद पप्पू यादव ने भी शोक जताया- बिहार के पूर्णिया लोकसभा से सांसद पप्पू यादव ने भी अजित पवार के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा, 'अत्यंत दुःखद! महाराष्ट्र के डिप्टी ष्टसीएम अजीत पवार जी हवाई जहाज़ दुर्घटना में नहीं रहे! मेरी संवेदना उनके परिजनों के साथ है, उनकी आत्मा को शांति मिले!' उन्होंने अपने पोस्ट में हैरानी जताते हुए लिखा कि, 'पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी जी के बाद अजीत पवार जी, उससे पहले सीडीएस बिपिन रावत जी सभी हवाई दुर्घटना के शिकार हुए! संयोग...'

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने जताया दुख- महाराष्ट्र के बारामती में हुई भीषण हवाई जहाज दुर्घटना में महाराष्ट्र के माननीय उपमुख्यमंत्री एवं ह्ष्टक्क के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अजीत पवार जी सहित कई लोगों के निधन का समाचार अत्यंत दुखद एवं हृदय विदारक है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति दें और शोकाकुल परिवारों को इस अपार दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें। शांति!

मायके जाने से रोकने पर नवविवाहिता ने लगाई फांसी

ससुराल में पंखे से लटकती मिली लाश, 5 महीने पहले ही हुई थी अंतरजातीय शादी

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में नवविवाहिता की लाश ससुराल में पंखे से लटकी हई मिली। 5 महीने पहले ही अंतरजातीय शादी हुई थी। महिला को मायके जाने नहीं दिया जा रहा था, इसी से नाराज होकर उसने सुसाइड कर लिया। मृतका शिम्पी कुमारी है। जिसका मायका हसनगंज थाना क्षेत्र के तारापुर मंबे गांव में है। मृतका की सास चंद्रिका देवी ने बताया कि घर में मैं और बहू मौजूद थे। परिवार के अन्य सदस्य काम से बाहर गए हुए थे। दोपहर में खाना बनाने के बाद बहू को आराम करने के लिए कहा। शिम्पी बार-बार मायके जाने की बात कर रही थी, लेकिन उसे समझाया गया कि फिलहाल कोई खास जरूरत नहीं है। इसके बाद बहू अपने कमरे में चली गई और मैं सत्संग में चली गई। जब मैं सत्संग से लौटकर आई तो बहू दिखाई नहीं दी। कमरे में जाकर देखा गया तो शिम्पी फंदे से लटकी हुई थी। उसे नीचे उतारकर अस्पताल ले जाने की कोशिश की, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद घटना की जानकारी मायके वालों को दी गई। घटना बनमनखी नगर परिषद के वार्ड-3 में विशाल बजरंगबली मंदिर के पास की है।

मुझे यकीन नहीं हो रहा बेटी हमारे बीच नहीं रही- पिता- मृतका के पिता अरुण सिंह ने बताया कि बनमनखी नगर परिषद वार्ड-3 निवासी अजित चौधरी से बेटी की शादी कराई थी। शादी के बाद से वो ससुराल में ही रह रही थी। अब वो हमारे बीच नहीं, मुझे अब भी यकीन नहीं हो रहा। घटना की सूचना मिलते ही एसडीपीओ शैलेश प्रीतम और बनमनखी थाना अध्यक्ष संजय कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए पूर्णिया तस्ष्ट॥ भेज दिया। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके से कई अहम साक्ष्य जुटाए हैं।ड्डस्डीपीओ शैलेश प्रीतम ने बताया कि मृतका के परिजनों की ओर से अभी तक कोई लिखित आवेदन नहीं मिला है। आवेदन मिलने और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल ये साफ नहीं हो सका है कि नवविवाहिता ने यह कदम किन कारणों से उठाया। पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है।

छपरा में गड्ढे में गिरी दो सहेलियों की हुई मौत

छपरा, एजेंसी। सारण जिले के खैरा थाना क्षेत्र के खानपुर गांव में मंगलवार दोपहर दो युवतियों की गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब दोनों युवतियां अईठा (घोंघा) चुनने के लिए गड्ढे के किनारे गई थीं और संतुलन बिगड़ने के कारण गहरे पानी में गिर गईं। मृतकों की पहचान धर्मनाथ महतो की 20 वर्षीय पुत्री प्रियंका कुमारी और विश्वनाथ महतो की 19 वर्षीय पुत्री सिंकी कुमारी के रूप में हुई है। दोनों युवतियां सहेलियां बताई जा रही हैं। घटना के बाद गांव में मातमी सन्नाटा और परिजनों में कोहराम मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गड्ढे के किनारे मिट्टी गीली होने के कारण दोनों का पैर फिसल गया। आसपास मौजूद लोगों ने बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। स्थानीय लोगों के अनुसार यह गड्ढा सड़क निर्माण के दौरान जेसीबी द्वारा खोदा गया था, जिसे भरने का काम नहीं किया गया, जिससे पानी भर गया और यह हादसा हुआ। घटना की सूचना मिलने पर खैरा थाने के थानाध्यक्ष अखिलेश पासवान और अन्य अधिकारियों ने मौके पर पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया। दोनों शवों को ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह दुर्घटना प्रतीत होती है।

जिला प्रशासन ने नोटिस दिया, अतिक्रमण हटेगाःबांसघाट के सामने पांच एकड़ जमीन पर 86 लोगों का कब्जा

पटना, एजेंसी। बांसघाट के सामने 5 एकड़ सरकारी जमीन पर 81 लोगों का कब्जा है। डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम के निर्देश पर सदर अंचल कार्यालय ने इनलोगों को नोटिस जारी किया है। 5 फरवरी को सदर अंचलाधिकारी रजनीकांत द्वारा सुनवाई की जाएगी। नोटिस पाने वाले लोगों को जमीन से जुड़े दस्तावेज लाने को कहा गया है। साक्ष्य और दस्तावेजों की जांच कर सीओ द्वारा आदेश पारित किया जाएगा। इसके बाद अतिक्रमण हटाया जाएगा।

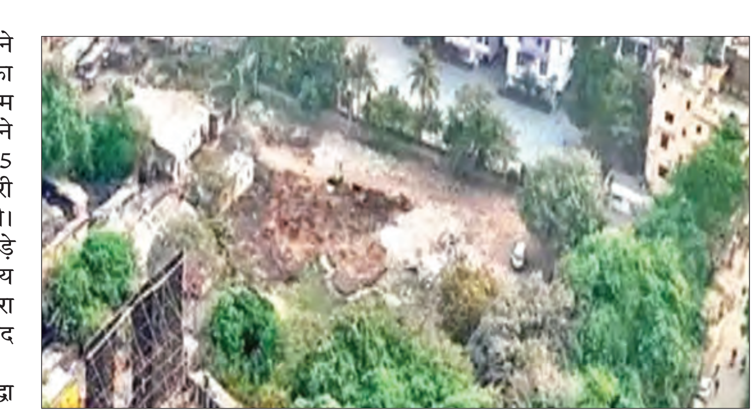

जिला प्रशासन के मुताबिक, बुद्धा कॉलोनी मोड़ से काली मंदिर तक की जमीन गैरमजरुआ आम है। इस जमीन पर सरकार का अधिकार है। इस पर लोगों ने वर्षों से कब्जा कर रखा है। कुछ पक्का मकान और कच्चा निर्माण हैं। इस पांच एकड़ जमीन के उत्तर में अशोक राजपथ, दक्षिण में मंदिरी और बुद्धा कॉलोनी का हिस्सा, पूरब में काली मंदिर और पश्चिम में बुद्ध कॉलोनी रोड है।

यहां वेंडिंग जोन बनेगा – इस पांच एकड़ जमीन से अतिक्रमण हटाकर बड़े वेंडिंग जोन का निर्माण होगा। साथ ही अन्य सरकारी बिल्डिंग, पार्क आदि के निर्माण की योजना है। जिला प्रशासन के मुताबिक, शहर के अंदर इतने बड़े भूखंड का लाभ सार्वजनिक रूप से नहीं मिल रहा है। अतिक्रमण हटने के बाद इसकी उपयोगिता के आधार पर सरकार द्वारा निर्णय लिया जाएगा।

इस इलाके को पर्यटन स्थल के तौर पर विकसित करने की योजना है। अशोक राजपथ से उत्तर मल्टीलेवल बिल्डिंग बनाने पर एनजीटी की रोक है। ऐसे में अशोक राजपथ के दक्षिण की इस 5 एकड़ सरकारी जमीन का बहुद्देशीय उपयोग हो सकता है।

विचार-मंथन

संपादकीय

विकास की आड़ में प्रकृति की सुरक्षा दीवार को तोड़ने की तैयारी

विशेषज्ञों का मानना है कि अरावली के आसपास के क्षेत्र में भूजल स्तर को सामान्य बनाए रखने, रेगिस्तान बनने से रोकने और लोगों की आजीविका बचाने के लिए इसका संरक्षण जरूरी है ।देश में अवैध और अवैज्ञानिक तरीके से खनन तथा इसके पर्यावरण पारिस्थितिकी पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। ये तर्क सही हो सकते हैं कि खनन गतिविधियां विकास प्रक्रिया का हिस्सा हैं, लेकिन क्या पर्यावरण की कीमत पर विकास की राह तलाशना उचित है? पिछले कुछ दिनों से चर्चा में रहे अरावली पर्वत-श्रृंखला के मसले को लेकर यह बहस जोर पकड़ रही है कि अगर कोई प्राकृतिक संरचना किसी क्षेत्र के लिए जीवन-धारा और सुरक्षा दीवार के रूप में खड़ी है, तो क्या उसका संरक्षण जरूरी नहीं है !हाल के वर्षों में अरावली क्षेत्र में खनन गतिविधियां बढ़ी हैं और इससे होने वाले नुकसान को लेकर उठी आवाज की अनदेखी हुई है। यही वजह है कि बुधवार को सर्वोच्च न्यायालय ने भी स्पष्ट किया कि अरावली में खनन और इससे संबंधित मुद्दों की व्यापक एवं समग्र जांच जरूरी है तथा इसके लिए विशेषज्ञों की एक समिति गठित की जाएगी। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि अरावली क्षेत्र में अवैध खनन से पर्यावरण को अपूरणीय क्षति हो सकती है ।गौरतलब है कि पिछले दिनों सर्वोच्च न्यायालय ने यह व्यवस्था दी थी कि आसपास की जमीन से कम से कम सौ मीटर ऊंचे हिस्से को ही अरावली पहाड़ी के तौर पर माना जाएगा। अदालत की इस नई परिभाषा के बाद यह आशंका पैदा हो गई थी कि अगर सौ मीटर से कम ऊंचाई वाली पहाड़ियों पर खनन, निर्माण और व्यावसायिक गतिविधियों के रास्ते खुलेंगे, तो इसके बाद समूचे इलाके के पारिस्थितिकी तंत्र पर गंभीर पर्यावरणीय प्रभाव पड़ सकते हैं ।क्योंकि, पहाड़ियों के बीच पांच सौ मीटर की दूरी के मानक से अरावली का बड़ा हिस्सा पर्यावरण संरक्षण से बाहर हो सकता था। हालांकि, बाद में शीर्ष अदालत ने अपने इस फैसले को स्थगित करते हुए कहा था कि इस मामले में कुछ गंभीर अस्पष्टताओं का समाधान जरूरी है। अब न्यायालय ने सरकार को चार सप्ताह के भीतर खनन क्षेत्र के विशेषज्ञ और वैज्ञानिकों के नाम सुझाने का निर्देश दिया है, ताकि विभिन्न पहलुओं की जांच के लिए विशेषज्ञ समिति का गठन किया जा सके ।मगर यह पहलू भी महत्त्वपूर्ण है कि विशेषज्ञों की समिति बिना किसी दबाव और निष्पक्षता से अध्ययन कर अपने सुझाव सामने रखे। इस चिंता को दूर करने के लिए शीर्ष अदालत ने स्पष्ट कहा है कि यह समिति उसके निर्देशन और निगरानी में कार्य करेगी ।दरअसल, राजस्थान, हरियाणा और गुजरात से लेकर दिल्ली तक के सैकड़ों किलोमीटर इलाके में फैली अरावली पर्वत-श्रृंखला को उत्तर भारत में पर्यावरण को संतुलित रखने की लिहाज से एक प्राकृतिक दीवार के रूप में देखा जाता है। मगर पिछले कुछ वर्षों से अरावली क्षेत्र में जिस तरह पत्थर, रेत और अन्य संसाधनों की पूर्ति के लिए खनन गतिविधियां बढ़ी हैं, उससे इलाके के पर्यावरण पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं ।विशेषज्ञों का मानना है कि अरावली के आसपास के क्षेत्र में भूजल स्तर को सामान्य बनाए रखने, रेगिस्तान बनने से रोकने और लोगों की आजीविका बचाने के लिए इसका संरक्षण जरूरी है। इसे न केवल पर्यावरणीय, बल्कि भूगर्भीय और जलवायु संबंधी महत्त्व की दृष्टि से भी देखने और मूल्यांकन करने की जरूरत है। अगर अरावली की पहाड़ियों में अवैध और अवैज्ञानिक तरीके से खनन पर रोक नहीं लगाई गई, तो निश्चित रूप से निकट भविष्य में इसके गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं।

कुलमिलाकर भारत की गाजा बोर्ड ऑफ पीस पर चुप्पी रणनीतिक स्वायत्तता और बहुपक्षीय कूटनीति को मजबूत करने की नीति का हिस्सा है। भारत का यह रुख फिलिस्तीन समर्थन, इसराइल के साथ सैन्य सहयोग और अमेरिकी दबाव से संतुलन बनाए रखने के लिए अपनाया गया है। जहाँ तक ऐतिहासिक फिलिस्तीन नीति की बात है तो भारत ने 1947 से फिलिस्तीन के आत्मनिर्णय और दो-राज्य समाधान का समर्थन किया है, जो यूएन प्रस्तावों पर आधारित है।

गाजा बोर्ड ऑफ पीस की वैश्विक कशमकश

(कमलेश पांडे)

अलबत्ता, गाजा बोर्ड ऑफ पीस इसके गठन को लेकर जो वैश्विक प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं उसमें अमेरिका के पिछलग्गू देश यानी पाकिस्तान, सऊदी अरब, कतर, तुर्की, यूएई जैसे 35 से अधिक देशों ने इसमें अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। जबकि चीन, फ्रांस, नॉर्वे, स्वीडन ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ बताकर खारिज कर दिया है। गाजा बोर्ड ऑफ पीस अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जो गाजा संघर्ष को सुलझाने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर शांति स्थापना का एक नया मॉडल प्रस्तुत करती है। चूंकि यह बोर्ड संयुक्त राष्ट्र संघ के पारंपरिक ढांचे से बाहर काम करने का अदद प्रयास है, जिससे अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में नई बहस छिड़ गई है। खासकर वैश्विक कशमकश बढ़ चुकी है, जिसके वैश्विक प्रभाव आने वाले वक्त में महसूस किए जाएंगे। सवाल है कि आखिर अपनी ही बनाई पुरानी विश्व व्यवस्था की अनदेखी करते हुए अमेरिका बिल्कुल नई तरह की विश्व व्यवस्था क्यों बनाना चाहता है? ब्रेक के बाद वह अपनी ही नीतियों को क्यों बदल देता है। आखिर वह शेष दुनिया को अमेरिकी मुगालते में क्यों रखना चाहता है? आखिर चीन, रूस, भारत, फ्रांस, जर्मनी, नॉर्वे, स्वीडन जैसे कद्दावर देश ऐसे पीस बोर्ड से दूरी क्यों बनाए हुए हैं? खास बात यह कि आखिर गाजा बोर्ड ऑफ पीस के अंतर्राष्ट्रीय मायने क्या हैं? और इसके पीछे के वैश्विक निहितार्थ से किसको क्या फायदा और क्षति होने के कयास लगाये जा रहे हैं? आइए सबसे पहले इस बोर्ड के स्वरूप को जान लेते हैं। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने 2025 में इसकी शुरुआत की, जहां खुद ही वे ही यानी पदेन अमेरिकी राष्ट्रपति इसके प्रमुख होंगे और अन्य सदस्य देश तीन-तीन साल के लिए चुने जाएंगे। वहीं, इसकी स्थायी सदस्यता के लिए 1 अरब डॉलर का योगदान जरूरी है, जबकि कार्यकारी बोर्ड में मार्को रुबियो, जेरेड कुशनर जैसे नाम शामिल हैं। यह बोर्ड गाजा के पुनर्निर्माण, प्रशासन और क्षेत्रीय समन्वय पर केंद्रित है। अलबत्ता, इसके गठन को लेकर जो वैश्विक प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं उसमें अमेरिका के पिछलग्गू देश यानी पाकिस्तान, सऊदी अरब, कतर, तुर्की, यूएई जैसे 35 से अधिक देशों ने इसमें अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। जबकि चीन, फ्रांस, नॉर्वे, स्वीडन ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ बताकर खारिज कर दिया है। खास बात यह है कि भारत जैसे अहम वैश्विक खिलाड़ी ने फिलिस्तीन समर्थन और यूएन-आधारित दो-राज्य समाधान की नीति के चलते अभी इस पर चुप्पी साध रखी है। जहां तक गाजा पीस बोर्ड के भविष्य के निहितार्थ की बात है तो यह बोर्ड यूएनएससी के समानांतर वैकल्पिक तंत्र बन सकता है, जो वैश्विक संघर्षों में मध्यस्थता करेगा। क्योंकि इसे यूएनओ ने 2027 तक सीमित मान्यता दी है, लेकिन रूस-चीन की असहमति से विवाद बढ़ा है। जबकि भारत जैसे उभरते गुटनिरपेक्ष देशों के लिए यह कूटनीतिक संतुलन की परीक्षा की घड़ी है। यही वजह है कि गाजा बोर्ड ऑफ पीस की अंतरराष्ट्रीय वैधता सीमित और विवादास्पद बनी हुई है, क्योंकि यह यूएनएससी प्रस्ताव 2803 (2025) से 2027 तक की अस्थायी मंजूरी पर टिकी है। देखा गया कि रूस-चीन जैसे देशों की असहमति से इसकी वैश्विक स्वीकार्यता कमजोर है, जो अंतरराष्ट्रीय कानून पर सवाल उठाती है। जहां तक इसकी वैधता के आधार की बात है तो यूएनएससी ने इसे गाजा पुनर्निर्माण और विसैन्यीकरण के लिए अंतरिम वैधता प्रदान की, लेकिन यूएनओ के पूर्ण नियंत्रण के बिना। मसलन, बोर्ड को अंतरराष्ट्रीय कानूनी व्यक्तित्व दिया गया, जो फिलिस्तीनी तकनीशियनों की समिति और बहुराष्ट्रीय शांति बल के माध्यम से कार्य करता है। हालांकि, सदस्य चयन और जवाबदेही की कमी से इसकी आलोचना भी हो रही है। जहां तक गाजा पीस बोर्ड के संभावित प्रभ व की बात है तो यह यूएनओ के समानांतर तंत्र के रूप में यूएनओ की एकाधिकार को चुनौती दे सकता है, खासकर वैश्विक संघर्षों में। वहीं, ट्रंप की आजीवन अध्यक्षता जैसी संरचना से लंबे समय में वैधता संकट गहरा सकता है। जबकि भारत जैसे देशों की चुप्पी से बहुपक्षीय संस्थाओं की प्रासंगिकता पर बहस तेज हो रही है। कहना न होगा कि रूस और चीन का गाजा बोर्ड ऑफ पीस में असहयोग अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों को कमजोर करता है, लेकिन बोर्ड की वैधता को पूरी तरह समाप्त नहीं करता। दरअसल यह असहमति बहुपक्षीय संस्थाओं की प्रासंगिकता पर सवाल उठाती है और वैकल्पिक गठबंधनों को बढ़ावा दे सकती है। जहां तक इस बोर्ड के कानूनी आधार की बात है तो रूस-चीन ने बोर्ड को यूएन चार्टर के अनुच्छेद 2(4) के तहत शक्ति राजनीति का माध्यम बताकर खारिज किया, जो क्षेत्रीय संप्रभुता के हस्तक्षेप को प्रतिबंधित करता है। यूएनएससी प्रस्ताव 2803 की अस्थायी मंजूरी के बावजूद, इनकी वीटो शक्ति से स्थायी वैधता अवरुद्ध हो सकती है। जहां तक गाजा पीस बोर्ड के अंतरराष्ट्रीय निहितार्थ की बात है तो यह बोर्ड को सॉफ्ट पावर तंत्र तक सीमित रखेगा, जहां अमेरिकी प्रभाव वाले देश ही मान्यता देंगे। जबकि लंबे समय में, यह अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में चुनौतियां जन्म दे सकता है, जैसे फिलिस्तीन या प्रभावित देशों द्वारा ढ्ढष्टछ्व में अपील पहल संभव है। वहीं, भारत जैसे तटस्थ देशों को भी अतिरिक्त कूटनीतिक दबाव झेलना पड़ेगा। देखा जाए तो भारत गाजा बोर्ड ऑफ पीस पर रणनीतिक चुप्पी अपनाए हुए है, जो बहुपक्षीय संस्थाओं को प्राथमिकता और संतुलित कूटनीति को दर्शाता है। भारत का यह रुख फिलिस्तीन समर्थन, इसराइल के साथ मजबूत संबंधों और यूएन सुधारों पर जोर को अधिक संतुलित करता है। दरअसल भारत की चुप्पी के कारण हैं, क्योंकि वह डांवांडोल अमेरिकी कूटनीति पर ज्यादा एतबार नहीं कर सकता है। भारत के साथ अमेरिकी नीतिगत चालबाजी के चलते ही इंडिया ने दावोस 2026 में गाजा बोर्ड ऑफ पीस के लॉन्च में भाग नहीं लिया, क्योंकि यह यूएन प्रस्तावों पर आधारित दो-राज्य समाधान से भटकता दिखता है। चूंकि पीएम मोदी ब्राजील, जर्मनी, जापान और भारत जैसे जी-फोर (जी4) देशों के साथ यूएनएससी विस्तार पर फोकस कर रहे हैं, न कि अमेरिकी वैकल्पिक तंत्र पर। इसलिए भी भारत ने इससे दूरी दिखाई है। इसके अलावा, इस बोर्ड में अमेरिकी पिछ्ले पाकिस्तान की भागीदारी से भी भारत को क्षेत्रीय संतुलन की चिंता है। इसलिए भारत भविष्य की रणनीति पर बल दे रहा है। अपनी इसी कूटनीति के तहत भारत यूएन सुधारों को आगे बढ़ाते हुए ग्लोबल साउथ की आवाज मजबूत करेगा, और गाजा बोर्ड ऑफ पीस को अप्रत्यक्ष रूप से निगरानी में रखेगा। वहीं, यदि यह बोर्ड वैश्विक संघर्षों में विस्तार चाहेगा, तो भारत तटस्थता बनाए रखकर आईसीजे या यूएन मंचों पर सक्रिय हो सकता है।

क्या नोएडा के युवा इंजीनियर युवराज की मौत से सिस्टम लेगा सबक?

(दीपक कुमार त्यागी)

इंजीनियर युवराज मेहता की शुक्रवार की रात 12.05 पर अनियंत्रित कार नोएडा में दुर्घटना के बाद एक नाले की दीवार को तोड़ते हुए बिल्डर के द्वारा बेसमेंट के लिए खोदकर छोड़े गए गहरे गड्ढे में गिर गई थी और समय रहते ही युवराज ने फोन करके 12.25 बजे घटना स्थल के पास ही स्थित अपने घर पर पिता को अपने साथ हुई दुर्घटना की जानकारी दी थी। नोएडा के युवा साफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की मौत ने देश के सिस्टम में व्याप्त लापरवाही पूर्ण सोच व खामियों की एकबार फिर से पोल खोलने का कार्य कर दिया है। दुर्घटना के बाद किसी के घर का चिराग सिस्टम की लापरवाही से पूरी वीरता से लड़ते हुए कुंभकर्णी नींद में सो रहे सिस्टम को जगाने के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर गया है। इस हृदयविदारक घटना के बाद से ही उत्तर प्रदेश के सिस्टम में हड़कंप मचा हुआ है, जिसके चलते ही तत्काल नोएडा प्राधिकरण ने इस घटना की जांच कराने की घोषणा कर दी थी और प्रारंभिक जांच के आधार पर अपनी गाज गिराते हुए एक इंजीनियर की नौकरी से समाप्ति तक की कार्रवाई कर दी, वहीं युवराज के पिता ने भी एफआईआर दर्ज करवाई है, और नोएडा प्रशासन ने भी दो लापरवाह बिल्डरों के खिलाफ़ एफ़आईआर दर्ज करवाई है, जिस पर पुलिस जांच करके आगे की कार्रवाई करेगी। वहीं इस दुखद घटना का उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को संज्ञान लेते हुए तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन करते पांच दिन में जांच रिपोर्ट तलब करने आदेश दिए हैं, एसआईटी के गठन के तुरंत बाद ही नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम. (आईएएस) को हटा कर प्रतिक्षा सूची में रख दिया गया है। लेकिन इस घटना के बाद लगता है कि ऐसी भयंकर लापरवाही वाली स्थिति में क्या कभी भारत को विश्वगुरु बनाया जा सकता है। हमें ध्यान रखना चाहिए कि भारत को विश्वगुरु बनाने के सपना को धरातल पर साकार होते हुए देखना हर देशभक्त भारतीय का अपना सपना है। लेकिन देश के सिस्टम में बैठे हुए कुछ लोगों का लापरवाही पूर्ण व भ्रष्टाचार युक्त आचरण इस में सबसे बड़ा बाधक है, अगर ऐसा ही चलता रहा तो यह सपना धरातल पर कैसे मूर्तरूप लेगा, यह एक बड़ा सवाल हर देशभक्त भारतीय के जहन में अक्सर घूमता रहता है। नोएडा में सिस्टम में बैठे कुछ लोगों की लापरवाही का एक उदाहरण शुक्रवार की रात नोएडा में हुई एक कार दुर्घटना के बाद देखने को मिला, जिस तरह से नोएडा में दिलो-दिमाग को झकझोर देने वाली दर्दनाक घटना घटित हुई, उसने दुनिया में हमें उपहास का पात्र बना दिया है, क्योंकि देश एक तरफ़ तो चंद्रमा व मंगल तक अंतरिक्ष की ऊंचाई को छूने का कार्य कर रहा है, वहीं सागर की गहराइयों को चीरते हुए तल तक जा रहा है, लेकिन सिस्टम को बचाव का पूरा समय मिलने के बावजूद भी सिस्टम में बैठे हुए कुछ लोगों की अनिर्णय की स्थिति या लापरवाही के चलते देश के भविष्य 27 वर्षीय युवा इंजीनियर को जमीन पर भी नहीं बचा पा रहा है, जो ठीक नहीं है। यहां आपको बता दें कि इंजीनियर युवराज मेहता की शुक्रवार की रात 12=05 पर अनियंत्रित कार नोएडा में दुर्घटना के बाद एक नाले की दीवार को तोड़ते हुए बिल्डर के द्वारा बेसमेंट के लिए खोदकर छोड़े गए गहरे गड्ढे में गिर गई थी और समय रहते ही युवराज ने फोन करके 12.25 बजे घटना स्थल के पास ही स्थित अपने घर पर पिता को अपने साथ हुई दुर्घटना की जानकारी दी थी।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5987

			2	4		6		
9								3
1					3		4	5
5	6			7		1		
		4	8		5	9		
		1		6			5	2
6	9		5					1
4								9
		8		9	6			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5986

4	1	6	9	2	3	5	8	7
5	8	2	4	1	7	6	9	3
3	9	7	6	8	5	4	1	2
7	3	9	1	6	4	2	5	8
1	5	8	3	7	2	9	4	6
6	2	4	8	5	9	7	3	1
9	7	3	2	4	1	8	6	5
2	6	1	5	9	8	3	7	4
8	4	5	7	3	6	1	2	9

वर्ग पहेली 5987

1	2	3		4	5	6	7
8				9			
10				11			
		12	13				
	14					15	
16					17		
				18			
	19					20	

संकेतः बाएं से दाएं

1. 3 जून 1918 को मध्यप्रदेश में यहां गांधीजी की अध्यक्षता में हिंदी साहित्य सम्मेलन आयोजित हुआ जिसमें पारि प्रस्ताव द्वारा हिंदी राजभाषा मानी गई (3)
4. ये यूनानी दर्शनिक जो प्लेटो के गुरू थे (4)
8. पन्ने की चौड़ाई में विभाग, स्तंभ (3)
9. दंत पक्तियों वाली लोहे की चौकोर कंघी, अरहर के डंठलों की झाड़ू (4)
10. मनोयोग से काम में लगा हुआ (2)
11. जो रिश्तें में पिता का पिता हो (2)
12. सहयोग, मदद, इमदाद (4)
14. एक भूमिगत तना जो औषधि और मसाले में प्रयक्त होता है (4)
16. भूलना, भुला देना (4)
17. कुल, सारा, समाप्त (3)
18. यह इंद्र का सारथि था कहते हे राम रावण के युद्ध में यही श्रीराम का सारथि था (3)
19. यह जंबू द्वीप के अरबखंड में स्थित एक देश जो 1971 में स्वतंत्र हुआ (4)
20. विश्व की एक मात्र फिल्म जो एक पात्रीय थी (2)

ऊपर से नीचे

1. मना या वर्जित करने का भाव (3)
2. धन-संपत्ति, रूपया-पैसा (3)
3. तरंग, लहर-पेंग एक विलायती मदिरा (2)
4. सुखदेने वाला, सुखदाता (5)
5. टेक्स देने वाला, करदायक (4)
6. पथ, मार्ग, रास्ता (2)
7. करी से काट-छांट करना (4)
12. सवौच्च स्थान (3)
13. पराजित होना, शिकस्त खाना (3)
14. घर-गृहस्थी का सामान आदि (4)
15. इस देश का पूर्व में सोमाली लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में जाना जाता था (2)
17. वह वाद्य जिसमें तार लगे हो, वहीं (2)
18. प्रतिष्ठा, इज्जत, नापने की क्रिया (2)

वर्ग पहेली 5986 का हल

श्र	मे	व	ज	य	ते		गु
मि	ल	न		म	ह	सू	ल
क	न		ग	ज	रा		फा
	बै	रा	ग		न	सी	म
म	ठ		न	बी		प	
	ना	का	म				गा
क		म	णि	र	त्न	म	
वि	य	ना		क्स		घा	ट

आज का राशिफल

मेष
आज आपको थकान महसूस होगी। नींद पूरी न लेने के कारण अपच की समस्या हो सकती है। मन की बातें दूसरों से शेयर न करें। आपकी बातों का लोग बुरा मान सकते हैं। अपनी कार्यशैली में बदलाव ला सकते हैं। मित्रों के साथ आपके सम्बन्ध मधुर होंगे। प्रेम सम्बन्धों को लेकर थोड़ी समस्या होगी। अपने मित्रों पर अविश्वास न करें।

वृष
आज सिर्फ अपने काम पर ही फोकस बनाये रखें। दूसरे कार्यों में दिमाग न लगायें। कानूनी मामलों को लेकर सावधानी रखें। अपनी बातों को दूसरों पर न थोपें। अपनी कार्यशैली में बदलाव ला सकते हैं। मित्रों के साथ आपके सम्बन्ध मधुर होंगे। व्यापार में नये साथी जुड़ सकते हैं।

कर्क
धन की कमी के कारण जरूरी काम रुक सकते हैं। अधिकारियों के साथ तनाव दूर होगा। सरकारी योजनाओं का लाभ ले सकते हैं। कोई रुकी हुयी डील आज आपके सामने आ सकती है। लेकिन विद्यार्थियों को पढ़ाई में थोड़ी परेशानी होगी। अपनी कार्यशैली में बदलाव ला सकते हैं। मित्रों के साथ आपके सम्बन्ध मधुर होंगे।

सिंह
अपने काम को लेकर फोकस करेंगे। सन्तान की समस्याओं का समाधान होगा। अपनी कार्यशैली में बदलाव ला सकते हैं। मित्रों के साथ आपके सम्बन्ध मधुर होंगे। प्रेम सम्बन्धों में नयी ऊर्जा का संचार होगा। उच्च अधिकारी आपसे सन्तुष्ट रहेंगे।

मिथुन
आय के नये स्रोत निर्मित हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। पैतृक व्यवसाय में उत्तम धन-लाभ होगा। परिवार के सदस्यों से राय लेना आपके लिये हितकर रहेगा। सोशल मीडिया में आप अत्यधिक सक्रिय हो सकते हैं। प्रेम सम्बन्धों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

कन्या
आप अपने सभी काम समय पर पूरे कर लेंगे। कार्यक्षेत्र में नये मित्र बन सकते हैं। आयात-निर्यात से आपको लाभ प्राप्त होगा। मार्केटिंग सम्बन्धी गतिविधियों से धन लाभ हो सकता है। धार्मिक यात्रा की योजना बना सकते हैं।

तुला
राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त होगा। दाम्पत्य सम्बन्धों में ताजगी आयेगी। परिवार का बेहतरीन सहयोग मिलेगा। घर में मित्रों का आगमन हो सकता है। आपके खर्चों में बढ़ोत्तरी होगी। अपनी कार्यशैली में बदलाव ला सकते हैं। मित्रों के साथ आपके सम्बन्ध मधुर होंगे। किसी मांगलिक उत्सव की योजना बनायेंगे।

वृश्चिक
आज का दिन थोड़ा तनावग्रस्त होगा। दाम्पत्य सम्बन्धों में खर्चों के कारण थोड़ी खिट-पिट हो सकती है। ऐसा कोई कार्य न करें जिससे आपका अपमान हो। कुछ जरूरी कार्य अटक सकते हैं। कारोबार में अनुबन्ध होने की सम्भावना है। अपनी कार्यशैली में बदलाव ला सकते हैं। मित्रों के साथ आपके सम्बन्ध मधुर होंगे।

मकर
कारोबार में बड़ा धन लाभ होगा। भाई-बन्धुओं के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। जीवनसाथी के साथ रोमान्टिक पलों का आनन्द लेंगे। अपनी कार्यशैली में बदलाव ला सकते हैं। मित्रों के साथ आपके सम्बन्ध मधुर होंगे। नौकरी में आपके अधिकार बढ़ेंगे। सम्पत्ति खरीदने का विचार बना सकते हैं। उच्च अधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे।

कुंभ
आपको नयी-नयी बातें जानने को मिलेंगी। सन्तान को लेकर तनाव दूर होगा। खानपान की आदतों पर नियन्त्रण रखें। आज का काम कल पर न टालें। अपनी कार्यशैली में बदलाव ला सकते हैं। मित्रों के साथ आपके सम्बन्ध मधुर होंगे। मित्रों के साथ खास विषय पर चर्चा कर सकते हैं।

धनु
परिवार में सुख-शान्ति का वातावरण रहेगा। करियर को लेकर दिन काफी अच्छा रहेगा। घर की आवश्यकताओं के बोझ में दबे रहेंगे। लोग आपके साथ होने का दिखावा कर सकते हैं। इसीलिये अपना मत प्रकट करने में सावधानी रखें। अपनी कार्यशैली में बदलाव ला सकते हैं। मित्रों के साथ आपके सम्बन्ध मधुर होंगे।

मीन
आपकी जीवनशैली अत्यन्त व्यवस्थित रहेगी। विदेश में नौकरी कर रहे लोगों की आय बढ़ सकती है। चिकित्सा के क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिये दिन बहुत अच्छा है। अपनी कार्यशैली में बदलाव ला सकते हैं। मित्रों के साथ आपके सम्बन्ध मधुर होंगे। भावनात्मक रूप से काफी मजबूत रहेंगे। छात्रों को मेहनत का उत्तम परिणाम मिलेगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., के.जी. आश्रम के पास, बिफोर मंदिर, गोसाईंडीह, गोविंदपुर रोड, धनबाद, झारखण्ड – 828112 में मुद्रित एवं वार्ड नं. 8, बांधपाड़ा, दुमका, झारखंड – 814101 से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

तस्करी में प्रिया बनकर छाईं जोया अफरोज

बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में कुछ कलाकार ऐसे होते हैं, जिनका सफर सिर्फ कामयाबी की कहानी नहीं होता, बल्कि धैर्य, सीख और लगातार आगे बढ़ने की मिसाल भी होता है। अभिनेत्री जोया अफरोज उन्हीं में से एक हैं। बतौर बाल कलाकार फिल्मों के सेट पर कदम रखने वाली जोया आज नेटफ्लिक्स की चर्चित सीरीज तस्करी में प्रिया के मजबूत और जटिल किरदार के लिए सराहना बटोर रही हैं। तस्करी को न सिर्फ देश में, बल्कि ग्लोबल लेवल पर भी पहचान मिल रही है और यह जोया के करियर का एक अहम पड़ाव बन चुका है।

जोया अफरोज ने कहा, मैंने अपने करियर की शुरुआत बहुत कम उम्र में की थी। सूरज बड़जात्या की फिल्म हम साथ-साथ हैं के सेट पर काम शुरू किया और इसके बाद रमेश सिप्पी, रोहन सिप्पी जैसे दिग्गज निर्देशकों के साथ भी काम किया। जोया ने बताया कि फिल्म कुछ ना कहो समेत कई प्रोजेक्ट्स में नजर आने के बाद उन्होंने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट और मॉडल खूब अनुभव हासिल किया। इसके बाद मिस इंडिया बनने और मिस इंटरनेशनल में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला, लेकिन अभिनय हमेशा पहली पसंद रहा। जोया ने कहा, इतनी छोटी उम्र में काम शुरू करने का फायदा यह रहा कि मुझे इंडस्ट्री को बहुत करीब से समझने का मौका मिला। बड़े निर्देशकों और कलाकारों के साथ काम करके मैंने अभिनय की बारीकियां सीखीं। सफर भले ही लंबा रहा हो, लेकिन बेहद संतोषजनक रहा है। आज तस्करी जैसी ओटीटी सीरीज का हिस्सा बनना और उसका नंबर वन होना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। तस्करी में जोया ने प्रिया का किरदार निभाया है, जो एक एयर होस्टेस है और कस्टम अधिकारियों और तस्करों की दुनिया के बीच फंसी हुई है। यह किरदार चुनौतीपूर्ण है। जोया ने कहा, यह रोल मुझे इसलिए खास लगा, क्योंकि निर्देशक नीरज पांडे महिला किरदारों को बेहद मजबूती और गहराई के साथ लिखते हैं। नीरज पांडे जैसे नेशनल अवॉर्ड विजेता निर्देशक का ऐसा भरोसा मेरे लिए बेहद प्रेरणादायक अनुभव रहा।

उनके लिए सीरीज का सबसे चुनौतीपूर्ण सीन इमरान हाशमी के साथ इंटेरोगेशन का था, जो उनका पहला शूटिंग सीन भी था। उन्होंने कहा, पहली ही सुबह, पहला शॉट और इतना इमोशनल सीन था कि मैं काफी नर्वस हो गई थी, लेकिन आज वही सीन दर्शकों को सबसे ज्यादा पसंद आ रहा है। इमरान हाशमी के साथ काम करने के अनुभव पर जोया ने कहा, वह बेहद सहज, समझदार और जमीन से जुड़े अभिनेता हैं। सेट पर उनकी मौजूदगी सीन को और बेहतर बना देती है। नीरज पांडे और इमरान हाशमी की जोड़ी बेहद रियल है। दोनों ही कहानी और किरदारों में सच्चाई लाते हैं।

अपने करियर को लेकर जोया ने कहा, मैं खुद को कभी अलग-अलग रास्तों में नहीं बांधती। मेरे लिए अभिनय, मिस इंडिया और फिर अभिनय में वापसी, सब एक ही सफर का हिस्सा है। तस्करी मेरे करियर की बड़ी उपलब्धि है और आगे भी मैं ऐसे ही दमदार किरदार निभाना चाहती हूं।

सुंदर सी की फिल्म पुरुषन में नजर आएंगी तमन्ना भाटिया

तमन्ना भाटिया और निर्देशक सुंदर सी फिर से एक साथ काम करने जा रहे हैं। उनकी नई फिल्म का नाम पुरुषन है। बुधवार को इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा हुई और साथ ही धमाकेदार एक्शन के साथ टीजर भी जारी किया गया। पुरुषन फिल्म की कहानी एक्शन से भरपूर है, जैसा की टीजर में दिखाया गया है। एक्टर विशाल का रोल एक शांत और आज्ञाकारी पति का है, जो घर में सारा काम करता है। लेकिन उसके अंदर एक छिपा हुआ हिंसक और एक्शन वाला इंसान है, जिसके बारे में उसकी दबंग पत्नी (तमन्ना) को शायद पता नहीं है। टीजर में दिखाया गया है कि वह घर की रसोई में ही गुंडों से लड़ता है। फिल्म पुरुषन का निर्माण एसीएस अरुण कुमार ने बेन्ज मीडिया के तहत किया है। इसमें खुशबू सुंदर भी शामिल हैं। संगीत हिपहॉप तमिझा ने दिया है, कैमरा गोपी अमरनाथ ने संभाला है और एडिटिंग रोजर कर रहे हैं। इस फिल्म में योगी बाबू भी हैं, जिससे और मजा आने की उम्मीद है। अभी फिल्म की रिलीज डेट नहीं बताई गई है।

पहले भी साथ काम कर चुके हैं सुंदर सी और विशाल

यह विशाल और सुंदर सी की एक साथ चौथी फिल्म है। पहले वे आंबला, एक्शन और मधा गज राजा जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। फैंस को हमेशा विशाल-सुंदर सी की हिट जोड़ी की फिल्म का इंतजार रहता है। तमन्ना के फैंस बेसब्री से उनकी फिल्म पुरुषन की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं।

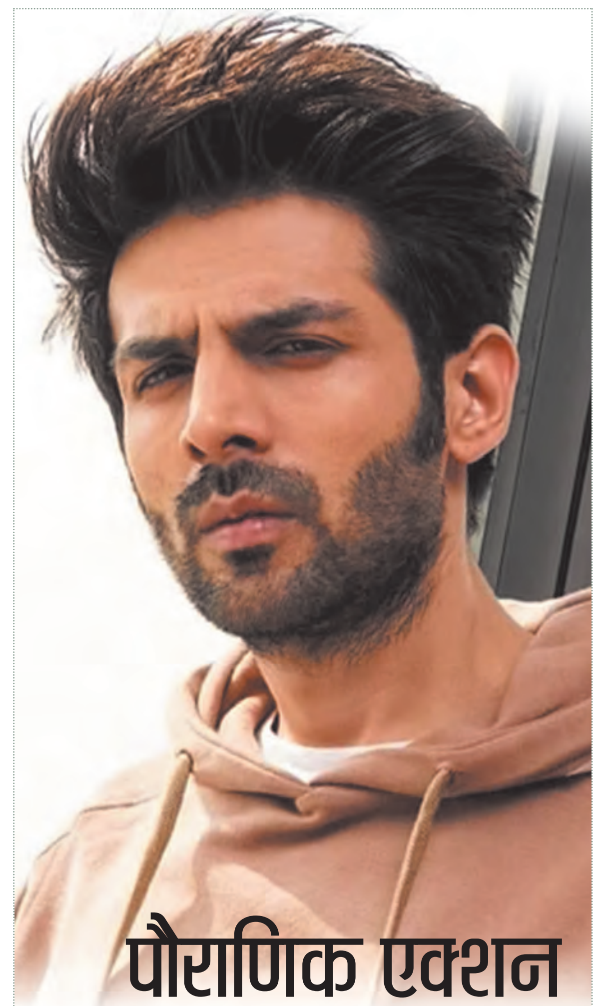

पौराणिक एक्शन एडवेंचर फिल्म में नजर आ सकते हैं कार्तिक

कार्तिक आर्यन अब एक नए प्रोजेक्ट के जरिए दर्शकों की उम्मीदों पर खरा उतरने की तैयारी कर रहे हैं। उनके पास पहले से ही नागजिला और अनुराग बसु की म्यूजिकल फिल्म हैं। अब खबर है कि वह पौराणिक एक्शन-एडवेंचर फिल्म में नजर आ सकते हैं। सूत्रों के अनुसार... फिल्म निर्देशक निखिल नागेश भट्ट ने कार्तिक को यह अनूठा प्रोजेक्ट ऑफर किया है। यह फिल्म भारतीय पौराणिक कथाओं पर बेस्ड होगी और इसमें एक्शन और एडवेंचर का मिश्रण होगा। बताया जा रहा है कि कार्तिक और निखिल के बीच बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है और सब-कुछ ठीक रहा तो अभिनेता जल्द ही कॉन्ट्रैक्ट पर साइन कर देंगे। इसके अलावा फिल्म के निर्माण के लिए एक बड़े स्टूडियो के साथ बातचीत भी चल रही है, जो काफी आगे तक पहुंच चुकी है। फिलहाल कार्तिक आर्यन, करण जौहर की फिल्म नागजिला में बिजी हैं।

फिल्म मर्दानी 3 की रिलीज से पहले अनुष्का शर्मा ने की रानी मुखर्जी की तारीफ

यशराज फिल्म्स की मर्दानी फ्रेंजाईजी की पिछली दो फिल्में काफी पसंद की गई हैं। अब इसकी तीसरी किस्त रिलीज को तैयार है। एक बार फिर रानी शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में वापसी कर रही हैं। मजबूत इरादों के साथ वे एक नए मिशन पर निकली हैं। फिल्म की रिलीज से पहले अनुष्का शर्मा ने भी फिल्म के प्रति उत्साह जताया है।

अनुष्का ने रानी मुखर्जी की तारीफ में कहा...

अनुष्का शर्मा ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए रानी मुखर्जी की तारीफ करते हुए फिल्म मर्दानी 3 के लिए एक्साइटमेंट जाहिर किया है। उन्होंने लिखा है कि वे रानी मुखर्जी की अदाकारी को बेहद पसंद करती हैं। अनुष्का ने फिल्म मर्दानी 3 का ट्रेलर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया है। इसके साथ लिखा है, बधाई हो, रानी! मैंने हमेशा आपके काम और आप जो भी करती हैं, उसमें आपकी गरिमा की तारीफ की है। आपके लिए आगे जो कुछ भी है, उसे देखने के लिए बहुत उत्साहित हूं।

कब रिलीज होगी मर्दानी 3

फिल्म मर्दानी 3 का निर्देशन अभिराज मीनावाला ने किया है। यह फिल्म 30 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म मर्दानी 3 में शिवानी शिवाजी रॉय (रानी मुखर्जी) भीख मांगने और चाइल्ड ट्रैफिक गैंग का सफाया करने के मिशन पर निकली हैं। फिल्म की कहानी रूह कपा देने वाली है। इसमें भिखारियों की माफिया गैंग एक महिला है, जिसे लोग अम्मा कहते हैं। विलेन अम्मा की भूमिका एक्ट्रेस मल्लिका प्रसाद सिन्हा ने निभाई है।

यशराज फिल्म्स के साथ शुरू किया था अनुष्का ने करियर

अनुष्का शर्मा के करियर की शुरुआत यशराज फिल्म्स के साथ हुई। अभिनेत्री ने साल 2008 में आई फिल्म रब ने बना दी जोड़ी से बॉलीवुड में कदम रखा था। आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्देशित फिल्म को यशराज बैनर के तले बनाया गया। इसमें अनुष्का को शाहरुख खान के अपोजिट कास्ट किया गया था।

धनुष की अगली फिल्म का टाइटल होगा कारा

साउथ के सुपरस्टार धनुष की अगली फिल्म को लेकर लंबे समय से अटकलें लगाई जा रही थीं। फिल्म को फिलहाल डी54 कहा जा रहा था, लेकिन अब मेकर्स ने इसका ऑफिशियल टाइटल और पहला पोस्टर जारी कर दिया है। धनुष की फिल्म का टाइटल कारा रखा गया है। फिल्म का निर्देशन विग्नेश राजा कर रहे हैं। रिलीज हुए पोस्टर में धनुष का लुक काफी अलग और बेहद इंटेंस नजर आ रहा है। पोस्टर में वह हाथ में हथियार लिए दिखाई दे रहे हैं और उनके चारों तरफ आग की लपटें हैं। जानकारी के मुताबिक... फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और फिलहाल इसका पोस्ट- प्रोडक्शन काम चल रहा है। फिल्म का म्यूजिक मशहूर म्यूजिक कंपोजर जीवी प्रकाश कुमार ने दिया है, जो इससे पहले पराशक्ति जैसी फिल्मों में अपना कमाल दिखा चुके हैं। फिल्म की कहानी भी निर्देशक विग्नेश राजा ने खुद लिखी है। वर्कफ्रंट की बात करें तो धनुष लगातार अलग-अलग जॉनर की फिल्मों में नजर आ रहे हैं। जहां कारा में वह एक्शन अवतार में दिखेंगे।

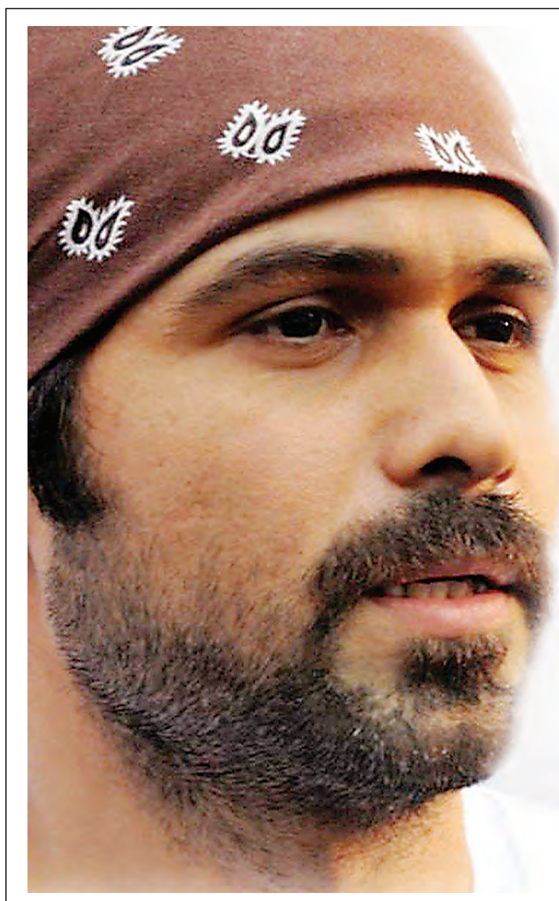

इमरान हाशमी ने बॉलीवुड को लेकर किया खुलासा

इमरान हाशमी हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज तस्करी- द स्मगलर्स वेब' में नजर आए हैं। इसी बीच उन्होंने खास बातचीत में फिल्म इंडस्ट्री के तौर तरीकों पर बात की। इमरान ने 'तस्करी' वेब सीरीज से जुड़े अनुभव साझा किए। इसके अलावा उन्होंने फिल्मों की बदलती कहानियों और सोशल मीडिया की तीखी प्रतिक्रियों पर भी अपनी राय रखी।

सीरीज 'तस्करी' आपके लिए क्या नया लेकर आई?

मुझे अंदाजा ही नहीं था कि यह दुनिया इतनी रॉ और रियल होगी। एयरपोर्ट और कस्टम में चीजें किस तरह होती हैं यह आम नागरिकों को कभी पता नहीं चलता। स्मगलिंग का सामान देश में किस तरह अंदर आता है, यह भी हमें सिर्फ खबरों में पढ़ने को मिलता है। लेकिन इस वेब सीरीज के लिए टीम ने जिस स्तर पर रिसर्च की वह बहुत चौंकाने वाला था। कस्टम अफसर कैसे काम करते हैं और पूरी प्रोसेस कैसे चलती है...यह सब जानना मेरे लिए नया और अलग अनुभव था।

आज इंडस्ट्री को पहले से कितना बदला हुआ पाते हैं?

परिभाषा बहुत बदल गई है। मैंने जब शुरुआत की थी तब लीड हीरो की एक तय इमेज होती थी। हीरो आता था, हालात पलट देता था और कहानी पूरी हो जाती थी लेकिन आज का समय इससे बहुत अलग है। ओटीटी ने ऑडियंस का टेस्ट बदल दिया है। कोविड के बाद ऑडियंस ने दुनिया भर का कंटेंट देखा है। अब लीडिंग मैन सिर्फ हीरो नहीं होता, बल्कि उसका किरदार स्पष्ट और गहराई वाला लिखना पड़ता है। कई किरदारों वाली फिल्में बन रही हैं और एक ही जॉनर में कई तरह के प्रयोग हो रहे हैं। यह बदलाव इंडस्ट्री के लिए अच्छा है।

सोशल मीडिया की नकारात्मकता और ट्रोलिंग का कितना असर पड़ता है?

बहुत ज्यादा असर पड़ता है। सोशल मीडिया आज सबसे ज्यादा शोरगुल से भरा मंच बन चुका है। यहां ट्रोलिंग होती है, नकारात्मक जानकारी और गलत बातें भी तेजी से फैल जाती हैं। फैन आपस में भिड़ भी जाते हैं। पहले ऐसा माहौल नहीं था। मैं एक साधारण माहौल से आता हूं, इसलिए यह लगातार बढ़ता डिजिटल शोर कई बार मानसिक रूप से थका देता है।

क्या आपको लगता है कि फिल्म इंडस्ट्री सच में एकजुट नहीं है?

हां, ऐसा ही लगता है। फिल्म इंडस्ट्री एकजुट नहीं है। यहां लोग सामने कुछ नहीं कहते, लेकिन पीठ पीछे बहुत बातें होती हैं। इंडस्ट्री में खींचतान की मानसिकता बहुत आम है। अगर कोई अच्छा काम कर रहा हो तो कई लोग उसे नीचे लाने की कोशिश करते हैं। यह सोच कि अगर मेरे पास नहीं है तो दूसरे के पास क्यों हो, अभी भी यहां मौजूद है और यह अच्छी बात नहीं है।

बॉक्स ऑफिस नंबर और ओटीटी व्यूअरशिप का प्रेशर आप कैसे संभालते हैं?

देखिए, दबाव हमेशा रहता है लेकिन वैसा नहीं जैसा लोग बाहर से समझते हैं। जब आप कोई फिल्म करते हैं, तो बस यही उम्मीद होती है कि ऑडियंस उसे स्वीकार करे। सच यह है कि कोई नहीं जानता कि फिल्म थिएटर में चली या ओटीटी पर पसंद की जाएगी। अगर आप हर समय इसके बारे में सोचते रहेंगे, तो आपका ध्यान काम से हट जाएगा। यह सब आपके कंट्रोल में नहीं होता। आपकी जिम्मेदारी बस ईमानदारी से अपना काम करना है। फिर आज यह समझना और भी मुश्किल हो गया है कि क्या चलेगा और क्या नहीं। बॉक्स ऑफिस पर शुक्रवार को आंकड़े आते ही सभी चिंतित हो जाते हैं। प्रोड्यूसर को भी इसी बात की चिंता रहती है कि अगर फिल्म अच्छी शुरुआत नहीं कर पाई तो आगे क्या होगा? ओटीटी पर भी यही दबाव होता है। अगर पहले वीकएंड में व्यूअरशिप कम रहती है, तो शो या फिल्म की सक्सेस धीमी हो जाती है। इंडस्ट्री में अब सब कुछ आंकड़ों पर बेस्ड है।

क्या सोशल मीडिया फिल्म की किस्मत भी बदल देता है?

हां, बिल्कुल। आजकल कई फिल्में कंटेंट की वजह से नहीं बल्कि सोशल मीडिया की वजह से पहले तीन दिनों में ही नुकसान झेलती हैं। लोग फिल्म देखे बिना ही फैसला सुना देते हैं। कई बार समझ ही नहीं आता कि इतनी नेगेटिविटी क्यों और कहां से आती है। क्या दुनिया हमेशा ऐसी थी या अब नेगेटिव होना एक आदत बन गया है, इसका जवाब मेरे पास नहीं है। लेकिन इतना जरूर समझ में आता है कि अगर आप इसमें बहुत अधिक ध्यान देंगे तो यह आपको मानसिक तौर पर परेशान कर देगा।

संक्षिप्त समाचार

यूजीसी नियमों का विरोध केवल जातिवादी मानसिकता वाले कर रहे

लखनऊ, एजेंसी। बसपा सुप्रीमो मायावती ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिवादी भेदभाव को खत्म करने के उद्देश्य से सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में 'इक्विटी कमेटी' बनाने के नए नियमों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि केवल जातिगत मानसिकता के लोग ही इसका विरोध कर रहे हैं। मायावती ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स (ट्विटर) पर लिखा कि देश की उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिवादी भेदभाव के निराकरण और समाधान हेतु यूजीसी द्वारा सरकारी कॉलेज एवं निजी यूनिवर्सिटियों में भी 'इक्विटी कमेटी' (समता समिति) बनाने के नए नियम के कुछ प्रावधानों को सामान्य वर्ग के केवल जातिवादी मानसिकता के ही लोगों द्वारा विरोध किया जा रहा है। जो इसे अपने विरुद्ध भेदभाव व षड्यंत्रकारी मानकर रहे हैं। यह कतई भी उचित नहीं है। मायावती ने आगे लिखा कि उनकी पार्टी बसपा का यह भी मानना है कि इस प्रकार के नियमों को लागू करने के पहले अगर सभी को विश्वास में ले लिया जाता तो यह बेहतर होता और देश में फिर सामाजिक तनाव का कारण भी नहीं बनता। इस ओर भी सरकारों व सभी संस्थानों को ज़रूर ध्यान देना चाहिए। साथ ही नसीहत देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में दलितों व पिछड़ों को भी, इन वर्गों के स्वार्थी व बिकाऊ नेताओं के भड़काऊ बयानों के बहकावे में भी क़तई नहीं आना चाहिये। जिनकी आड़ में ये लोग आए दिन घिनौनी राजनीति करते रहते हैं। अर्थात् इन वर्गों के लोगों को ज़रूर सावधान रहने की अपील है।

हिंडन एयरपोर्ट समेत गाजियाबाद के इन 3 रूटों पर ई-बसें चलेंगी

जानें रूट और किराया

गाजियाबाद , एजेंसी। हिंडन एयरपोर्ट जाने वाले यात्रियों को जल्द ही लास्ट माइल कनेक्टिविटी मिलेगी। एयरपोर्ट समेत तीन नए रूटों पर फरवरी से ई-बसों का परिचालन शुरू होगा। इसके लिए किराया और रूट तय कर लिया गया है। गाजियाबाद शहर को सिटी ट्रांसपोर्ट के लिए 50 ई-बसें मिली थीं। इनमें से अभी 36 अलग-अलग रूटों पर चल रही हैं। कुछ रूट पर यात्री कम मिल रहे थे। इन रूटों से बसों की

संख्या कम की जाएगी और खराब बसों को ठीक कर हिंडन एयरपोर्ट समेत तीन नए रूटों पर चलाया जाएगा। ई-बसें मधुबन बापूधाम से हिंडन एयरपोर्ट, मसूरी से दिलशाद गार्डन और वेव सिटी सेक्टर-पांच से दिलशाद गार्डन रूट पर चलाई जाएंगी। मधुबन बापूधाम से हिंडन एयरपोर्ट की दूरी करीब 19 किलोमीटर है, जहां किराया 35 रुपये तय किया गया है। वहीं मसूरी से दिलशाद गार्डन और वेव सिटी सेक्टर-पांच से दिलशाद गार्डन की दूरी 23 किलोमीटर है, जिसके लिए यात्रियों को 40 रुपये किराया देना होगा। उम्मीद है कि इन तीन रूटों पर ई-बसें चलने से करीब 15-20 हजार यात्रियों को लाभ मिलेगा। हर रूट पर छह-छह बसें चलाई जाएंगी, ताकि यात्रियों को ज्यादा इंतजार न करना पड़ेगा।

दिल्ली हाईकोर्ट ने इस्तीफा दे चुके सीआईएसएफ जवान को दिया झटका

सैन्य बल में नियुक्ति के बाद 10 वर्ष सेवा जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने अपने एक आदेश में स्पष्ट किया है कि केंद्रीय सैन्य बल में नियुक्ति पाने वाले जवान को कम से कम 10 साल सेवा देना जरूरी है। हाईकोर्ट का तर्क था कि एक सैन्य बल तैयार (ट्रेनिंग) करने में लाखों का खर्च आता है। ऐसे में जवान द्वारा मर्जी से नौकरी छोड़ने पर राजकोष नुकसान नहीं उठाएगा। जस्टिस बी कामेश्वर राव एवं जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की बेंच ने केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) में सब-इंस्पेक्टर के पद पर नियुक्ति पाने के बाद नौकरी छोड़ने वाले उम्मीदवार को राहत देने से इनकार कर दिया। इस उम्मीदवार ने ट्रेनिंग के समय जमा कराए गए 2 लाख 57 हजार 544 रुपये ब्याज सहित वापस कराने के लिए याचिका दायर की थी।

- **याचिका खारिज की** - बेंच ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि सैन्य बल में आवेदन करने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को निर्धारित शर्तों का पालन करना होता है। इसमें एक शर्त यह भी है कि ट्रेनिंग पर खर्च होने वाली रकम जमानत के तौर पर संबंधित सैन्य बल में जमा की जाएगी।

यदि किसी कारणवश नियुक्ति पाने वाला व्यक्ति नौकरी छोड़ता है तो उसकी ट्रेनिंग के लिए जमा रकम वापस नहीं होगी।
बेंच ने कहा कि इसके लिए बकायदा उम्मीदवार से सहमति पत्र भी लिया जाता है। इस मामले भी इस प्रक्रिया को अपनाया गया था।

पारिवारिक कारणों का हवाला देकर छोड़ी थी नौकरी- सीआईएसएफ में सब-इंस्पेक्टर के पद पर नियुक्ति के बाद याचिकाकर्ता ने ट्रेनिंग के दौरान ही इस्तीफा दे दिया था। उसने नौकरी छोड़ने के लिए पारिवारिक कारणों का हवाला दिया था। सीआईएसएफ की तरफ से इस उम्मीदवार की मनोवैज्ञानिकों से काउंसिलिंग भी कराई गई पर वह अपनी बात पर अडिग रहा। इसके बाद विभाग ने कोई रास्ता निकलते न देख उसका इस्तीफा मंजूर कर लिया था।

नौकरी के दूसरे विकल्प भी तलाशना जारी रखा-मामले की सुनवाई के दौरान सामने आया कि सीआईएसएफ में प्रशिक्षण शुरू करने के दौरान ही याचिकाकर्ता ने नौकरी के दूसरे विकल्प भी तलाशना जारी रखा। इस बीच उसने कनिष्ठ न्यायिक सहायक के पद पर नियुक्ति पा ली।

एम्स बिलासपुर में अब हवा में नहीं फैलेगा संक्रमण

- **तीन करोड़ 37 लाख से चाक-चौबंद होगा सेहत का सिस्टम**

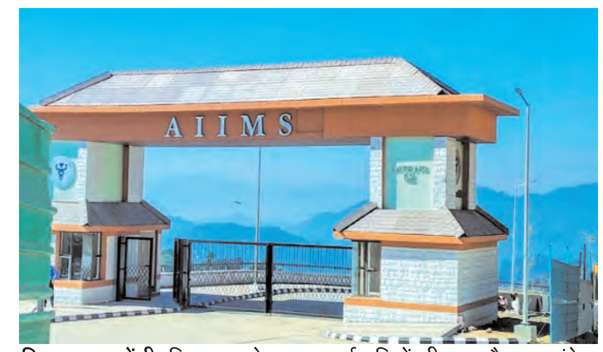

बिलासपुर, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के सबसे बड़े और आधुनिक अस्पताल एम्स बिलासपुर में अब मरीजों को न केवल बेहतर इलाज मिलेगा, बल्कि अस्पताल के भीतर की हवा भी पूरी तरह शुद्ध और कीटाणु रहित होगी। एम्स प्रबंधन ने संस्थान के फेफड़ों यानी हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग सिस्टम को नया जीवन देने के लिए एक योजना तैयार की है। करीब तीन करोड़ सैंतीस लाख से अधिक के बजट से पूरे परिसर के कूलिंग और एयर प्यूरीफिकेशन सिस्टम का कायाकल्प किया जा रहा है। अस्पताल ने इस पूरे सिस्टम को दो संवेदनशील हिस्सों में बांटा है, ताकि कहीं भी चूक की गुंजाइश न रहे। पहला मोर्चा हाई साइड 1.33 करोड़ की लागत से मुख्य चिलर प्लांट और भारी मशीनों का जिम्मा सीधे कॅरिअर कंपनी के विशेषज्ञों को सौंपा जा रहा है। ये मशीनें अस्पताल की ठंडक का मुख्य स्रोत हैं। दूसरा मोर्चा लो साइड 2.04 करोड़ के बजट से उन उपकरणों का रखरखाव होगा जो ओटी और वार्डों तक हवा पहुंचाते हैं। इसमें 30 विशेषज्ञों की टीम तैनात रहेगी। मरीजों की जान से कोई खिलवाड़ न हो, इसके लिए मशीनों को अब केवल ऑटो मोड पर नहीं छोड़ा जाएगा। एम्स प्रबंधन ने फैसला लिया है कि 30 कुशल तकनीकी कर्मचारियों की एक फौज 24 घंटे अस्पताल में तैनात रहेगी। यह टीम शिफ्टों में काम करेगी और हर एक घंटे में वेंटिलेशन की रिपोर्ट कंट्रोल रूम को देगी। इनमें मेकेनिकल इंजीनियर, इलेक्ट्रिकल तकनीशियन और बिल्डिंग मैनेजमेंट सिस्टम के एक्सपर्ट शामिल होंगे। संक्रमण रोकने के लिए एम्स ने इस बार अभूतपूर्व सख्ती दिखाई है। अनुबंध के मुताबिक एचईपीए फिल्टर टेस्ट में ओटी और आईसीयू में हवा को छानने वाले फिल्टरों का साल में एक बार इंटीग्रिटी टेस्ट होगा। ओटी वैलिडेशन में हर ओटी का वैज्ञानिक परीक्षण होगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वहां की हवा 100 फीसदी शुद्ध है। यूवी लैंप और स्क्रबर्स में हवा को शुद्ध करने के लिए विशेष अल्ट्रावायलट किरणों और एयर स्क्रबर्स का इस्तेमाल किया जाएगा।

लापरवाही पर भारी पेनल्टी, 4 घंटे की देरी और 5000 का दंड
एम्स प्रशासन ने ठेकेदारों पर लगाम कसने के लिए कड़े दंड नियम बनाए हैं। यदि अस्पताल के किसी हिस्से में कूलिंग खराब होती है और उसे 4 घंटे के भीतर ठीक नहीं किया गया, तो ठेकेदार पर 5000 प्रतिदिन का जुर्माना लगेगा। वहीं, ओटी वैलिडेशन में देरी पर 20,000 तक की कटौती की जाएगी।

संगम विहार में बनेगी 5 किमी लंबी नई 4 लेन सड़क

दिल्ली के कई इलाकों तक लाभ

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली के संगम विहार क्षेत्र के लोगों के लिए अच्छी खबर है। शूटिंग रेंज टी-पॉइंट से लेकर संगम विहार जे-ब्लॉक स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तक कॉलोनी के पीछे की तरफ से करीब 5 किलोमीटर लंबी 4 लेन की नई सड़क का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना को मूर्त रूप देने के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए एजेंसी की तलाश शुरू कर दी है। एजेंसी से करार होने पर उसे डीपीआर बनाने के लिए 35 दिन का समय दिया जाएगा। परियोजना की लागत का आकलन डीपीआर बनने पर ही हो पाएगा। पीडब्ल्यूडी अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में संगम विहार के लोग महरौली-बदरपुर रोड तक पहुंचने के लिए रतिया मार्ग का उपयोग करते हैं। यह मार्ग लगभग 3 किलोमीटर लंबा है, लेकिन संकरा होने के कारण इस पर दिनभर भीषण ट्रैफिक जाम रहता है। इस वजह से महरौली-बदरपुर रोड तक पहुंचने में 30 से 45 मिनट तक का समय लग जाता है। नई सड़क बनने से जाम की समस्या से निजात मिलेगी।

लोगों को आसानी होगी- नई चार लेन सड़क के निर्माण से संगम विहार के लोगों को महरौली-बदरपुर रोड तक पहुंचने में काफी आसानी होगी। अधिकारियों के अनुसार, इस नए मार्ग के बन जाने के बाद यात्रा का समय घटकर मात्र पांच मिनट रह जाएगा। यह सड़क न केवल यात्रा समय में भारी कमी लाएगी, बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास को भी गति देगी।
पेड़ों की गिनती की जाएगी-सबसे पहले प्रारंभिक सर्वे के तहत फोटोग्राफी के साथ प्रस्तावित भूमि पर समस्याओं की पहचान की जाएगी। फिर टोटल स्टेशन सर्वे से विस्तृत मानचित्र तैयार किया जाएगा। पेड़ों की गिनती और उनकी प्रजातियों का सर्वेक्षण भी किया जाएगा। इन आंकड़ों के आधार पर योजना बनाई जाएगी।

मिजोरम के स्कूलों में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए विशेष पहल, विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा

आइजल , एजेंसी। हिंदी को बढ़ावा देने के लिए मिजोरम सरकार सभी स्कूलों में हिंदी बोलचाल दिवस शुरू करने की पहल करने वाली है। स्कूल शिक्षा मंत्री वानलाल्थलाना ने मंगलवार को कहा कि हिंदी बोलचाल दिवस सभी स्कूलों में महीने में एक बार राज्य स्कूल शिक्षा विभाग की देखरेख में मनाया जाएगा, जिसमें छात्रों और शिक्षकों को हिंदी में बोलने या बातचीत करने के लिए कहा जाएगा। उन्होंने कहा कि यह कदम राज्य में, विशेष रूप से छात्रों के बीच, हिंदी बोलने में

दक्षता बढ़ाने के लिए उठाया गया है। मिजोरम में हिंदी का उपयोग बहुत कम होता है क्योंकि यहां हिंदी बोलने वाले लोग कम हैं। मिजो और अंग्रेजी राज्य की आधिकारिक भाषाएं हैं। वानलाल्थलाना ने कहा कि हिंदी में दक्षता उन छात्रों के लिए बढ़ती जा रही है जो देश के अन्य हिस्सों में नौकरी की तलाश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिंदी शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा ताकि उनके छात्र हिंदी धाराप्रवाह बोल सकें, और जो हिंदी नहीं बोलते हैं, उन्हें विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। हिंदी की किताबें राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा तैयार की जाएंगी।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने हिमाचल प्रदेश को दी बड़ी सौगात, इस सड़क के लिए मंजूर किए 200 करोड़ रुपए

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविन्दर सिंह सुक्खू मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में थे और यहां उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी समेत कई अन्य मंत्रियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने इन मंत्रियों के साथ प्रदेश के विकास से जुड़ी कई परियोजनाओं को लेकर चर्चा की, साथ ही प्रदेश में इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने से जुड़े विषयों को प्राथमिकता के साथ रखा।

गडकरी से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने सड़कों और पुलों की मरम्मत एवं रख-रखाव के लिए पर्याप्त वित्तीय सहायता प्रदान करने का आग्रह किया। जिसके बाद केंद्रीय मंत्री ने केंद्रीय सड़क एवं अवसंरचना कोष के अंतर्गत छैला-नेरीपुल-यशवंत नगर-ओच्छघाट सड़क के

लिए सैद्धांतिक रूप से 200 करोड़ रुपए स्वीकृत कर दिए। सरकार ने बताया कि इस योजना से हिमाचल में सेब उत्पादकों को बहुत फायदा होगा।

पर्यावरण मंत्री को वास्तविक ट्री-कवर की जानकारी दी

उधर केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ अपनी मुलाकात के दौरान सुक्खू ने उन्हें आधिकारिक तौर पर दर्ज 27.99 प्रतिशत के मुकाबले वास्तविक वृक्ष आवरण (ट्री-कवर) की विसंगति के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि हिमाचल का वास्तविक हरित आवरण 29.5 प्रतिशत है, जबकि आधिकारिक आंकड़ों में यह 27.99 प्रतिशत दर्ज है। वनों के बाहर मौजूद पेड़ भी हरित आवरण और हिमालयी पारिस्थितिकी के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिन्हें गणना में शामिल किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह केवल आंकड़ों का विषय नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति हिमाचल के वास्तविक योगदान को न्यायपूर्ण पहचान दिलाने का सवाल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य अलग-अलग स्टेटस वाली प्राइवेट ज़मीनों पर कटाई पर भी सख्त रेगुलेटरी कंट्रोल रखता है, जिसके लिए उन्हें केंद्र सरकार से कोई क्रेडिट नहीं मिलता।

हिमाचल के साथ भेदभाव होने की शिकायत की

मुख्मंत्री ने राज्य के असली इकोलॉजिकल और फॉरेस्ट्री योगदान को पहचानने के लिए फॉरेस्ट कवर में इस 1.5 प्रतिशत हिस्से को शामिल करने पर ज़ोर दिया। सुक्खू ने फाइनेंस कमीशन या केंद्र सरकार से मिलने वाले दूसरे आवंटनों के तहत जंगल और इकोलॉजी से जुड़ी सभी कैलकुलेशन के लिए 29.5 प्रतिशत जंगल और पेड़ों के कवर को पहचानने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जंगल के बाहर के पेड़ों को कम आंकने से राष्ट्रीय इकोसिस्टम सेवाओं में हिमाचल प्रदेश के असली योगदान को कम आंका जाता है और पेड़ों की रक्षा करने वाले राज्य के खिलाफ भेदभाव पैदा होता है। मुलाकात के दौरान सुक्खू ने फाइनेंस कमीशन या केंद्र सरकार से मिलने वाले दूसरे आवंटनों के तहत जंगल और इकोलॉजी से जुड़ी सभी कैलकुलेशन के लिए 29.5 प्रतिशत जंगल और पेड़ों के कवर को पहचानने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जंगल के बाहर के पेड़ों को कम आंकने से राष्ट्रीय इकोसिस्टम सेवाओं में हिमाचल प्रदेश के असली योगदान को कम आंका जाता है और पेड़ों की रक्षा करने वाले राज्य के खिलाफ भेदभाव पैदा होता है।

बर्फ में दो दिन जिंदा रहने के लिए करते रहे संघर्ष

मौत के बाद भी शवों के पास बैठा रहा कुत्ता

चंबा, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय क्षेत्र भरमौर की भरमाणी धार में ट्रैकिंग के दौरान लापता हुए दो ममेरे भाइयों के शव आखिरकार सोमवार को बरामद कर लिए गए। हालांकि, इस दौरान यह बात सामने आई की दोनों दो दिन अपने कुत्ते के साथ जिंदगी से जंग लड़ते रहे। इसके बाद भारी बर्फबारी और खराब मौसम के कारण दोनों युवाओं की मौत हो गई। मृतकों की पहचान पीयुष (13) पुत्र विक्रमजीत निवासी घरेड़ और विकसित राणा (18) पुत्र दिवंगत संजय कुमार निवासी मलकोटा भरमौर के रूप में हुई है। हालांकि, कुत्ते ने वफादारी निभाई और चार दिन तक शवों के पास बैठा रहा। जानकारी के अनुसार दोनों युवक 22 जनवरी को ट्रैकिंग करने और वीडियो बनाने के उद्देश्य से भरमाणी धार की ओर ट्रैकिंग पर निकले थे। रात के समय अचानक आए बर्फीले तूफान में उनका टेंट क्षतिग्रस्त हो गया। 23 जनवरी की सुबह बर्फीले तूफान ने ने उन्हें पूरी तरह घेर लिया।

युवक को फोन कर मदद की गुहार लगाई- हालात बिगड़ते देख दोनों ने गांव के एक युवक को फोन कर मदद की गुहार लगाई। पुलिस और पर्वतारोहण दल ने भरमाणी माता मंदिर से तीन से चार फीट बर्फ में पैदल रेस्क्यू अभियान शुरू किया। शाम करीब पांच बजे तक विकसित राणा से फोन पर संपर्क बना रहा, लेकिन जीपीएस लोकेशन भेजने के बाद उसका मोबाइल बंद हो गया। खराब मौसम के कारण बचाव दल को अभियान बीच में रोककर लौटना पड़ा।

बचाव दल हेलिकाप्टर से उतरा तो कुत्ते के भौंकने की आवाज सुनी

चंबा जिला के भरमौर में बर्फबारी में लापता दो युवकों की तलाश के दौरान एक दिल दहला देने वाला मंजर सामने आया। रेस्क्यू टीम को पीयूष का शव तो मिला, साथ में उसके पालतू की बफादारी ने सभी को भावुक कर दिया, जो 4 दिन से बिना खाए-पिए पीयूष के पास बैठा था। इस वफादारी की सब ओर चर्चा है। भरमाणी धार में दो युवाओं के साथ उनका कुत्ता भी फंसा था। चार दिन भूखे-प्यासे रहकर प्रचंड ठंड में वह अपने मालिक पीयूष (13) निवासी घरेड़ की रखवाली करता रहा। सोमवार को जैसे ही बचाव दल हेलिकॉप्टर से उतरा तो एक पेड़ के नीचे कुत्ते के भौंकने की आवाज सुनाई दी। नजदीक जाकर देखा तो पीयूष का शव वहां पड़ा था। जब वह उसके पास जाने लगे तो कुत्ते ने

तीन फीट बर्फ में चलकर 30 पर्यटकों की बचाई जान

किन्नौर और रामपुर जा रहे 30 पर्यटकों के लिए यह बर्फ उस समय दुखदायी बन गई, जब निहरी से 10 किलोमीटर दूर चौकी में फंस गए। जैसे ही इसकी सूचना प्रशासन को मिली तो राजस्व विभाग निहरी में कार्यरत ऑफिस कानूनगो गंगा राम तीन फीट बर्फ में 10 किलोमीटर पैदल चलकर चौकी गांव पहुंचे। सूचना के अनुसार बौद्ध स्थल रिवालसर से 30 बौद्ध अनुयायियों से भरे वाहन ऊपरी हिमाचल के किन्नौर, रामपुर जा रहे थे। इन्हीं बौद्ध अनुयायियों को बर्फ से रेस्क्यू करने के लिए प्रशासन की तरफ से गंगा राम पहुंच गए। उन्होंने स्थानीय लोगों की मदद से पहले इन पर्यटकों को चौकी गांव स्थित लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह और लोगो के घरों में ठहराया। बाद में 25 जनवरी की शाम तक इनके रहने और खाने का इंतजाम भी किया। इसी दौरान लोक निर्माण विभाग के एसडीओ और जेई जेसीबी लेकर सड़क खोलने में लग गए। कार्यकारी तहसीलदार निहरी टेक चंद ने बताया कि उक्त बौद्ध अनुयायियों के साथ अन्य वाहन चालकों को भी 25 जनवरी की शाम तक सड़क बहाल कर रवाना कर दिया था।

गुरुग्राम में 7 नामी स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, ई-मेल से मचा हड़कंप

गुरुग्राम , एजेंसी। साइबर सिटी गुरुग्राम में बुधवार सुबह उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब शहर के सात प्रतिष्ठित स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल प्राप्त हुआ। इस धमकी के बाद स्कूल प्रबंधन और पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। एहतियात के तौर पर प्रशासन ने तुरंत सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू करते हुए बच्चों को परिसरों से सुरक्षित बाहर निकाला और सघन सर्च अभियान शुरू किया।

सुबह-सुबह ई-मेल से मिली चेतावनी

जानकारी के अनुसार, स्कूल प्रबंधन को यह धमकी भरे ई-मेल सुबह उस समय मिले जब छात्र स्कूल पहुंचने ही वाले थे। जैसे ही प्रशासन को इसकी सूचना दी गई, पुलिस और स्क्वाड की टीमें तुरंत सक्रिय हो गईं। कई स्कूलों में बसें पहुंच चुकी थीं, जिन्हें तुरंत वापस भेजा गया। जिन स्कूलों में बच्चे परिसर के अंदर दाखिल हो चुके थे, उन्हें सुरक्षा घेरे में बाहर निकाला गया।
अभिभावकों में बढ़ी चिंता, अलर्ट जारी

टी20 वर्ल्ड कप : बॉयकॉट की अटकलों के बीच इस टीम ने पाकिस्तान को किया ट्रोल, आपका रिप्लेसमेंट तैयार

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले मैदान के बाहर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। बांग्लादेश के टूर्नामेंट से हटने, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की तीखी प्रतिक्रियाओं और आईसीसी के सख्त रुख के बीच अब इस विवाद में मज़ाकिया अंदाज़ भी जुड़ गया है। आइसलैंड क्रिकेट ने सोशल मीडिया पर एक चुटीले पोस्ट के जरिए पाकिस्तान को ट्रोल करते हुए कहा कि अगर पाकिस्तान पीछे हटता है तो वह उसकी जगह लेने के लिए तैयार है। इस पोस्ट ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है।

आइसलैंड क्रिकेट का वायरल पोस्ट – आइसलैंड क्रिकेट ने सोशल मीडिया पर एक मज़ेदार पोस्ट साझा कर टी20 वर्ल्ड कप विवाद को हल्के-फुल्के अंदाज़ में छेड़ दिया। पोस्ट में लिखा गया कि अगर पाकिस्तान 2 फरवरी को टूर्नामेंट से हटने का फैसला करता है तो आइसलैंड तुरंत उड़ान भरने के लिए तैयार है। हालांकि, उन्होंने यह भी मजाक में जोड़ा कि 7 फरवरी तक कोलंबो पहुंचने के लिए फ्लाइट शेड्यूल 'लॉजिस्टिकल बुरा सपना' बन सकता है और उनका ओपनिंग बल्लेबाज अनिद्रा से जूझ रहा है। यह व्यंग्यात्मक पोस्ट देखते ही देखते वायरल हो गई।

बांग्लादेश के हटने से शुरू हुआ विवाद – इस पूरे विवाद की जड़ बांग्लादेश के टी20 वर्ल्ड कप से हटने के फैसले में है। बांग्लादेश ने भारत में होने वाले मैचों को लेकर सुरक्षा चिंताओं का हवाला दिया था। हालांकि, आईसीसी द्वारा कराए गए स्वतंत्र सुरक्षा आकलन में किसी भी तरह के ठोस खतरे की पुष्टि नहीं हुई। इसके बावजूद बांग्लादेश के पीछे हटने पर आईसीसी ने उसकी जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल कर लिया।

पीसीबी चेयरमैन की आपत्ति और बयानबाजी

बांग्लादेश के हटने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने आईसीसी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश एक पूर्ण सदस्य देश है और उसे भी वही छूट मिलनी चाहिए थी जो पाकिस्तान को भारत में होने वाले आईसीसी इवेंट्स के लिए मिलती है। नकवी का तर्क था कि किसी भी देश को दूसरे देश पर अपनी शर्तें नहीं थोपनी चाहिएं। उनके इस बयान को भारत पर अप्रत्यक्ष तंज के तौर पर देखा गया।

थाईलैंड मास्टर्स

अश्मिता चालिहा ने थाईलैंड मास्टर्स में बिखेरा जलवा

महिला एकल वर्ग के मुख्य ड्रॉ में पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी। अश्मिता चालिहा ने दो कड़े मुकाबले जीतकर थाईलैंड मास्टर्स सुपर 300 के महिला एकल मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया। अब मुख्य ड्रॉ में उनका सामना साथी भारतीय खिलाड़ी देविका सिहाग से होगा। भारत की अश्मिता चालिहा ने दो कड़े मुकाबलों में जीत दर्ज कर थाईलैंड मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश कर लिया। गुवाहाटी की 26 वर्षीय खिलाड़ी, जो सेलंगोर में आयोजित 2024 एशिया टीम चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं, ने क्वालिफिकेशन के अपने पहले मुकाबले में चीनी ताइपे की हंग यी-टिंग को 42 मिनट चले मुकाबले में 21-15, 12-21, 21-12 से हराया।
इसके बाद अश्मिता ने कोरिया की किम जू यून की कड़ी चुनौती को पार करते हुए 45 मिनट में 21-11, 10-21, 21-16 से जीत हासिल की। मुख्य ड्रॉ में अश्मिता का सामना अब साथी भारतीय खिलाड़ी देविका सिहाग से होगा। अन्य मुकाबलों में, श्रेया लेले को क्वालीफिकेशन दौर में इंडोनेशिया की नी कादेक धिंदा अमर्त्या प्रतिवी से 12-21, 21-12, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा।
मिक्स्ड डबल्स क्वालिफिकेशन में एम जगलान और एल जगलान की जोड़ी को चीनी ताइपे के बो-युआन चेन और सुंग यी-शुआन ने एकतरफा मुकाबले में 21-12, 21-8 से पराजित किया।
पुरुष युगल में पी कृष्णमूर्ति रॉय और एस प्रथीक के की जोड़ी मलयेशिया की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी एन अजरीन और टैन डब्ल्यू के से 20-22, 20-22 से हार गई। वहीं महिला युगल में अश्विनी भट्ट के और शिखा गौतम की जोड़ी को इंडोनेशिया की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी एफ कुसुमा और एम पुस्पितासारी से 33 मिनट चले मुकाबले में 14-21, 12-21 से हार झेलनी पड़ी।

इगा स्वियातेक ऑस्ट्रेलियन ओपन से बाहर

● एलिना रायबकिना और जेसिका पेगुला सेमीफाइनल में पहुंची
● जोकोविच को दो सेट हारने के बाद वॉकओवर मिला

पोलैंड (एजेंसी)। साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन में बुधवार को बड़े उलटफेर देखने को मिले। महिला सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान की एलिना रायबकिना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी इगा स्वियातेक को सीधे सेटों में 7-5, 6-1 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। इस हार के साथ ही पोलैंड की स्वियातेक का करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने का सपना अधूरा रह गया। स्वियातेक अब तक चार बार फ्रेंच ओपन, एक बार विंबलडन और एक बार यूएस ओपन का खिताब जीत चुकी हैं और वह चारों ग्रैंड स्लैम जीतने वाली 11वीं महिला खिलाड़ी बनने की कोशिश में थीं। वहीं, अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने हमवतन अमांडा अनिसिमोवा को हराकर महिला सिंगल्स के सेमीफाइनल में जगह बनाई। मेंस में, 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच दो सेट गंवाने के बाद तीसरे सेट में मुकाबला खेल ही रहे थे कि विरोधी खिलाड़ी लोरेंजो मुसेटी के चोटिल होकर मैच से हटने के कारण सेमीफाइनल में पहुंच गए।

मुसेटी ने पहले दो सेट में जोकोविच को बैकफुट पर धकेला – मैच की शुरुआत से ही 22 साल के लोरेंजो मुसेटी ने शानदार खेल दिखाया। उन्होंने जोकोविच की सर्विस ब्रेक की और पहला सेट 6-4 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में भी मुसेटी का दबदबा कायम रहा और उन्होंने जोकोविच की गलतियों का फायदा उठाते हुए इसे 6-3 से जीत लिया। जोकोविच संघर्ष करते नजर आ रहे थे और ऐसा लग रहा था कि 10 बार के ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन का सफर इस बार क्वार्टर फाइनल में ही खत्म हो जाएगा।

● **अगला मुकाबला : सिनर या शेल्टन से होगी भिड़ंत** – सेमीफाइनल में जोकोविच का सामना बुधवार देर रात होने वाले दूसरे क्वार्टर फाइनल के विजेता से होगा। यह मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन यानिक सिनर और अमेरिका के बेन शेल्टन के बीच होना है। टेनिस फैंस को उम्मीद है कि सेमीफाइनल में जोकोविच और सिनर के बीच हाई-वोल्टेज मुकाबला देखने को मिल सकता है।

तीसरे सेट में जोकोविच ने वापसी की कोशिश की और तीसरे गेम में मुसेटी की सर्विस ब्रेक कर 2-1 की बढ़त बना ली। इसी दौरान मुसेटी को अपने दाहिने पैर के ऊपरी हिस्से में तेज दर्द महसूस हुआ। उन्होंने कोर्ट पर ही मेडिकल टाइम आउट लिया और फिजियो से इलाज कराया। इसके बाद उन्होंने एक गेम और खेलने की कोशिश की, लेकिन दर्द इतना ज्यादा था कि वो दौड़ने की स्थिति में नहीं थे। स्कोर जब जोकोविच के पक्ष में 3-1 था, तब मुसेटी ने रिटायर होने का फैसला किया। इटली के 5वें वरीय मुसेटी ने शुरुआती दो सेट जीतकर जोकोविच को बाहर होने की कगार पर धकेल दिया था, लेकिन तीसरे सेट के दौरान दाहिने पैर की मांसपेशी में खिंचाव (इंजरी) के कारण उन्हें मैच बीच में ही छोड़ना पड़ा। इटली के 5वें वरीय मुसेटी ने शुरुआती दो सेट जीतकर जोकोविच को बाहर होने की कगार पर धकेल दिया था, लेकिन तीसरे सेट के दौरान दाहिने पैर की मांसपेशी में खिंचाव (इंजरी) के कारण उन्हें मैच बीच में ही छोड़ना पड़ा।

रायबकिना ने पहला सेट एक घंटे में जीता – रायबकिना और इगा स्वियातेक के बीच पहला सेट करीब एक घंटे तक चला, जिसमें दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। सेट के आखिरी गेम में रायबकिना ने स्वियातेक की सर्विस ब्रेक कर 7-5 से सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में रायबकिना पूरी तरह हावी रहीं। रूस में जन्मी और कजाकिस्तान का प्रतिनिधित्व कर रही रायबकिना ने शुरुआती दो सर्विस ब्रेक के साथ 3-0 की बढ़त बनाई और स्वियातेक को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने 6-1 से दूसरा सेट जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। एलिना रायबकिना ने महिला सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी इगा स्वियातेक को सीधे सेटों में 7-5, 6-1 से हराया।

रूट-ब्रुक की सेंचुरी से इंग्लैंड ने सीरीज 2-1 से जीती

जो रूट ने रचा इतिहास, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ब्रायन लारा से आगे निकले, पवन रथनायके का पहला वनडे शतक

कोलंबो (एजेंसी)। जो रूट और हैरी ब्रूक के शतकों की बदौलत इंग्लैंड ने श्रीलंका को तीसरे वनडे में 53 रन से हराकर सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। मुकाबला कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेला गया। पहला वनडे श्रीलंका ने 19 रन से जीता था, जबकि दूसरे वनडे में इंग्लैंड ने 5 विकेट से जीत दर्ज की थी।

निर्णायक मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 50 ओवर में 3 विकेट पर 357 रन बनाए। कप्तान हैरी ब्रूक ने नाबाद 136 रन की शानदार पारी खेली, जबकि जो रूट 111 रन बनाकर नाबाद लौटे। दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिए 191 रन की मैच जिताऊ साझेदारी की। 358 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की टीम 46.4 ओवर में 304 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम की ओर से पवन रथनायके ने पहला वनडे शतक लगाते हुए सबसे ज्यादा 121 रन बनाए, लेकिन वह टीम को जीत दिलाने में नाकाम रहे। ओपनर पथुम निसांका ने 50 रन की पारी खेली।

इंग्लैंड के 11 ओवर में 2 विकेट गिरे – टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ओपनर बेन डकेट सिर्फ 7 रन बनाकर पवेलियन लौट गए, जबकि रेहान अहमद 24 रन ही जोड़ सके। शुरुआती ओवरों में श्रीलंकाई गेंदबाजों ने सटीक लाइन-लेंथ के साथ दबाव बनाया, जिससे 11 ओवर के भीतर इंग्लैंड ने 2 विकेट गंवा दिए। इस समय टीम का स्कोर 40/2 था और मैच पर श्रीलंका की पकड़ मजबूत दिख रही थी।

रूट-बेथेल ने पारी को संभाला – नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने उतरे जो रूट ने इंग्लैंड की लड़खड़ाती पारी को संभाला। उनके साथ जैकब बेथेल ने तीसरे विकेट के लिए 126 रन की अहम साझेदारी की। बेथेल ने 72 गेंदों में 65 रन की पारी खेली, जबकि रूट ने बिना किसी जोखिम के स्ट्राइक रोटेट करते हुए स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाया। 31वें ओवर में बेथेल के आउट होने तक इंग्लैंड मजबूत स्थिति में पहुंच चुका था।

कप्तान ब्रूक का शतक – जैकब बेथेल के आउट होते ही कप्तान हैरी ब्रूक ने तेजी से खेलना शुरू किया। ब्रूक ने स्पिन और तेज, दोनों तरह के गेंदबाजों पर आक्रामक शॉट खेले और मैदान के हर हिस्से में रन बटोरे। उन्होंने महज 66 गेंदों में नाबाद 136 रन की पारी खेली। इस दौरान उनकी पारी में 11 चौके और 9 छक्के शामिल रहे।

रूट का 20वां वनडे शतक – दूसरे छोर पर जो रूट ने 108 गेंदों में नाबाद 111 रन बनाकर अपने वनडे करियर का 20वां शतक पूरा किया।

अंडर-19 वर्ल्ड कप

लगातार चौथी जीत के बाद बोले भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे

इस खिलाड़ी की तारीफ की

बुलावायो (जिम्बाब्वे), एजेंसी। भारत ने आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप में जिम्बाब्वे को हराकर लगातार चौथी जीत हासिल की है। मेजबान जिम्बाब्वे के खिलाफ 204 रन की जीत इस बात का सबूत है कि इस टीम में कितनी प्रतिभा है। ढ्ढष्टष्ट वेबसाइट के अनुसार वे सेमीफाइनल क्वालिफिकेशन के कगार पर हैं, उन्होंने ह्र, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ भी जीत हासिल की है। लेकिन यह जीत इस टीम को वर्ल्ड कप के अहम पड़ाव के लिए बेहतर तरीके से तैयार करने में मदद करती है; यह उनकी पहली जीत थी जो ष्ठरुस्-मेथड से प्रभावित नहीं हुई और यह पहली बार था जब उन्होंने पूरे 50 ओवर खेले जिसमें उन्होंने शानदार 352/8 रन बनाए, जो जिम्बाब्वे के लिए पीछा करने के लिए बहुत ज्यादा रन थे। विहान मल्होत्रा प्लेयर ऑफ द मैच के लिए एक बेहतरीन पसंद थे, जिन्होंने 109* रन बनाए। भारत का 352 का स्कोर अब तक वर्ल्ड कप में बनाया गया चौथा सबसे बड़ा टोटल है। तीन विकेट लेने वाले कप्तान आयुष म्हात्रे ने मल्होत्रा के बल्ले से निभाई गई भूमिका का श्रेय देने में कोई देरी नहीं की। म्हात्रे ने मैच के बाद कहा, 'विहान सच में बहुत अच्छा कर रहा है।

हार्दिक पंड्या के इंटरनेशनल क्रिकेट में 10 साल पूरे

इमोशनल पोस्ट किया, लिखा- यह तो केवल शुरुआत है

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने मंगलवार को इंटरनेशनल क्रिकेट में 10 साल पूरे कर लिए हैं। उन्होंने जनवरी 2016 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 इंटरनेशनल में डेब्यू किया था। पंड्या ने इस उपलब्धि को एक इमोशनल पोस्ट के जरिए शेयर करते हुए कहा कि यह दौर उनके लिए केवल शुरुआत है और वे अभी भी अपने करियर के अगले स्टेज की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने लिखा कि 10 साल की यह यात्रा उनके लिए सीख, संघर्ष और उपलब्धियों से भरी रही है, और वे देश के लिए खेलते हुए आगे भी और योगदान देना चाहते हैं।

आप सभी को मेरा प्यार – पंड्या ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा है, आप सभी को मेरा प्यार, हर चीज के लिए धन्यवाद। धन्यवाद भगवान, उन सभी मुश्किलों और चुनौतियों के लिए जिनकी वजह से मैं यहां तक ??पहुंच पाया हूं। उन सभी लोगों के भरोसे के लिए। इस जिंदगी को जीने का मौका देने के लिए। इन सालों ने मुझे सिखाया है कि यह तो बस शुरुआत है। मैंने उन रास्तों पर अभी चलना शुरू ही किया है, जिस पर सचमुच में मैं चलना चाहता हूं।हार्दिक ने टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए थे।

टी-20 वर्ल्ड कप चैंपियन टीम का हिस्सा रहे – उनके करियर में कई उपलब्धियां शामिल हैं। पंड्या ने भारत की टीम को 2024 के टी-20 वर्ल्ड कप और 2025 के चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में योगदान दिया, जहां उन्होंने कई अहम पारियां और गेंदबाजी प्रदर्शन दिए।

दाहिने हाथ के इस ऑलराउंडर ने पिछले एक दशक में एक प्रभावशाली सफर तय किया है। बड़ौदा से शुरुआत करते हुए राष्ट्रीय टीम का अहम हिस्सा बनने तक। उन्होंने कई मौकों पर टीम इंडिया को जीत दिलाई है और बड़े टूर्नामेंटों में अपनी क्षमताओं का लोहा मनवाया है।

टी-2 वर्ल्डकप 2026

वॉर्म-अप मैचों का पूरा शेड्यूल जारी, इस टीम के खिलाफ भारत का मुकाबला

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले टीम इंडिया केवल एक आधिकारिक वॉर्म-अप मैच खेलेगी। यह मुकाबला 4 फरवरी को डीवाई पाटिल स्टेडियम, नवी मुंबई में साउथ अफ्रीका के खिलाफ होगा। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में उतरने वाली भारतीय टीम के लिए यह मैच टूर्नामेंट से पहले आखिरी प्रतिस्पर्धी परीक्षा होगी।

2024 फाइनल की दोहराई जाएगी कहानी – भारत और साउथ अफ्रीका का यह मुकाबला खास इसलिए भी है क्योंकि यह 2024 टी20 वर्ल्ड कप फाइनल का रीमैच होगा। ऐसे में इस वॉर्म-अप मैच का महत्व सिर्फ अभ्यास तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह मानसिक बढ़त और आत्मविश्वास हासिल करने का भी मौका होगा। टी20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत 7 फरवरी से होगी और इसका संयुक्त

आयोजन भारत और श्रीलंका में किया जाएगा।

सीमित वॉर्म-अप, लेकिन फोकस साफ – भारत का सिर्फ एक वॉर्म-अप खेलना बाकी टीमों से अलग रणनीति को दर्शाता है। व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर और खिलाड़ियों के भारी वर्कलोड को देखते हुए टीम मैनेजमेंट ने ज्यादा मैचों की बजाय खिलाड़ियों की फिटनेस और फ्रेशनेस को प्राथमिकता दी है।

ग्रुप स्टेज में पाकिस्तान से टक्कर – भारत के ग्रुप में पाकिस्तान भी शामिल है, जो खुद भी सिर्फ एक वॉर्म-अप मैच खेलेगा। पाकिस्तान 4 फरवरी को कोलंबो में आयरलैंड से भिड़ेगा। यह समान तैयारी ग्रुप मुकाबलों में रोमांच को और बढ़ा देती है। टूर्नामेंट का पहला मैच 7 फरवरी को पाकिस्तान बनाम नीदरलैंड्स के बीच खेला जाएगा।

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया बिना वॉर्म-अप – दिलचस्प बात यह है कि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया कोई आधिकारिक वॉर्म-अप मैच नहीं खेलेंगे। हालांकि दोनों टीमें टूर्नामेंट से पहले द्विपक्षीय सीरीज खेल रही हैं–इंग्लैंड श्रीलंका के खिलाफ और ऑस्ट्रेलिया पाकिस्तान के खिलाफ। यह दर्शाता है कि कुछ टीमें मैच प्रैक्टिस के लिए वॉर्म-अप की बजाय द्विपक्षीय सीरीज को तरजीह दे रही हैं।

भारतीय टीम क्यों घर पर लगातार हार रही टेस्ट सीरीज

● राहुल द्रविड़ ने खोले सारे राज, बताया कहां हो रही गड़बड़

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम अक्टूबर 2024 से नवंबर 2025 के बीच दो टेस्ट सीरीज घर पर हार चुकी है. उसे न्यूजीलैंड ने 3-0 से मात दी तो साउथ अफ्रीका ने 2-0 से पीटा. इससे पहले 2012 से 2024 के बीच 12 साल तक भारत घर पर अजेय था.

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और हेड कोच राहुल द्रविड़ ने पिछले दो साल से घर पर टेस्ट सीरीज गंवाने के पीछे क्या कारण हैं. उनका कहना है कि खिलाड़ियों का तीनों फॉर्मेट खेलना, लाल गेंद के क्रिकेट की तैयारी के लिए पर्याप्त समय न मिलना और नतीजे निकालने वाली पिचें इसके पीछे की वजह हो सकती हैं. भारत ने 2012 से 2024 के बीच घर पर कोई भी टेस्ट सीरीज नहीं गंवाई थी. लेकिन गौतम गंभीर के हेड कोच रहते अक्टूबर 2024 से नवंबर 2025 के दौरान 12 महीनों में दो सीरीज में घर पर हार मिली. पहले न्यूजीलैंड ने 3-0 से धूल चटाई. फिर साउथ अफ्रीका ने 2-0 से पीट दिया. भारत की घर पर टेस्ट में लगातार नाकामी पर द्रविड़ ने कुछ अहम बातें बताईं. उन्होंने 27 जनवरी को बेंगलुरु में एक इवेंट में कहा, 'एक कोच के रूप में

जो बात मुझे समझ आई कि जो खिलाड़ी तीनों फॉर्मेट खेलते हैं वे एक फॉर्मेट से दूसरे में लगातार सक्रिय रहते हैं. ऐसा देखा गया है कि हमारे पास टेस्ट मैच से पहले तीन से चार दिन का समय रहता है और तब हम टेस्ट की प्रैक्टिस शुरू करते हैं. फिर पलटकर देखने पर लगता है कि इन खिलाड़ियों ने इससे पहले आखिरी बार चार या पांच महीने पहले लाल गेंद का सामना किया था. यह एक चुनौती है. टेस्ट मैच में स्पिन लेती पिच या सीम वाली पिच पर घंटों तक खेलना आसान नहीं होता है. इसके लिए काबिलियत चाहिए होती है.

हम टेनिस खिलाड़ी हैं या चिड़ियाघर के जानवर

● हर जगह कैमरे होने पर दिग्गज प्लेयर स्वियातेक ने उठाए सवाल

मेलबर्न (एजेंसी)। इगा स्वियातेक ने बुधवार को यहां उसी विषय को आगे बढ़ाया जिसे कोको गॉफ ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में मंगलवार को उठाया था। अमेरिका की 21 वर्षीय खिलाड़ी गॉफ का क्वार्टर फाइनल में हारने के बाद कोर्ट के बाहर निराशा में रैकेट तोड़ने का वीडियो वायरल हो गया था जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई थी। गॉफ ने कहा था कि उन असीमित पहुंच वाले कैमरों के बारे में विचार करने की जरूरत है जो खिलाड़ियों को लॉकर रूम से लेकर कोर्ट तक और बीच में लगभग हर जगह ट्रैक करते हैं। स्वियातेक से बुधवार को पांचवीं वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना से क्वार्टरफाइनल में 7-5, 6-1 से हारने के बाद पूछा गया कि खिलाड़ियों के लिए ऐसे क्षेत्रों की कमी के बारे में वह कैसा महसूस करती हैं जहां कैमरों की नजर ना हो। स्वियातेक ने कहा, 'सवाल यह है कि हम टेनिस खिलाड़ी हैं या हम चिड़ियाघर के जानवरों की तरह हैं, जहां उनकी शौच करते समय भी निगरानी की जाती है, आप जानते हैं ना?

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

सड़क दुर्घटना में दो नवयुवक घायल

पथरगामा (गोड्डा) (नि. सं.)। बुधवार की संध्या अपने घर लखन पहाड़ी लौटने के क्रम में गांधी ग्राम लखन पहाड़ी मोड़ पर एक मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में मोटरसाइकिल सवार लखन पहाड़ी निवासी रोहित रविदास का पुत्र अमित कुमार और शंभू रविदास का पुत्र विष्णु कुमार घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों युवक नशे की हालत में थे। मोटरसाइकिल चालक वाहन को डगमगाते हुए चला रहा था, जिससे संतुलन बिगड़ गया और बाइक सड़क पर पलट गई। हादसे में दोनों युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पथरगामा थाना के गश्ती दल में तैनात अवर निरीक्षक पंकज कुमार मौके पर पहुंचे और तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पथरगामा पहुंचाया। वहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक सूर्यकांत गुलाटी ने दोनों घायलों का प्राथमिक उपचार किया। चिकित्सक के अनुसार दोनों युवकों की हालत फिलहाल खतरे से बाहर है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने नशे की हालत में वाहन चलाने को लेकर चिंता जताते हुए सड़क सुरक्षा नियमों के पालन की अपील की है।

गांजा तस्करी के आरोपित को सश्रम कारावास

गोड्डा (नि. सं.)। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश पंचम नीरज कुमार विश्वकर्मा के न्यायालय ने नशीले पदार्थ गांजा की खरीद-बिक्री करने के आरोपित महागामा थाना क्षेत्र के नयानगर निवासी मो. तबरेज आलम को दोषी पाकर एनडीपीएस की धारा 20 एवं 22 में सात- सात वर्ष की सजा व 50-50 हजार रूपये जुर्माना भरने की सजा सुनाई है। जुर्माना की राशि अदा नहीं करने पर छह माह अतिरिक्त कारावास की सजा से दंडित किया गया। दोनों सजा साथ-साथ चलेगी। महागामा थाना में 18 मार्च 2024 को दर्ज प्राथमिकी में थाना प्रभारी पुअनि शिवदयाल सिंह ने कहा है कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि नयानगर हनवारा के मो. तबरेज आलम पिता मो. नसीम आलम हनवारा मोड़ पर गुमटी में गांजा रखकर खरीद-बिक्री करते हैं। इस संबंध में सहना दर्ज कर एनडीपीएस एक्ट 1985 में निहित प्रावधान के तहत अंचलाधिकारी खगेन महतो के नेतृत्व में गठित टीम ने छापामारी की। तलाशी के दौरान गुमटी के पास प्लास्टिक के पारदर्शी पैकेट में गांजा तथा एक काले रंग के प्लास्टिक में मिट्टी का चिलम पाया गया। पूछताछ के दौरान गुंगटी में मौजूद मो. तबरेज ने कोई संतोषजनक जबाव नहीं दिया और कोई कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया। जब इसका वजन कराया गया तो मार्क ए का 135 पारदर्शी पुड़िया जिसका वजन 590 ग्राम, पारदर्शी प्लास्टिक के डब्बा में मार्क बी का 470 ग्राम, मार्क सी का 520 ग्राम, मार्क डी का 560 ग्राम एवं 11 पीस मिट्टी का चिलम पाया गया। सामान के साथ आरोपित मो. तबरेज आलम को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। विचारण के दौरान अभियोजन की ओर से छह गवाहों का न्यायालय के समक्ष परीक्षण कराया गया। उभय पक्षों की दलील सुनने के उपरांत न्यायालय ने आरोप को सही पाकर सुसंगत धारा में सजा सुनाई।

बासुकीनाथ में गूंजा विकसित भारत का संकल्प

बाबूलाल मरांडी ने नए कानूनों को बताया ग्रामीण विकास का आधार

निज संवाददाता | दुमका

बासुकीनाथ स्थित होटल रॉयल पैलेस में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित "विकसित भारत" सम्मेलन में राजनीति और विकास का संगम देखने को मिला।

भाजपा जिलाध्यक्ष रूपेश मंडल की अध्यक्षता में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सम्मेलन का मुख्य विषय ग्रामीण भारत के उत्थान में नए कानूनी सुधारों की भूमिका रहा। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बाबूलाल मरांडी ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लाए गए नए कानून ग्रामीण क्षेत्रों में न्याय व्यवस्था को सुलभ और पारदर्शी बनाएंगे।

उन्होंने कहा कि इन सुधारों से गांवों में विकास की गति तेज होगी और आम जनता को लाभ सीधे मिलेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इन सुधारों के महत्व को घर-घर पहुंचाएं और समाज में जागरूकता फैलाएं। बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो ने संगठन की मजबूती और सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता ही भाजपा की असली ताकत हैं और उनका समर्पण ग्रामीण भारत को सशक्त बनाने में निर्णायक होगा। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में जरमुंडी विधायक देवेंद्र कुंवर, पूर्व सांसद अभयकांत प्रसाद और सुनील सोरेन भी मौजूद रहे। सभी वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब ग्रामीण समाज आत्मनिर्भर और सशक्त बने। सम्मेलन में जिले भर से सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और आगामी योजनाओं और लक्ष्यों के लिए संकल्प लिया। यह आयोजन न केवल चुनावी तैयारियों के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण रहा, बल्कि विचार-विमर्श और नीति निर्धारण के लिए भी एक मंच साबित हुआ।

महागामा में बहियार से 30 वर्षीय युवक का मिला शव, पुलिस कर रही जांच

निज संवाददाता | गोड्डा

जिले के महागामा थाना क्षेत्र स्थित मांगन पिपरा बहियार में मंगलवार की सुबह एक 30 वर्षीय युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। खेत की ओर गए ग्रामीणों ने बहियार में शव पड़ा देखा, जिसके बाद घटना की सूचना महागामा पुलिस को दी गई। मृतक की पहचान अमित कुमार मोदी (30 वर्ष), पिता अरुण कुमार मोदी के रूप में की गई है। सूचना मिलते ही महागामा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चंद्रशेखर आजाद और महागामा थाना प्रभारी मनोज कुमार पाल अपने दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने मौके पर जांच-पड़ताल शुरू की और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

मृतक की पत्नी और भाई ने बताया कि अमित सोमवार रात करीब सात बजे घर से घूमने की बात कहकर निकले थे। जाते समय उन्होंने कहा था कि वे लौटकर खाना खाएंगे। लेकिन देर रात तक वह वापस नहीं आए और मोबाइल फोन भी बंद मिला, तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। परिजनों ने यह भी बताया कि अमित का बगल के एक पड़ोसी से जमीन विवाद चल रहा था।मंगलवार सुबह बहियार में शव मिलने की सूचना से परिवार में कोहराम मच गया। फिलहाल युवक की मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस परिजनों समेत आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। महागामा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चंद्रशेखर आजाद ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है।

पुलिस मामले को लेकर पूछताछ कर रही है और जमीन विवाद व अन्य कई बिंदुओं पर जांच शुरू कर दी गई है। शव को गोड्डा सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, जिसकी रिपोर्ट का इंतजार है।

समाहरणालय सभागार में उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई महत्वपूर्ण बैठक

विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति की हुई विस्तृत समीक्षा

निज संवाददाता | दुमका

समाहरणालय सभागार में बुधवार को उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की अद्यतन प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान जेएसएलपीएस अंतर्गत संचालित दीदी की दुकान, दीदी का ढाबा सहित अन्य योजनाओं की स्थिति की समीक्षा की गई। उद्योग विभाग की समीक्षा में पीएम विश्वकर्मा योजना 2025–26 के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली गई तथा नियमानुसार शीघ्र निस्तारण का निर्देश दिया गया। पंचायती राज विभाग अंतर्गत 15वें वित्त आयोग ग्राम पंचायत योजना की प्रगति की भी समीक्षा की गई। पशुपालन विभाग के अंतर्गत मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, जोड़ा बैल वितरण योजना, गव्य विकास विभाग अंतर्गत पशु बीमा योजना एवं पशु बीमा क्लेम की प्रगति की समीक्षा की गई। कृषि विभाग अंत हुक के अंतर्गत डिजिटल क्रॉप सर्वे, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, रबी वर्ष 2025–26 में 50 प्रतिशत अनुदान पर बीज वितरण योजना तथा बिरसा फसल विस्तार योजना के तहत 100 प्रतिशत अनुदान पर प्रदर्शन हेतु बीज प्राप्ति की स्थिति की समीक्षा की गई।

आपूर्ति विभाग द्वारा राशन वितरण, धान अधिप्राप्ति, धोती–साड़ी योजना एवं यूआईडी सीडिंग की स्थिति की जानकारी दी गई। समाज कल्याण विभाग अंतर्गत सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मध्याह्न भोजन, आंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण, सरकारी भवनों में पेयजल, शौचालय एवं विद्युत व्यवस्था तथा सेविका एवं सहायिका के रिक्त पदों की समीक्षा की गई। सामाजिक सुरक्षा विभाग के अंतर्गत सभी पेंशन योजनाओं एवं पेंशनधारियों को किए जा रहे भुगतान की स्थिति की भी समीक्षा हुई। शिक्षा विभाग के अंतर्गत विद्यालयों में विद्युतीकरण, शौचालय, पेयजल, बेंच-डेस्क की उपलब्धता तथा शिक्षक एवं छात्रों की ऑनलाइन उपस्थिति की समीक्षा की गई। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में अस्पतालों की मरम्मति, जन्म–मृत्यु पंजीकरण, कालाजार से प्रभावित मरीजों के आवास निर्माण सहित अन्य योजनाओं की प्रगति पर चर्चा की गई। कल्याण विभाग अंतर्गत छात्रवृत्ति योजना, साइकिल वितरण एवं मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना की समीक्षा की गई।

राजस्व एवं आंतरिक संसाधन विभाग अंतर्गत लंबित दाखिल–खारिज मामलों की स्थिति की समीक्षा की गई। साथ ही आपदा प्रबंधन से संबंधित जाति प्रमाण पत्र, स्थानीय निवास प्रमाण पत्र एवं आय प्रमाण पत्र निर्गत करने की प्रगति की जानकारी ली गई। पर्यटन विभाग की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने जिले में पर्यटन विकास को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग अंतर्गत हर घर जल योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना एवं मनरेगा अंतर्गत संचालित योजनाओं की भी समीक्षा की गई।

उत्कृष्ट कार्य के लिए समानित हुए शिक्षक राजेन्द्र कुमार झा

निज संवाददाता | गोड्डा

स्थानीय पीएम श्री मध्य विद्यालय गोड्डा (बालक) के प्रभारी शिक्षक राजेन्द्र कुमार झा को उत्कृष्ट कार्य के लिए गणतंत्र दिवस पर उपायुक्त अंजली यादव ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है। झा को उक्त प्रशस्ति पत्र जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक की उपस्थिति में समाहरणालय परिसर में डीसी ने प्रदान किया। मध्य विद्यालय गोड्डा (बालक) को आदर्श विद्यालय फिर पीएमश्री विद्यालय निर्माण में झा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनके कार्यकाल में शैक्षणिक व्यवस्था से लेकर विद्यालय परिसर की साफ- सफाई , संसाधन और संरचना का उत्कृष्ट कार्य हुआ। राजेन्द्र कुमार झा सदर प्रखंड के बैसाढ़ी गांव के निवासी हैं। इन्होंने भागलपुर विश्वविद्यालय के ओल्ड पीजी से रसायन शास्त्र में स्नात्कोत्तर की शिक्षा ग्रहण की है।

उन्होंने 1994 में बीपीएससी द्वारा आयोजित शिक्षक नियुक्ति परीक्षा पास कर शिक्षक की नौकरी हासिल की है। इससे पूर्व ये महिला महाविद्यालय गोड्डा में बतौर प्राध्यापक के रूप में कार्यरत थे। इनके इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार , अध्यक्ष मो. हसीब सहित बुद्धिजीवियों ने खुशी का इजहार किया है।

पत्रकारिता सेवा सम्मान से नवाजे गए सुधीर, नूतन एवं प्रवीण

निज संवाददाता | गोड्डा

स्थानीय शांति नगर स्थित गोड्डा प्रेस क्लब, स्लिंगशॉट एसोसिएशन ऑफ गोड्डा एवं जननी सेवा ट्रस्ट के संयुक्त कार्यालय खबर संगम भवन में गणतंत्र दिवस के अवसर पर सोमवार को झंडोत्तोलन के पश्चात गत वर्ष स्थापित परंपरानुसार तीन वरिष्ठ पत्रकारों को गोड्डा पत्रकारिता जगत में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए "पत्रकारिता सेवा सम्मान 2026" से नवाजा गया।

वरिष्ठ पत्रकार संजीव झा की अध्यक्षता एवं युवा पत्रकार मनीष कुमार झा के संचालन में आयोजित उक्त समारोह के तहत ग्राम वंदनवार के वरिष्ठ एवं प्रसिद्ध पत्रकार सुधीर मिश्रा को जहां प्रेस क्लब के अध्यक्ष संजीव झा ने अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया वहीं प्रसिद्ध नारी शक्ति नूतन तिवारी को विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित स्लिंग शॉट एसोसिएशन फॉर झारखंड के प्रधान संरक्षक सुरजीत झा ने जबकि सुप्रसिद्ध पत्रकार सह आलेखक प्रवीण तिवारी को गोड्डा प्रेस क्लब के सचिव अमरेंद्र सिंह "बिट्टू" ने अंग वस्त्र एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया। धन्यवाद ज्ञापन स्लिंग शॉट एसोसिएशन ऑफ गोड्डा के सचिव अखिल कुमार झा ने किया। इस अवसर पर रंजन बहादुर, अनंत झा, अमित सिंह, शिवम गोस्वामी, शशि कुमार, सोनू कुमार, मोहित वर्मा, नारायण मंडल, प्रभाकर श्रीवास्तव, अमृता श्रीवास्तव, इम्तियाज भारती, अमित ठाकुर, नीतीश आनंद, बालकृष्ण मिश्र, सर्वानंद सिंह सहित अन्य गण्यमान व मीडियागण उपस्थित थे।

चुनाव: नामांकन के दौरान शांति व्यवस्था के लिए दुमका में धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा

निज संवाददाता | दुमका

राज्य निर्वाचन आयोग, झारखंड द्वारा नगरपालिका (आम) निर्वाचन–2026 की घोषणा के साथ ही चुनावी प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से अनुमंडल दंडाधिकारी, दुमका ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 की धारा 163 के अंतर्गत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। यह आदेश नामांकन प्रक्रिया के दौरान विधि-व्यवस्था संधारण को ध्यान में रखते हुए जारी किया गया है।

निषेधाज्ञा के तहत नाम निर्देशन पदाधिकारी के कक्ष से 100 मीटर की परिधि में किसी भी प्रकार के घातक हथियार, आग्नेयास्त्र अथवा विस्फोटक पदार्थ ले जाना प्रतिबंधित रहेगा। इसी दायरे में जुलूस, प्रदर्शन, पोस्टर-बैनर, झंडा या किसी भी प्रकार की प्रचार सामग्री ले जाने व प्रदर्शित करने पर रोक रहेगी।

ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग के साथ-साथ नामांकन के दौरान मोबाइल फोन के प्रयोग पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। आदेश के अनुसार नामांकन के समय प्रत्याशी के साथ केवल चार व्यक्ति ही 100 मीटर की परिधि में प्रवेश कर सकेंगे। कोई भी प्रत्याशी या समर्थक अन्य प्रत्याशी के नामांकन में बाधा उत्पन्न नहीं करेगा और न ही ऐसा कोई कार्य करेगा जिससे तनाव की स्थिति बने या किसी की भावना आहत हो। चुनावी अपराध की श्रेणी में आने वाले किसी भी कृत्य पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, किसी भी प्रत्याशी के पुतले जलाने, उग्र प्रदर्शन करने या जुलूस निकालने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। निर्वाचन कार्य में प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों एवं कर्मियों से दुर्व्यवहार या उनके कार्य में बाधा डालना आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन माना जाएगा। नाम निर्देशन पदाधिकारी के कक्ष के 100 मीटर के दायरे में किसी भी प्रकार के वाहन के प्रवेश पर भी रोक लगाई गई है।

यह निषेधाज्ञा आदेश विधि-व्यवस्था संधारण में प्रतिनियुक्त सरकारी पदाधिकारियों एवं कर्मियों पर लागू नहीं होगा। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत दंडनीय अपराध होगा। यह आदेश 27 जनवरी 2026 से नामांकन प्रक्रिया की समाप्ति तक प्रभावी रहेगा। आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

गणतंत्र दिवस के दौरान कॉलेज में अमर्यादित नृत्य प्रस्तुति को लेकर प्राचार्य से मांगा गया स्पष्टीकरण

निज संवाददाता | गोड्डा

गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर मिल्लत कॉलेज परसा में कॉलेज प्रबंधन की ओर से आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में अशोभनीय/अमर्यादित नृत्य प्रस्तुत कराई गई थी जो सोशल मीडिया में प्रसारित हो रही है। इस संदर्भ में मिल्लत कॉलेज परसा के प्राचार्य को उपायुक्त के द्वारा स्पष्टीकरण किया गया है। ज्ञात हो कि 26 जनवरी को

गणतंत्र दिवस समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कर अशोभनीय/अमर्यादित नृत्य कराना राष्ट्रीय पर्व की गरिमा, शैक्षणिक मार्यादा को धूमिल करना, अनुशासनहीनता का परिचायक है। शैक्षणिक संस्थान के प्रधान होने के नाते अनुशासन सुनिश्चित कराना कॉलेज प्राचार्य का दायित्व था। उनके उक्त कृत्य से जिला की छवि धूमिल हुई है। उन्हें 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण समर्पित करने के निर्देश दिए गए हैं। क्यों एवं किस परिस्थिति में उनके द्वारा गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर कॉलेज में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कर अशोभनीय/अमर्यादित नृत्य प्रस्तुत कराई गई है।

अंजुमन इस्लाहुल्लिसान का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

निज संवाददाता | गोड्डा

मदरसा दारुल उलूम, रानीडीह में मदरसा के छात्रों के लिए पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। वहीं कार्यक्रम में उपस्थित झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य हाजी इकरारूल हसन ने सबों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा- विकास चेतना और प्रकाश का नाम है, जो इंसान को अज्ञानता के अंधेरों से निकाल कर सफलता की राह दिखाता है। ये केवल डिग्री प्राप्त करने का नाम नहीं है बल्कि व्यक्तित्व के निर्माण, संस्कार और समाज को सभ्य बनाने की प्रक्रिया है। अंजुमन इस्लाहुल्लिसान वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह की अध्यक्षता मौलाना हाजी यासीन ने की। कार्यक्रम आयोजित मुख्य अतिथि राज्य हज समिति सह आयोग सदस्य हाजी इकरारूल हसन आलम विशिष्ट अतिथि युवा नेता एवं राजद महासचिव रजनीश भारती उपस्थित थे। मंच पर मौलाना अब्दुर रकीब, कारी एहसान, मौलाना महताब, कारी इमरान, मौलाना ज़ियाफ़त, मौलाना फारूक, मुफ्ती अब्दुर रहमान साहब, कारी शाबान मुफ्ती जाहिद मौजूद थे।

उक्त पुरस्कार वितरण समारोह को लेकर क़िरात तिलावत प्रतियोगिता में मुहम्मद अक़ील ने पहला स्थान मुहम्मद आबिद ने दूसरा स्थान तथा रहमतुल्लाह ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। नातिया मुशायरा में मुहम्मद महदी हसन ने पहला स्थान मुहम्मद असद ने दूसरा स्थान, मुहम्मद सोहेल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। तकरीर मुकाबला में मुहम्मद आबिद ने पहला स्थान मुहम्मद हाशिम ने दूसरा स्थान और मुहम्मद ने तीसरा स्थान प्राप्त किया तो वहीं मौकालमा के प्रतियोगिता में मोहम्मद गुलजार, मोहम्मद निर्सलिम, मोहम्मद हाशिम, मोहम्मद आकिल को पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार का वितरण रजनीश भारती, हाजी इकरारूल हसन आलम, डॉ० जुनैद आलम, मो० मंसूर एवं मदरसा के शिक्षकों के कर कमलों द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन मो० मुनाजिर ने और मंच संचालन मो० शहाबुद्दीन ने किया।

विद्या विहार स्टडी सेंटर में मेधावी छात्रों को किया गया सम्मानित

निज संवाददाता | गोड्डा

स्थानीय गंगटा खुर्द स्थित विद्या विहार स्टडी सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों की उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए पुरस्कार वितरण किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया, जिनमें रेशमी हेम्ब्रॉम को प्रथम पुरस्कार के रूप में चमचमाती साइकिल प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं द्वितीय पुरस्कार से प्रिंस कुमार, तृतीय पुरस्कार से चिन्मय आनंद तथा चतुर्थ पुरस्कार से रोशन कुमार को सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त नन्हीं कुमारी एवं अनुराधा कुमारी सहित अन्य विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। सभी चयनित विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र, मेडल एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम विद्या विहार स्टडी सेंटर के निदेशक आशीष कश्यप के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

पुरस्कार वितरण भुवनेश्वर पंडित, अभय पलिवार, मनोज कुमार, पप्पू, राजेश कुमार एवं त्रिभुवन कुमार द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थान के शिक्षक उमेश रमानी, नीरज कुमार एवं तनीषा तनु मैम का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों द्वारा इस पहल की सराहना की गई और इसे विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक बताया गया।

वीर परिवार सहायता योजना को लेकर डालसा ने चलाया जागरूकता अभियान

निज संवाददाता | दुमका

रांची के आदेशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका सुधांशु कुमार शशि के निर्देश पर राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रारंभ की गई वीर परिवार सहायता योजना-2025 के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सेवारत रक्षा कर्मियों, पूर्व सैनिकों तथा उनके आश्रित परिवारों को सुलभ, प्रभावी एवं निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराना है। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, दुमका स्थित डालसा द्वारा संचालित लीगल एड क्लीनिक में आयोजित इस कार्यक्रम में पैरा लीगल वॉलिंटियर्स एवं पैनल अधिवक्ताओं ने वीर परिवारों एवं उनके आश्रितों को योजना की विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि योजना के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को कानूनी सहायता प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए समय-समय पर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना के लाभ से वंचित न रह जाए। लाभार्थियों से प्राप्त शिकायतों के त्वरित निवारण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के सदस्यों तथा वीर शहीदों के परिजनों की उपस्थिति रही। इस दौरान उपस्थित लोगों को योजना की जानकारी साझा की गई और पात्र लाभार्थियों से आवेदन कर योजना का लाभ उठाने की अपील की गई। जागरूकता अभियान के तहत विभिन्न स्थानों पर सूचना, बैनर, पोस्टर एवं पम्पलेट्स का वितरण भी किया जा रहा है। वीर परिवार सहायता योजना शहीदों के सम्मान को बनाए रखने और उनके परिवारों को सुरक्षित भविष्य प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।